रोहतक
रविवार, 21 सितंबर, 2025
अश्विन मास कृष्ण पक्ष,
अमावस्या वर्ष : 29, अंक : 232
पृष्ठ 16 मूल्य 3.00

मौसम
अधि. 36.8
न्यून. 20.0

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

09 महामुकाबला आज : सुपर 4 में पाकिस्तान पर दबदबा कायम रखने उतरेगी टीम इंडिया

खबर संक्षेप

जजपा की 19 महिला जिला अध्यक्ष नियुक्त

चंडीगढ़। जननायक जनता पार्टी ने अपने संगठन में विस्तार करते हुए कई महत्वपूर्ण नियुक्तियां की है। जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला, पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला, जेजेपी प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश प्रभारी डॉ किरण पुनिया, महिला प्रदेश अध्यक्ष रजनी दहिया मालिक व अन्य वरिष्ठ नेताओं ने विचार-विमर्श के बाद महिला सेल में तीन जिला प्रभारियों और 19 जिला अध्यक्षों की नियुक्तियों की सूची जारी की। महेंद्रगढ़ जिले में सुविधा शास्त्री, पानीपत में सरिता मोर और सिरसा में सुमित्रा देवी भारी को महिला जिला प्रभारी नियुक्त किया गया हैं।

अजय कुंडलस ने थामा भाजपा का दामन

पंचकूला। पंचकूला नगर निगम के वार्ड 15 से निर्दलीय चुनाव लड़ चुके सेक्टर 20 कुंडी गांव के अजय कुंडलस ने अपने सैकड़ों समर्थको के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पं. मोहन लाल बड़ौली की उपस्थिति में भाजपा ज्वाइन कर ली। भाजपा मुख्यालय पंचकमल में पंचकूला जिला अध्यक्ष अजय मित्तल ने सभी समर्थको को भाजपा का पटका पहना कर पार्टी में स्वागत किया।

अग्रवाल वैश्य समाज ने सरकार को मांग पत्र भेजा

चंडीगढ़। सरकार पहली बार प्रदेश स्तर पर महाराजा अग्रसेन जयंती पर कार्यक्रम आयोजित कर रही है। पंचकूला के इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में होने वाले इस कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे जबकि प्रदेश के राजस्व एवं शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल समारोह की अध्यक्षता करेंगे। महासचिव राजेश सिंगला ने इस कार्यक्रम को लेकर प्रदेश के शहरी निकाय एवं राजस्व मंत्री विपुल गोयल को एक पत्र लिखकर 6 मांगे उनके सामने रखी हैं।

स्वस्थ नारी -सशक्त परिवार का आधार : राव

चंडीगढ़। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि हमारे समाज में नारी शक्ति को पूजनीय स्थान प्राप्त है, इसलिए उनके स्वास्थ्य की चिंता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि नारी शक्ति स्वस्थ रहेगी तो परिवार भी स्वस्थ रहेगा और इसी से एक समृद्ध एवं सशक्त समाज की दिशा में हम आगे बढ़ पाएंगे। कैबिनेट मंत्री शनिवार को सेवा पखवाड़े के अंतर्गत गुरुग्राम के फ़र्रुखनगर फ़िल्म क्षेत्र स्थित नागरिक अस्पताल में आयोजित स्वस्थ नारी – सशक्त परिवार अभियान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए पहल जरूरी : नागर

चंडीगढ़। हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री राजेश नागर ने फरीदाबाद गुरुग्राम रोड स्थित टीएचएसटीआई मेडिकल रिसर्च सेंटर पर पौधरोपण किया और सभी को पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। गौरतलब है कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक देश भर में चल रहे अभियान के अंतर्गत यह पौधारोपण किया गया है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को भी आह्वान किया।

कांग्रेस के वोट चोरी के आरोपों पर मुख्यमंत्री नायब सिंह का पलटवार

झूठे आरोप लगाना फिर भाग जाना राहुल व कांग्रेस की आदत

झूठ और भ्रम फैलाकर लोकतंत्र को कमजोर कर रहे राहुल गांधी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस के वोट चोरी के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी लोकतांत्रिक संस्थाओं के बारे में झूठ व भ्रम फैलाकर लोकतंत्र को कमजोर करने का काम कर रहे हैं। उनके चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोप झूठे और भ्रामक हैं। वे बार-बार बिना तैयारी के जनता के सामने आते हैं और लोकतंत्र को कमजोर करने वाली बातें करते हैं। बार-बार झूठे आरोप लगाना और फिर भाग जाना राहुल गांधी और कांग्रेस की आदत बन गई है। आज कांग्रेस खोखली हो चुकी है, कांग्रेस पर जनता को विश्वास नहीं रहा। मुख्यमंत्री यहां आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। नायब सैनी ने कहा कि घुसपैठियों और शहरी नक्सलियों को बचाने के लिए ही राहुल गांधी और कांग्रेस झूठे और निराधार आरोप लगा रही है। कांग्रेस का एकमात्र उद्देश्य लोकतंत्र में विश्वास को तोड़ना, अशांति पैदा करना और भारत को अस्थिर करना है।

भाजपा लोकतंत्र की रक्षा करती है और कांग्रेस घुसपैठियों की

भाजपा सरकार लोकतंत्र की रक्षा करती है और कांग्रेस घुसपैठियों की। मुख्यमंत्री ने तथ्य रखते हुए कहा कि राहुल गांधी ने 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों के मतदाता सूची मामले को मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जोड़ दिया, जबकि वे फरवरी 2025 में नियुक्त हुए थे। आखिर राहुल गांधी 2023 की घटना का दोष वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त पर क्यों मढ़ रहे हैं। जहां तक कर्नाटक के अलंद विधानसभा क्षेत्र की बात है, जिसका हवाला वे दे रहे हैं, वहां से 2023 में कांग्रेस जीती थी। वे सच को तोड़-मरोड़ कर पेश कर जनता को भ्रमित कर रहे हैं। इस मामले में पहले ही एफ.आई.आर. दर्ज हो चुकी है। चुनाव आयोग ने उपयोग किए गए मोबाइल नंबर और आई. पी. पते भी उपलब्ध कराए थे। इसकी जांच कर्नाटक में कांग्रेस की ही सरकार की सी.आई.डी. कर रही है। उन्होंने सवालिया अंदाज में कहा कि क्या राहुल गांधी को अपनी ही पार्टी की सरकार की जांच पर भरोसा नहीं है।उन्होंने कहा कि चुनाव ऑनलाइन जीते या हारे नहीं जा सकते। ऑनलाइन केवल झूठ फैलाया जा सकता है, झूठी बातें गढ़ी जा सकती हैं और दुष्प्रचार किया जा सकता है, जिसमें राहुल गांधी, कांग्रेस पार्टी और इंडी गठबंधन माहिर हैं।

चुनाव आयोग ने खारिज किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में राहुल गांधी ने कहा है कि लोकतंत्र बचाना उनका काम नहीं है, बल्कि उनका, कांग्रेस पार्टी और इंडी गठबंधन का काम भाजपा का विरोध करना है। यह एक ही लाइन उनकी असली मंशा को उजागर करने के लिए काफी है। राहुल गांधी के सभी झूठे दावों को भारतीय चुनाव आयोग ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कुछ ही मिनटों में खारिज किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अलंद विधानसभा सीट के रिकॉर्ड बताते हैं कि 2023 में कांग्रेस के बी.आर. पाटिल ने 10,348 वोटों के बड़े अंतर से इसे जीता था। यह बताता है कि मतदाताओं के नाम हटाने की साजिश के आरोप निराधार हैं, जो सीट कांग्रेस ने 2018 तक कभी नहीं जीती थी, अचानक कांग्रेस के पास चली गई। क्या इसका मतलब यह है कि कांग्रेस ने वोट चोरी की थी।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प से ही भारत विकसित राष्ट्र बनेगा : मुख्यमंत्री

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत संकल्प से ही भारत विकसित राष्ट्र बन सकता है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा संकल्प है जो हमें आत्मनिर्भरता की ओर ले जा रहा है। यही भारत की असली ताकत है और इसी ताकत को पहचानते हुए पीएम मोदी ने स्वदेशी का नारा दिया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी शनिवार को पंचकूला स्थित भाजपा कार्यालय पंचकमल में आत्मनिर्भर भारत संकल्प कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली की अध्यक्षता में हुई इस कार्यशाला को राष्ट्रीय सचिव अल्का गुर्जर, प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के अलावा संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने भी संबोधित किया। कार्यशाला में प्रदेश महामंत्री एवं मंत्री कृष्ण बेदी, प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया सहित सांसद, विधायक, मंत्री, जिलों के अध्यक्ष। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 25 सितंबर से लेकर 25 दिसंबर तक आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान चलेगा।

अभ्यर्थी शिकायत दर्ज करवा सकेंगे

एचएसएससी ने ग्रुप संख्या 25 की आंसर-की जारी की

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने 21 जुलाई को शाम की पाली में आयोजित ग्रुप संख्या 25 की लिखित परीक्षा की अंतिम उत्तर कुंजी (आंसर-की) जारी कर दी है। विज्ञापन संख्या 08/2024 के तहत हुई इस लिखित परीक्षा की उत्तर कुंजियां आयोग की वेबसाइट पर अपलोड की गई हैं। यदि किसी अभ्यर्थी को किसी उत्तर के संबंध में कोई आपत्ति है तो वह अपनी आपत्तियां और सुझाव 25 सितंबर की रात 12 बजे तक ऑनलाइन दे सकते हैं। एचएसएससी चेयरमैन हिम्मत सिंह ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे अपनी आपत्तियों के साथ-साथ ग्रुप संख्या/परीक्षा कोड, परीक्षा तिथि, सत्र, सेट, आपत्ति का प्रकार, प्रश्न संख्या और उत्तर का स्रोत, जिस पर आपत्ति उठाई गई है, उसका प्रमाण भी स्पष्ट रूप से लिखें। अन्यथा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

- **25 तक ऑनलाइन आपत्ति दर्ज करवा सकेंगे**

कर्मचारी महासंघ का ऐलान

वेतन आयोग व ओपीएस की मांग को लेकर 23 को प्रदर्शन

चंडीगढ़। फेडरेशन ऑफ यू टी एम्पलाइज एंड वर्करज, चंडीगढ़ का 8वां प्रतिनिधि सम्मेलन शनिवार को भकना भवन, चंडीगढ़ में वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र कटोच की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। सम्मेलन में फेडरेशन के महासचिव गोपाल दत्त जोशी ने पिछले तीन सालों की सांगठनिक एवं आंदोलन की रिपोर्ट प्रस्तुत की। जिसको प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से पारित किया। सम्मेलन में अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर आठवें पे कमीशन के गठन और ओपीएस आदि 11 सुत्रीय मांग को लेकर 23 सितंबर को धरना प्रदर्शन करने का फैसला लिया। सम्मेलन में सर्व सम्मति से संपन्न हुए चुनाव में गोपाल दत्त जोशी को चेयरमैन,राजेन्द्र कटोच प्रधान व हरकेश चंद को जरनल सेकेट्री चुने गए।

- **चंडीगढ़ के भकना भवन में बनी रणनीति**

प्रादेशिक सड़क उत्थान योजना से बदलेगी प्रदेश की तस्वीर

गुजवि में आज राजस्तरीय कार्यक्रम, मुख्यमंत्री करेंगे शुभारंभ, 4827 करोड़ का बजट निर्धारित

चंडीगढ़। लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने बताया कि रविवार को प्रादेशिक सड़क उत्थान योजना के तहत राज्य की 9 हजार 410 किलोमीटर की 4227 सडक़ों की कार्पेटिंग/निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया जाएगा। इन सडक़ों के निर्माण के लिए सरकार की ओर से 4827 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि रविवार को हिसार के गुरू जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय में होने वाले राज्य स्तरीय समारोह के दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सड़कों की कार्पेटिंग/निर्माण कार्यों का शुभारंभ करेंगे।कैबिनेट मंत्री ने बताया कि लोक निर्माण विभाग की 2285 के अलावा हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की 549, शहरी स्थानीय निकाय विभाग की 347, पंचायती राज की 276, एग्रीकल्चर मार्किटिंग बोर्ड की 498 तथा एचएसआइआइडीसी की 272 सडकों के निर्माण कार्य आगामी दिनों में पूरे किए जाएगे।

प्रदेश के विकास को गति मिलेगी : गंगवा

रविवार को जिन सडक़ों के निर्माण कार्यों का लोकापर्ण होगा, उनमें वे 110 सड़कें शामिल है जिनके टेंडर होने उपरांत वर्क अलॉट हो चुके है। उन्होंने कहा कि मजबूत सडक नेटवर्क न केवल परिवहन को सरल बनाता है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और उद्योग जैसे क्षेत्रों को भी गति देता है। मुख्यमंत्री से हरी झंडी मिलते ही प्रदेश के विभिन्न जिलों की 110 सडक़ों का निर्माण कार्य एक साथ शुरू हो जाएगा। इनमें अम्बाला जिले की 9 , झज्जर 4, भिवानी 8, जींद की 6, चरखी दादरी की 4, कैथल की 6 व अन्य सड़कों की मरम्मत होगी।

प्रदेश में अलग-अलग 16 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान से स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देना मकसद : बड़ौली

चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देना आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान का मकसद है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत अलग-अलग 16 कार्यक्रम आयोजित होंगे जिनके माध्यम से स्वदेशी वस्तुओं का इस्तेमाल करने के लिए लोगों को प्रेरित किया जाएगा। बड़ौली शनिवार को पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान की कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राष्ट्रीय सचिव अल्का गुर्जर, प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के अलावा संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने भी संबोधित किया।

जनता का सरकार पर भरोसा

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हरियाणा में मोदी और नायब सरकार के प्रति लोगों में भरोसा और विश्वास लगातार बढ़ रहा है। नायब सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में लाडो लक्ष्मी योजना का उपहार प्रदेश की महिलाओं को दिया है। 2100 रुपये देने वाला हरियाणा पहला प्रांत बना है। प्रदेश में बाढ़ और बारिश से जिनकी फसलों, मकान व पशुओं का नुकसान हुआ है सरकार मुआवजा दे रही है।कार्यशाला में बड़ौली ने सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम में निष्ठा से कार्य कर रहे सभी कार्यकर्ताओं की जमकर तारीफ की। वहीं उन्होंने आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान को लेकर जरूरी दिशा निर्देश दिए और नायब सरकार की जमकर प्रशंसा की।

इनेलो के युवा प्रकोष्ठ का विस्तार, दो जिलों में हलका अध्यक्ष किए नियुक्त

चंडीगढ़। संगठन का विस्तार करते हुए इनेलो युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद गोस्वामी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला, प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा और युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय प्रभारी कर्ण चौटाला से विचार विमर्श करके बाकी बचे दो जिलों सोनीपत और यमुनानगर के 11 हलका अध्यक्षों की भी नियुक्ति की। इनेलो के युवा प्रकोष्ठ के नवनियुक्त हलका अध्यक्षों की सूची - सोनीपत जिला के हलका गोहाना से जितेंद्र छिकारा, हलका सोनीपत से आकाश पालीवाल, हलका खरखौदा से यशपाल, खराखौदा शहर से प्रवीन, हलका बरोदा से रविन्द्र मलिक, हलका राई से भूपेंद्र दहिया और जिला यमुनानगर के हलका जगाधरी से रमनीत गिल, यमुनानगर शहर से रंजन शर्मा, यमुनानगर ग्रामीण से अरविंद कंबोज, सढौरा से सरपंच मनू संधू और रादौर से प्रिंस मेहला को हलका अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके साथ ही युवा प्रकोष्ठ के सभी 90 हलकों में युवा अध्यक्षों की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी हो गई है।

एचओए की बैठक 23

चंडीगढ़। प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को नई उड़ान देने की तैयारी तेज हो गई है। प्रदेश में 13 वर्षों के लम्बे अंतराल के बाद हरियाणा राज्य में हरियाणा स्टेट ओलंपिक गेम्स 2025 आयोजित होने जा रहे हैं। हरियाणा सरकार ने खेल कोटे से 477 के करीब सरकारी नौकरियों को बैकलॉग से भरने का फैसला लिया है जोकि प्रदेश के सारे खिलाड़ियों के लिए अच्छी खबर है। इसकी सारी जानकारी वेबसाइट से देखी जा सकती है। 23 सितम्बर को हरियाणा ओलम्पिक संघ (एचओए) की बैठक के बाद चयन प्रक्रिया शुरू होगी और खिलाड़ियों के ट्रायल होंगे। यह राज्य के खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी सौगात मानी जा रही है।

पंडित दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना पर होमवर्क पूरा

प्रदेश की आर्थिक तौर पर कमजोर महिलाओं को प्रति माह 2100 रुपये की वित्तीय सहायता मिलेगी

25 से महिलाओं को मिलेगा मान सम्मान, एक तीर से कई निशाने साधने की तैयारी में सरकार

योगेंद्र शर्मा ▶▶ चंडीगढ़

प्रदेश की नायब सैनी सरकार अपने चुनावी वायदे को पूरा करते हुए 25 सितंबर से पंडित दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना पर सम्मान देने की तैयारी कर ली गई है। सरकार, सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछडे वर्ग कल्याण और अंत्योदय (सेवा) विभाग, हरियाणा के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए एक कदम आगे बढा दिया है। 25 सितंबर से लाडो लक्ष्मी की शुरुआत होने जा रही है। बेटियों के सामाजिक और आर्थिक सम्मान की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही सैनी सरकार की ओर से अफसरों को इस दिशा में काम करने के लिए कहा था, जिसके कारण हर जिले में होमवर्क पूर्ण हो गया है।

विपक्ष को जवाब देने की तैयारी

25 सितंबर को इस महत्वाकांक्षी योजना, दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना की शुरुआत होने के साथ ही सूबे की सैनी सरकार एक तीर से कई निशाने साधने जा रही है, क्योंकि विपक्ष की ओर से भी इसे मुद्दा बनाया जा रहा था। खास बात यह है कि आर्थिक तौर पर कमजोर महिलाओं को माह में 2100 की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। 25 सितम्बर को मुख्यमंत्री योजना के ऐप का शुभारंभ करेंगे। पात्रता के लिए 25 सितंबर से पहले पहले आवेदक को अपना पंजीकरण करना होगा।

पात्रता के लिए ये जरूरी

- उम्र 23 वर्ष से अधिक होनी चाहिए
- 100000/- आय प्रति वर्ष तक
- 15 वर्ष से प्रदेश में रह रहे हो
- यदि कोई महिला पहले से निम्नलिखित सामाजिक सुरक्षा पेंशन का लाभ प्राप्त कर रही हैं तो वह महिला इनके साथ दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के लिए भी पात्र हैं

(क) तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के कैंसर पीड़ित

(ख) दुलर्भ बिमारियों से ग्रसित व्यक्ति

(ग) हीमोफीलिया, थैलेसिमिया, सिकल सेल एनीमिया व अन्य कोई योजना जो हरियाणा सरकार द्वारा अधिसूचित की गई हो

इन्हें नहीं मिलेगा योजना का लाभ

- वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, विधवा/निराश्रित महिला के लिए वित्तिय सहायत, दिव्यांग पेंशन, लाडली सामाजिक सुरक्षा योजना, कश्मीरी विस्थापित परिवार के लिए वित्तिय सहायता, बौना भत्ता ,तेजाब पीड़ित महिला, अविवाहित महिला, पद्म पुरस्कार विजेताओं के लिए हरियाणा गौरव सम्मान योजन, हरियाणा सरकार द्वारा अधिसूचित अन्य कोई योजना पेंशन लेने वाले पात्र नहीं होगी।

ये दस्तावेज जरूरी

- हरियाणा का स्थायी निवासी प्रमाण पत्र, मोबाइल नंबर हो साथ ही आधार लिंक हो, परिवार के सभी सदस्यों के आधार कार्ड, अगर महिला विवाहित है तो ससुराल के सभी सदस्यों के आधार कार्ड, बिजली बिल का कनेक्शन नंबर, हरियाणा कौशल वितरण रोजगार निगम नंबर (एचकेआरएन पंजीकरण नंबर), अगर एचकेआरएन में पंजीकृत है) सहित अन्य शर्तें मान्य होगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिविल सचिवालय में जन संवाद कार्यक्रम की समीक्षा बैठक ली

समस्याओं के समाधान में कोताही सहन नहीं

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन शिकायतों और समस्याओं का निवारण गंभीरता और प्राथमिकता के साथ किया जाए। खासकर जनता की मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी शिकायतों पर तत्परता से कार्य करें। समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही व कोताही न बरती जाए और इसकी मॉनिटरिंग वे स्वयं करेंगे। मुख्यमंत्री यहां सिविल सचिवालय में जन संवाद कार्यक्रम की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का मुख्य उद्देश्य लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना और उन्हें खुशहाल जीवन प्रदान करना है। इस दिशा में सरकार पूरी गंभीरता और तीव्रता के साथ कार्य कर रही है।

सचिव भी शिकायतों के निपटान की समीक्षा करें

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय सचिव स्वयं भी शिकायतों के निपटान की समीक्षा करें और सुनिश्चित करें कि जनता को त्वरित व पारदर्शी समाधान मिले।उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाए, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों के राजकीय स्कूलों में शौचालय, बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के स्तर को और बेहतर बनाने के लिए राजकीय स्कूलों को अपग्रेड किया जाएगा और चिराग योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा।

दी भट्टू कलां को०-ऑपरेटिव मार्केटिंग कम प्रोससिंग सोसाइटी लिमिटेड, भट्टूकलां

सूचना

दी भट्टू कलां को0-ऑपरेटिव मार्केटिंग कम प्रोससिंग सोसाइटी लिमिटेड, भट्टूकलां के सभी आम सदस्यों व सदस्य समितियों को सूचित किया जाता है कि समिति के सदस्यों की आम सभा की बैठक दिनांक 30-09-2025 वार मंगलवार को अग्रवाल धर्मशाला, भट्टू मण्डी में दिन के 11:00 बजे बुलाई गई है। अतः आप सभी से प्रार्थना है कि आप निश्चित तिथि, समय व स्थान पर पहुंच कर समिति की आम सभा में भाग लेने की कृपा करें। जिसके एजेंडे निम्नलिखित हैं :-

1. पिछली आम सभा की मीटिंग की कार्रवाई की पुष्टि पर विचार
2. समिति की वर्ष 2024-25 की बैलेंस शीट, व्यापार लेखा तथा लाभ-हानि पर विचार एवं अनुमोदन।

-प्रबंधक, दी भट्टू कलां को0-ऑपरेटिव मार्केटिंग कम प्रोससिंग सोसाइटी लिमिटेड, भट्टू

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

निविदा संख्या	ओटी-20/2025-26
कार्य का विवरण	पी०आर०एस० मॉडर्नाइजेशन–पैन–इंडिया रोल–आउट ओवर अंबाला डिवीजन
निविदा खुलने की तिथि / समय	16.10.2025 को 15:00 बजे
अनुमानित लागत (₹)	₹2,49,58,269.59
धरोहर राशि (₹)	₹2,74,800/-
कार्य पूरा करने की अवधि	180 दिन

नोटः वरि० मंडल सिग० एवं टेली० इंजी० / उ०रे०, डी०आर०एम० ऑफिस, रेल विहार, अम्बाला छावनी के द्वारा इच्छुक निविदाकारों से उपरोक्त संदर्भित कार्यों हेतु खुली निविदा दर्शायी गयी तिथि अनुसार 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदाकारों के द्वारा सभी आवश्यक दस्तावेजों की स्केन प्रतिलिपि अपलोड करें। 1. टेंडर डाकूमेंट्स व निविदा सूचना की विस्तृत जानकारी के लिए रेलवे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर लॉग ऑन करें। 2. निविदाकारों को ई–टेंडरिंग में भाग लेने के लिए उनके पास क्लास–III डिजीटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट होना चाहिए तथा उन्हें उपरोक्त साइट पर रजिस्टर्ड होना आवश्यक है। निविदाकारों से निवेदन है कि टेंडर नोटिस और टेंडर डाकूमेंट्स में दी गई हिदायतों / शर्तों इत्यादि को टेंडर डालने से पहले भली भांति पढ़ लें।

संख्याः एस.डब्ल्यू. / सिग / अंबाला / एन०आई०टी०–08 / 2025–26

दिनांकः 20.09.2025 2902/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

चौ. देवीलाल सहकारी चीनी मिल लि. आहुलाना, गोहाना

सामान्य सभा की सूचना व कार्य सूची

चौ० देवीलाल सहकारी चीनी मिल लि०, आहुलाना, गोहाना के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि मिल की सामान्य सभा की बैठक दिनांक 30-09-2025 को प्रातः 11:00 बजे मिल प्रांगण में होनी निश्चित हुई है। बैठक में निम्नलिखित विषयों पर निर्णय लिया जायेगा :-

1. दिनांक 30-09-2024 को हुई जनरल बॉडी की बैठक की कार्यवाही की पुष्टि हेतु।
2. मिल के वित्तीय वर्ष 2024-25 के लाभ-हानि व बैलेंस शीट पर विचार विमर्श हेतु।
3. मिल के गत पिराई-सत्र 2024-25 के RT-8 का अवलोकन व अनुमोदन करने हेतु।

उपरोक्त विस्तृत एजेण्डा आईटम मिल कार्यालय में किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय समय में देखे जा सकते हैं। समिति सदस्यों (व्यक्तिगत व सोसायटीज) को बैठक बारे अलग से पत्राचार/सूचना नहीं भेजी जा रही है। अतः आप सभी सदस्यों से इस प्रैस नोट के माध्यम से निवेदन किया जाता है कि कृप्या सही समय व स्थान पर पहुँचने का कष्ट करें।

हस्ता/– प्रबन्ध निदेशक
चौ. देवीलाल सहकारी चीनी मिल लि., आहुलाना, गोहाना

JINDAL STEEL

जिन्दल स्टील लिमिटेड

(पूर्व में जिन्दल स्टील एंड पावर लिमिटेड के रूप में जानी जाती)
(CIN: L27105HR1979PLC009913)

पंजी. कार्यालय : ओ.पी. जिन्दल मार्ग, हिसार-125005 (हरियाणा)
कॉर्पोरेट सचिवालय कार्यालय : जिन्दल सेंटर, टावर-ए, द्वितीय तल, प्लॉट नं. 2, सेक्टर-32, गुड़गांव-122001 (हरियाणा)
Website: www.jindalsteel.com | Email: investorcare@jindalsteel.com | Tel.: +91 124 6612000

jindalsteel_ jindal_steel jindalsteellimited jindalsteel_ jindalsteel_

फिजिकल शेयरधारकों को सूचना

फिजिकल शेयरों के हस्तांतरण आग्रहों के पुनः प्रस्तुतीकरण हेतु स्पेशल विंडो

6 अगस्त 2025 को प्रकाशित हमारे पूर्ववर्ती संचार के अनुसार, यह सेबी सरकुलर नं. SEBI/HO/MIRSD/MIRSD-PoD/P/CIR/ 2025/97 दिनांक 02 जुलाई, 2025 के अनुसरण में एक क्रमागत स्मरणपत्र है, जिन शेयरधारकों ने 1 अप्रैल, 2019 की समय सीमा से पहले अपने फिजिकल शेयरों के ट्रांसफर डीड प्रस्तुत किए थे और जिन्हें दस्तावेजों/प्रक्रिया में कमी या अन्य कारणों से अस्वीकार/वापस कर दिया गया/ध्यान नहीं दिया गया और जो अपना आग्रह पुनः प्रस्तुत कर ने से चूक गए, उन्हें नीचे दी गई प्रक्रिया का पालन करके हस्तांतरण आग्रह पुनः प्रस्तुत करने का एक और अवसर प्रदान किया गया है :

हस्तांतरण आग्रहों के पुनः प्रस्तुतीकरण हेतु विंडो	7 जुलाई, 2025 से 6 जनवरी, 2026 तक।
हस्तांतरण आग्रहों को कौन पुनः प्रस्तुत कर सकता है	निवेशक जिनके ट्रांसफर डीड्स अप्रैल 2019 से पहले प्रस्तुत किए गए थे और दस्तावेजों में कमी के कारण अस्वीकृत/वापस कर दिया गया था।
पुनः प्रस्तुतीकरण हेतु प्रक्रिया	मूल हस्तांतरण दस्तावेज, सही या छूटे हुए विवरणों के साथ, हमारे रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रांसफर एजेंट ("आरटीए") को नीचे दिए गए पते पर जमा करें : अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड, 4ई/2 झंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली–110055, ईमेल – ramap@alankit.com, टोल फ्री नंबर – 011–42541955

इस अवधि के दौरान, प्रतिभूतियाँ जो हस्तांतरण के लिए पुनः प्रस्तुत की जाती है, केवल डीमैटीरियलाइज्ड रूप में जारी की जाएंगी।

कृते जिन्दल स्टील लिमिटेड
(पूर्व में जिन्दल स्टील एंड पावर लिमिटेड के रूप में जानी जाती)
हस्ता/-
दामोदर मित्तल
पूर्णकालिक निदेशक
डीआईएन : 00171650

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 20 सितम्बर, 2025

रोहतक
रविवार, 21 सितंबर, 2025
अश्विन मास कृष्ण पक्ष,
अमावस्या वर्ष : 29, अंक : 232
पृष्ठ 16 मूल्य 3 .00

मौसम
अधि. 36.8
न्यून. 20.0

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

09 चाइना मास्टर्स : सात्विक-चिराग फाइनल में, चिर-प्रतिद्वंद्वी को हराया

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
पाठक सर्वे योजना
हरियाणा
माह : सितम्बर
दिनांक : 21 सितम्बर 2025

खबर संक्षेप

सेना ने एलओसी पर मार गिराया पाकिस्तानी ड्रोन

कुपवाड़ा। पाक सेना ने शनिवार शाम कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के नौगाम सेक्टर की लीपा घाटी में एलओसी पर सीजफायर का उल्लंघन किया। पाकिस्तान ने बिना किसी उकसावे के भारतीय सेना पर गोलीबारी। भारतीय सेना ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया। दूसरी तरफ, जम्मू के इंटरनेशनल बॉर्डर के पास शनिवार शाम पाकिस्तानी ड्रोन दिखा। बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार, ड्रोन शाम करीब 7 बजे आरएस पुरा सेक्टर के जजोवाल गांव के पास भारतीय सीमा में दाखिल हुआ। बीएसएफ जवानों ने पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया है। सुरक्षा कारणों से अनंतनाग जिले में प्रशासन ने ड्रोन, यूएवी और अन्य उड़ने वाले यंत्रों पर प्रतिबंध लगा दिया है।

सीएम सैनी ने किया ऐलान : चावल डिलीवरी व बोनस राशि अवधि 15 मार्च से बढ़ाकर 30 जून

धान की फसल का दाना-दाना खरीदेगी सरकार, किसानों को नहीं होगी परेशानी

धान खरीद कल से, मिलर्स को होल्डिंग चार्जिज के रूप में दी 50 करोड़ की छूट

करीब 1000 मिलों को होगा लाभ

- धान खरीद की सभी तैयारियां पूरी हर जिले में अधिकारी तैनात
- समय पर होगा भुगतान, मंडियों में होगी पर्याप्त व्यवस्था
- प्रदेश में 248 मंडियां और खरीद केंद्र बनाए गए

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸| चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को कहा कि प्रदेश में अब धान की खरीद एक अक्टूबर की बजाय 22 सितंबर से शुरू होगी। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। हर जिले में एक अधिकारी तैनात किया गया है। किसानों को कोई परेशानी आने दी जाएगी। सरकार फसल का दाना दाना खरीदेगी और समय पर भुगतान किया जाएगा। वहीं, राईस मिलर्स को भी बड़ी राहत देते हुए सीएम सैनी ने ऐलान किया कि सरकार ने चावल की डिलीवरी अवधि और बोनस राशि की अवधि को 15 मार्च 2025 से बढ़ाकर 30 जून 2025 तक करने का निर्णय लिया है। इस फैसले से प्रदेश की 1,000 मिलों को लाभ मिलेगा। साथ ही, मिलर्ज को बोनस राशि के अतिरिक्त लगभग 50 करोड़ रुपये के होल्डिंग चार्जिज में भी छूट का लाभ दिया जाएगा। दरअसल, हरियाणा राइस मिलर्स एसोसिएशन की ओर से यह बताया गया था कि वर्ष 2024-25 में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) द्वारा चावल की डिलीवरी लगभग 45 दिन देर से शुरू हुई थी। इसके कारण मिलर्स अपना कार्य निर्धारित अवधि में पूर्ण नहीं कर पाए।

चावल की डिलीवरी अवधि को भी रि-शेड्यूल किया

सीएम सैनी ने हरियाणा राईस मिलर्स एसोसिएशन की मांग को उचित समझते हुए राईस मिलर्स को दिए जाने वाली बोनस की राशि की अवधि को 15 मार्च से बढ़ाकर 30 जून 2025 कर दिया। इसके अतिरिक्त राईस मिलर्स की चावल की डिलीवरी अवधि को भी रि-शेड्यूल करते हुए 30 जून 2025 करने का निर्णय लिया गया है। इससे सभी राईस मिलर्स को बोनस की राशि के अतिरिक्त होल्डिंग चार्जिज में भी छूट का लाभ प्राप्त होगा और उन्हें बड़ी राहत मिलेगी।

किसानों हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध

सैनी ने कहा कि सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में 1 अक्तूबर की बजाय अब 22 सितम्बर से ही राज्य में खरीफ फसलों की सरकारी खरीद प्रारंभ की जाएगी। वर्ष 2014 में धान कॉमन का एमएसपी 1360 रुपये प्रति क्विंटल था, जबकि आज 2369 प्रति क्विंटल है। इसी प्रकार, वर्ष 2014 में धान ग्रेड-ए का एमएसपी 1400 रुपये प्रति क्विंटल था, जबकि आज 2389 रुपये प्रति क्विंटल है।

धान खरीद के लिए अधिकारी नियुक्त

सरकार ने राज्य में खरीफ खरीद सीजन 2025-26 के मद्देनज़र मंडियों और खरीद केंद्रों पर चल रहे खरीद कार्यों के निरीक्षण और समीक्षा करने हेतु सभी 22 जिलों के लिए वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को नियुक्त किया है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी आदेशों में राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों को अलॉट किए जिलों की मंडियों और खरीद केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा, खरीद कार्य की समीक्षा और खरीद के दौरान किसानों की शिकायतों के तुरंत निपटान करने हेतु यह जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

किसे कौन से जिले की जिम्मेदारी

खरीफ खरीद सीजन 2025-26 के लिए सुधीर राजपाल को पलवल, डॉ सुमिता मिश्रा को पंचकूला, पंकज अग्रवाल को सोनीपत, राजा शेखर वुंडरू को महेन्द्रगढ़, विनीत गर्ग को फतेहाबाद, जी अनुपमा को कुरुक्षेत्र, अपूर्वा कुमार सिंह को पानीपत, अरुण गुप्ता को यमुनानगर। इसी प्रकार अनुराग अग्रवाल को भिवानी, विजेंदर कुमार को सिरसा, डी सुरेश को चरखी दादरी, राजीव रंजन को जींद, विकास गुप्ता को कैथल, विजय कुमार दहिया को अम्बाला, अमनीत पी कुमार को हिसार, टी एल सत्यप्रकाश को झज्जर, मोहम्मद शाइन को रेवाड़ी, डॉ अमित अग्रवाल को फरीदाबाद, संजय जून को रोहतक, आशिमा बराड़ को गुरुग्राम, सी जी रजनी कांथन को करनाल और फूल चंद मीणा की नूंह जिले के लिए नियुक्त किया है।

फिल्म पुरस्कार समारोह में होंगे सम्मानित

मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल को मिलेगा दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड

- सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने दी जानकारी
- सिनेमा में आइकॉनिक योगदान के लिए नवाजा जाएगा
- मोहनलाल उत्कृष्टता और बहुमुखी प्रतिभा के प्रतीक

नई दिल्ली (एजेंसी)। मलयालम फिल्मों के सबसे बड़े सितारों में गिने जाने वाले मोहनलाल को उनके लंबे और सफल करियर के लिए भारत सरकार ने दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड 2023 से सम्मानित करने की घोषणा की है। यह अवार्ड उन्हें 71वें राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में 23 सितंबर 2025 को दिया जाएगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि मोहनलाल की अद्भुत सिनेमाई यात्रा पीढ़ियों को प्रेरणा देती है। दिग्गज स्टार को भारतीय सिनेमा में उनके आइकॉनिक योगदान के लिए यह अवॉर्ड दिया जा रहा है।

पीएम मोदी ने दी बधाई

पीएम नरेंद्र मोदी ने मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर बधाई दी है। पीएम मोदी ने कहा कि मोहनलाल उत्कृष्टता और बहुमुखी प्रतिभा के प्रतीक हैं। दशकों के समृद्ध कार्यों के साथ, वे मलयालम सिनेमा और रंगमंच के एक अग्रणी प्रकाश स्तंभ हैं और केरल की संस्कृति के प्रति गहरी आस्था रखते हैं। उन्होंने तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और हिंदी फिल्मों में भी उल्लेखनीय अभिनय किया है। विभिन्न माध्यमों में उनकी सिनेमाई और नाट्य प्रतिभा वास्तव में प्रेरणादायक है।

परिजनों ने मौत पर जताया संदेह, अज्ञात लोगों पर हत्या का मामला दर्ज

घटना के दौरान घर में अकेला था अध्यापक, पत्नी तथा बच्चे गए हुए थे बाहर

जींद में संदिग्ध हालात में लगी आग जिंदा जलकर अध्यापक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

गांव अमरहेड़ी में शनिवार को संदिग्ध हालात में कमरे में लगी आग में जिंदा जलकर सरकारी स्कूल के अध्यापक की मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने मौत पर संदेह जताते हुए हत्या बताया है। सदर थाना पुलिस ने मृतक के बेटे की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या, शव को खुर्दबुर्द करने का मामला दर्ज किया है। शव की क्षत विक्षिप्त हालात देखते हुए खानपुर पीजीआई रेफर किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मृतक राजकुमार

जींद। कमरे में जला हुआ सामान। फोटो: हरिभूमि

घटना के दौरान राजकुमार घर में अकेला था

गांव जैजैवंती निवासी राजकुमार (49) गांव खेड़ा खेमावती के सरकारी स्कूल में अध्यापक के पद पर तैनात था। वह पिछले लगभग पिछले आठ साल से गांव अमरहेड़ी में मकान लेकर रह रहा था। शनिवार को अल सुबह राजकुमार के सोने वाले कमरे में संदिग्ध हालात में आग लग गई। जिसमें राजकुमार की जिंदा जलने से मौत हो गई। घटना के दौरान राजकुमार घर में अकेला था। घटना का उस समय पता चला जब पड़ोसियों ने राजकुमार के मकान में आग लगी देखी।

योजनाबद्ध तरीके से हत्या की गई : बेटा

मृतक के बेटे हिमांशु ने पुलिस को बताया कि उसकी मां भिवानी अस्पताल में नर्स के पद पर ड्यूटीरत है। जबकि वह अपने चाचा के पास रोहतक गया हुआ था। उसकी बहन दिल्ली कोचिंग लेने गई हुई थी। घर में उसका पिता अकेला था। हिमांशु ने संदेह जताया कि उसके पिता की योजनाबद्ध तरीके से हत्या की गई है। सदर थाना पुलिस ने हिमांशु की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

मालखाना के इंचार्ज पर गबन व धोखाधड़ी का मामला दर्ज

20 मई 2022 से 18 जून 2025 के बीच राशि गायब हुई

थाने के मालखाने से 23 लाख की नकदी और जेवर गायब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

सदर थाना के मालखाना से 23 लाख रुपये की राशि तथा जेवरात गायब होने का मामला सामने आया है। डीएसपी की शिकायत पर शहर थाना पुलिस ने मालखाना इंचार्ज हवलदार के खिलाफ गबन, धोखाधड़ी समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। डीएसपी संदीप कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि कुछ दिन पहले सदर थाना के मालखाना में रखे माल मुकद्मो को निरीक्षण किया गया। जिसमें पाया गया कि मालखाने से 23 लाख रुपये की नगदी तथा जेवरात में से दो सोने की अंगूठी गायब हैं। जिसको लेकर मालखाने के इंचार्ज हवलदार जोगेंद्र से जवाब मांगा गया। जो संतोषजनक जवाब नही दे पाया। राशि तथा जेवरात 20 मई 2022 से 18 जून 2025 तक राशि गायब हुई है। शहर थाना पुलिस ने डीएसपी की शिकायत पर हवलदार जोगेंद्र के खिलाफ धोखाधड़ी, गबन का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है जल्द ही मामले का पटाक्षेप कर दिया जाएगा।

खबर संक्षेप

हेरोइन सप्लाई नेटवर्क का मास्टर माइंड पकड़ा

फतेहाबाद। जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्त अभियान को एक और कामयाबी मिली है। थाना सदर टोहाना पुलिस ने नशा तस्करी नेटवर्क के मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार कर नशे के खिलाफ मोर्चा और मजबूत किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कपूर उर्फ गोलू पुत्र राजबीर निवासी गांव पारता के रूप में हुई है। जांच के दौरान पहले गिरफ्तार किए गए आलोक पुत्र निहाल सिंह निवासी ठरवां के पास से 5.90 ग्राम हेरोइन बरामद हुई थी।

विदेश भेजने के नाम पर हड़पे 5.20 लाख रुपये

यमुनानगर। विदेश भेजने के नाम पर महिला व युवक से पांच लाख 20 हजार रुपये हड़प लिए गए। महिला को सिंगापुर वर्क परमिट पर भिजवाने का झांसा दिया जबकि युवक को रूस का वीजा लगवाने के नाम पर ठगा गया। पुलिस ने दोनों मामलों की जांच के बाद आरोपी लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग में व्यक्ति काबू

गन्नौर। बरेली में बालीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर के बाहर हुई फायरिंग मामले में पुलिस ने गन्नौर उपमंडल के राजपुर गांव निवासी युवक को दबोचा है। शुक्रवार देर शाम बरेली पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने शाही थाना क्षेत्र के दुनका-बिहारीपुर रोड पर किच्छा नदी पुल के पास बदमाशों को घेर लिया। मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी बदमाश रामनिवास पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसके साथी अनिल को जिंदा पकड़ लिया गया। मौके से 315 बोर का तमंचा, दो जिंदा कारतूस, चार खोखे व स्प्लेंडर बाइक बरामद हुई।

बेटे की हत्या को आत्महत्या बताने में पिता गिरफ्तार

फरीदाबाद। बेटे की हत्या कर शव को फंदे पर लटका कर आत्महत्या बताने के मामले में क्राईम ब्रांच टीम ने पिता सहित दोनों भाई गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। थाना आदर्श नगर के अंतर्गत 15-16 सितम्बर की रात को कृष्ण निवासी सुभाष कॉलोनी की मृत्यु हुई थी। जिसके संबंध में उसके घरवालों ने कृष्ण द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने वाले बताया था।

सख्ती : सोशल मीडिया पर अपराधियों को फॉलो करने वालों पर कसी लगाम

15 युवाओं को नोटिस देकर किया तलब इंस्टा आईडी ब्लॉक करने के दिए निर्देश

पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपराधियों को फॉलो करने वाले युवाओं को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की है। पुलिस ने इंस्टाग्राम आईडी विजय राजपूत 2.0 के 15 फॉलोवर्स को नोटिस जारी किया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर अपराधियों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपराधियों को फॉलो करने वाले युवाओं को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की है। सोशल मीडिया प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि पुलिस ने इंस्टाग्राम आईडी विजय राजपूत2.0 के 15 फॉलोवर्स को नोटिस जारी कर अपराध जांच शाखा, फतेहाबाद में तलब किया। पूछताछ के दौरान सभी युवाओं ने अपनी-अपनी इंस्टाग्राम आईडी से उक्त अकाउंट को अनफॉलो व ब्लॉक कर दिया। साथ ही, उनके बयान भी नियमानुसार दर्ज किए गए। ये सभी युवक गांव सरदारेवाला, थाना रतिया क्षेत्र से संबंधित थे।

फतेहाबाद। थाने में तलब किए गए सरदारेवाला के युवक। फोटो: हरिभूमि

संदिग्ध सोशल मीडिया अकाउंट संज्ञान में आता है, तो उसे निकटतम पुलिस थाने या साइबर सेल को सूचित करें

इस अवसर पर मौजिज व्यक्तियों को भी जागरूक किया गया, और उनसे अनुरोध किया गया कि वे अपने गांव तथा आसपास के युवाओं को अपराधियों की सोशल मीडिया गतिविधियों से दूर रहने के लिए प्रेरित करें। पुलिस आमजन, विशेषकर युवाओं से अपील करती है कि वे सोशल मीडिया पर ऐसे लोगों को फॉलो न करें जो आपराधिक गतिविधियों में शामिल हैं या रहे हैं। ऐसे अकाउंट को फॉलो करना न केवल गलत संदेश देता है, बल्कि इससे अपराध को अप्रत्यक्ष समर्थन भी मिलता है। यदि कोई संदिग्ध सोशल मीडिया अकाउंट आपके संज्ञान में आता है, तो उसे निकटतम पुलिस थाने या साइबर सेल को सूचित करें।

रेवाड़ी। गिरफ्तार किया गया आरोपी।

सोशल मीडिया पर डाली आपत्तिजनक पोस्ट आरोपी दिल्ली से काबू

रेवाड़ी। सोशल मीडिया पर मां-बेटी के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट डालने के एक आरोपी को सिटी पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद भोंडसी जेल भेज दिया गया। सिटी पुलिस को दर्ज शिकायत में शहर की एक कॉलोनी निवासी महिला ने आरोप लगाया कि दिल्ली के भजनपुरा निवासी अनुराग पंत ने दिसंबर 2024 में उसके साथ आपत्तिजनक व्यवहार करते हुए जान से मारने की धमकी दी थी। उस समय पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद कोर्ट से उसे जमानत मिल गई थी।

परिवार का आरोप, प्रेमी ने घर आकर खिलाया

प्रेम प्रसंग के चलते युवती ने निगला जहर, मौत

परिजनों का आरोप ,जहां भी रिश्ता करते, प्रेमी लड़के वालों को धमकाता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

शहर के नजदीकी एक गांव निवासी युवती ने प्रेम प्रसंग के चलते संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ निगल लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। परिजनों ने युवती के प्रेमी युवक पर ही जहर देने और जबरन खिलाने का आरोप लगाया है। फिलहाल सेक्टर-32 थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका के पिता ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी को गांव का ही युवक विजय लंबे समय से परेशान कर रहा था। पहले भी उसने अशांति फैलाने की कोशिश की थी, जिस पर उन्होंने सेक्टर-9 चौकी में शिकायत दी थी। उस समय वह नाबालिग थी, लेकिन युवक ने माफी मांगकर मामला शांत कर दिया था। इसके बाद भी वह लगातार उनकी बेटी को परेशान करता रहा और शादी के लिए दबाव डालता रहा। परिजनों का कहना है कि जब भी वे उसकी शादी कहीं तय करने की कोशिश करते थे, आरोपी युवक रिश्ता तुड़वा देता था और लड़कों को धमकाता था। शनिवार को उसने युवती को जहर लाकर दिया और कहा कि पहले वह खाएगी फिर वह भी खाएगा। युवती ने जहर खा लिया लेकिन आरोपी ने नहीं खाया। इससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चर्च के पास्टर समेत चार पर भावनाएं भड़काने का केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

रानी तालाब पर विशेष जातियों को लेकर अभद्र टिप्पणी करने तथा नफरत पैदा करने वाली भाषणबाजी पर शहर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर पास्टर समेत चार लोगों को नामजद कर कुछ अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिवक्ता दलवीर शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 17 सितंबर को भारत मुक्ति मोर्चा समेत कुछ गैर हिंदू संगठनों ने रानी तालाब पर सभा का आयोजन किया था। जिसमें हिंदू धर्म के साथ ब्राह्मण तथा जाट समाज पर टिप्पणी की गई थी। सभा को संबोधित करने वाले वाले ने समाज में नफरत पैदा करने की कोशिश की। भाषणबाजी से समाज के लोगों की भावनाएं आहत हुई। शहर थाना पुलिस ने दलवीर शर्मा की शिकायत पर पास्टर कर्मबीर, विनोद टिंडल, मनीष, जगदीश प्रधान को नामजद कर कुछ अन्य लोगों के खिलाफ धार्मिक तथा सामाजिक भावनाओं को आहत करने का केस दर्ज किया है।

घायल कार चालक को रोहतक पीजीआई रेफर किया गया

कार की ऑटो से टक्कर महिला की मौत, दो घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

शनिवार को बहादुरगढ़ में रफ्तार का कहर देखने को मिला। यहां रोहतक-दिल्ली रोड पर ऑटो को टक्कर मारने के बाद कार सड़क किनारे बिजली के खंभों में टकराकर फंस गई। हादसे में ऑटो में सवार एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसका पति व एक नर्स घायल हो गई। गंभीर रूप से घायल कार चालक को भी रोहतक रेफर किया गया है। घटना शनिवार दोपहर की है। जानकारी के अनुसार, दोपहर को एक थ्री व्हीलर रोहतक-दिल्ली रोड से गुजर रहा था। जब हरदयाल पेट्रोल पंप के पास पहुंचा तो पीछे से तेज गति में कार आई और थ्री व्हीलर को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही थ्री व्हीलर सड़क किनारे फुटपाथ पर जा चढ़ा, वहीं गाड़ी बिजली के खंभे से टकराकर फंस गई। हादसे में थ्री व्हीलर चालक सतबीर, उसकी पत्नी कमला देवी व एक निजी अस्पताल की नर्स को गंभीर चोट आई। इन्हें निकट स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कमला देवी को मृत घोषित कर दिया गया। बाकी का ईलाज शुरू हुआ। बताते हैं कि कमलादेवी एक निजी अस्पताल में काम करती थी। उसका पति सतबीर अस्पताल से उसे घर लेकर जा रहा था, इसी दौरान हादसा हो गया।

बहादुरगढ़। ऑटो को टक्कर मारने के बाद खंभों में फंसी कार एवं क्षतिग्रस्त ऑटो।

आईटीआई चौक पर हादसा

चलती बस से उतरते समय छात्रा-छात्र गिरे, पुलिस कर्मी ने बचाई जान

करनाल। आईटीआई चौक पर शनिवार को बड़ा हादसा उस समय टल गया जब चलती बस से उतरने का प्रयास कर रही छात्रा और उसके साथ एक छात्र सड़क पर गिर पड़े। चौक पर मौजूद पुलिसकर्मी संजीव कुमार की तत्परता से दोनों की जान बच गई, अन्यथा वे बस के नीचे आ सकते थे। इंद्री के भौजी गांव निवासी छात्रा सिमरन आईटीआई चौक पर बस से उतरना चाहती थी। चालक ने बस को ठीक से नहीं रोका, जिससे उतरते समय वह सड़क पर गिर गई और उसके साथ एक अन्य छात्र भी नीचे आ गिरा। गिरते ही दोनों बस की चपेट में आने वाले थे, लेकिन पुलिसकर्मी संजीव कुमार ने बचा लिया।

बादली में हुआ था झगड़ा, गंभीर घायल दोनों की तबीयत बिगड़ी

ईंट सप्लायरों के बीच हुए झगड़े में व्यक्ति की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

क्षेत्र के गांव बादली में ईंट सप्लायरों के बीच हुए झगड़े में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान करीब 33 वर्षीय कर्मबीर पुत्र राजेंद्र के तौर पर हुई है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार देर रात हुई इस घटना के बाद गंभीर रूप से घायल कर्मबीर को परिजन पहले सीएचसी बादली लेकर पहुंचे जिसके बाद उन्हें उपचार के लिए बहादुरगढ़ के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। उसके बाद जब कर्मबीर ने तबीयत में सुधार बताया तो परिजन उसे घर ले आए। लेकिन उसकी तबीयत अचानक फिर से बिगड़ गई और परिजन उसे उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

झज्जर। नागरिक अस्पताल परिसर में पोस्टमार्टम के लिए कागजी कार्रवाई करते हुए पुलिसकर्मी। फोटो: हरिभूमि

आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन

परिजनों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के शवगृह भिजवाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसीपी डॉक्टर प्रणव ने भी अस्पताल पहुंच कर मृतक के पिता से मामले की जानकारी ली तथा आरोपियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। बादली चौकी प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि ईंटे सप्लाई करने का कार्य करने वाले दो गुटों में किसी बात लेकर झगड़ा हुआ था।

कॉल सेंटर की आड़ में चल रहे साइबर ठगी का भंडाफोड़, 11 आरोपी गिरफ्तार

सभी आरोपी12वीं पास, इन्हें अंग्रेजी में बोलने की ट्रेनिंग दी जाती थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र पुलिस में कॉल सेंटर की आड में साइबर धंधा करने वाले 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल ने बताया कि कुरुक्षेत्र साइबर थाना टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि लाडवा में एक कॉल सेंटर की आड़ में साइबर ठगी का अवैध धंधा चल रहा है। सूचना पर साइबर थाना की एक टीम का गठन करके उच्च अधिकारियों से अनुमति प्राप्त करते मौका पर छापेमारी की गई। साइबर थाना की टीम में मौका से 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है जो कॉल सेंटर की आड में साइबर ठगी कर रहे थे। आरोपियों की पहचान के मोहित सेतिया, विनोद कुमार वासीयान करनाल, परमजीत सिंह, विजय छत्री, रोहित मल्होत्रा वासीयान दिल्ली,नितिन राणा,आकाश वासीयान यमुनानगर,अमित पोल वासी मणिपुर, जितेन्द्र कुमार वासी बुल्लंदशहर यूपी, नूर हुसैन वासी असम व आकाश केरला रूप में हुई है। आरोपियों से 47 एलसीडी मोनिटर, 45 सीपीयू, 42 कीबोर्ड तथा 18 हैड फोन बरामद किये गए हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपियों ने लाडवा में कॉल सेंटर नाम से ऑफिस बनाया हुआ था लेकिन आरोपी कॉल सेंटर की आड़ में साइबर का धंधा कर रहे थे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सभी आरोपी लगभग 12वीं पास हैं इन्हें अंग्रेजी में बोलने की ट्रेनिंग दी जाती थी। किसी भी व्यक्ति से तथा बात करने से पहले एक लिखित स्क्रिप्ट दी जाती थी की किस तरीके से बात की जाती है।

कुरुक्षेत्र। साइबर ठगी मामले में पकड़े गए आरोपी।

लापरवाही नागरिक अस्पताल में महिला चिकित्सक ने 15 दिन बाद बुलाया था

अस्पताल में चेकअप कराने के बाद घर लौट रही थी

जब रास्ते में ही गूंज पड़ी किलकारी, महिला ने दिया चलती बस में बच्चे को जन्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

शहर के नागरिक अस्पताल में चेकअप कराने के बाद बनीपुर लौट रही गर्भवती महिला ने चलती बस में बच्चे को जन्म दे दिया। बस चालक ने महिला व बच्चे को पास के अस्पताल में पहुंचाया, जहां दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। जच्चा-बच्चा को अस्पताल पहुंचाने में महिला यात्रियों ने भी खुलकर मदद की। मूल रूप से यूपी के कासगंज निवासी दीपक एक कंपनी में कार्यरत है। वह परिवार सहित बनीपुर चौक पर एक मकान में किराये पर रह रहा है। उसकी पत्नी 27 वर्षीय दिव्यांशी गर्भवती होने के कारण शनिवार को बावल सामुदायिक केंद्र में चेक के लिए गई थी। वहां से उसे रेवाड़ी नागरिक अस्पताल भेज दिया गया। बताया गया है कि नागरिक अस्पताल में चेकअप के बाद महिला चिकित्सक ने 15 दिन बाद डिलीवरी होने की बात कहते हुए दिव्यांशी को घर भेज दिया। वह बावल चौक से बनीपुर जाने के लिए हरियाणा रोडवेज की बस में सवार हो गई। महिला जलियावास के निकट पहुंची तो ब्रेकर पर उसे चलती बस में डिलीवरी हो गई।

रेवाड़ी। अस्पताल में भर्ती दिव्यांशी।

रेवाड़ी। महिला की गोद में बच्चा।

जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ

महिला ने बस में स्वस्थ लड़के को जन्म दिया। बस चालक ने महिला यात्रियों की मदद से दिव्यांशी और उसके नवजात शिशु पास के एक प्राइवेट अस्पताल पहुंचाया। जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ बताए गए हैं।

लापरवाही की इंतहा

दिव्यांशी के अनुसार उसे प्रसव पीड़ा होने के बाद ही वह पहले बावल के सरकारी अस्पताल में गई थी। उसे वहां से रेवाड़ी के नागरिक अस्पताल भेज दिया। वहां महिला डॉक्टर ने चेकअप के बाद उसे बताया कि अभी डिलीवरी होने में 15 दिन का समय लगेगा।

कराई जाएगी मामले की जांच

महिला का चेकअप करते समय शायद डॉक्टर डिलीवरी के समय का आकलन नहीं कर पाई होगी। कई मामलों में ऐसा हो जाता है। महिला का मेडिकल कार्ड देखने के बाद इस बात का पता किया जाएगा कि डॉक्टर ने उस पर क्या लिखा। इस मामले की जांच की जाएगी। जांच में अगर लापरवाही सामने आती है, तो एक्शन जरूर लिया जाएगा।
-डॉ. नरेंद्र दहिया, सीएमओ।

रोहतक
रविवार, 21 सितंबर, 2025
अश्विन मास कृष्ण पक्ष,
अमावस्या वर्ष : 29, अंक : 232
पृष्ठ 16 मूल्य 3 .00

मौसम
अधि. 36.8
न्यून. 20.0

हरिभूमि
हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

देश के सबसे बड़े क्रूज टर्मिनल का पीएम ने किया उद्घाटन

556 करोड़ की लागत से बना
समुद्र की लहरों की तरह डिजाइन की गई छत
भारत को क्रूज पर्यटन हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम

6 साल का खर्च 50 गुना बढ़ा 3 लाख से ज्यादा भारतीयों पर पड़ेगा असर

अमेरिका ने एच-1बी वीजा की फीस बढ़ाई, हर साल 88 लाख देने होंगे

पहले औसतन 5 लाख रुपये लगते थे 3 साल के लिए होता था मान्य

भाषा ▶▶| न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत एच1बी वीजा शुल्क को सालाना 100,000 अमेरिकी डॉलर (करीब 88 लाख रुपए) तक बढ़ा दिया जाएगा। नए चार्ज 21 सितंबर से लागू होंगे। बढ़े हुए शुल्क केवल नए आवेदकों पर लागू होंगे। एच1बी वीजा के लिए पहले औसतन 5 लाख रुपये लगते थे। यह 3 साल के लिए मान्य होता था। इसे 3 साल के लिए रिन्यू किया जा सकता था। अब अमेरिका में एच1बी वीजा के लिए 6 साल में 5.28 करोड़ लगेंगे, यानी खर्च 50 गुना से ज्यादा बढ़ जाएगा। अमेरिकी सरकार हर साल लॉटरी से 85,000 एच1बी वीजा जारी करती है, जिनका इस्तेमाल ज्यादातर तकनीकी नौकरियों में होता है। सबसे ज्यादा भारतीय (72%) इसका इस्तेमाल करते हैं। अब वीजा फीस बढ़ने से 3 लाख से ज्यादा भारतीयों पर इसका सीधा असर पड़ेगा। ट्रंप के इस कदम से अमेरिका में काम करने वाले भारतीय पेशेवरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। व्हाइट हाउस के स्टाफ सचिव विल शार्फ ने कहा कि एच1बी गैर-प्रवासी वीजा कार्यक्रम देश की वर्तमान आव्रजन प्रणाली में सबसे अधिक दुरुपयोग की जाने वाली वीजा प्रणालियों में से एक है।

- नए चार्ज 21 सितंबर से लागू होंगे
- बढ़े हुए शुल्क नए आवेदकों पर लागू होंगे
- 85,000 एच1बी वीजा जारी करता हर साल

एच-1बी वीजा का दुरुपयोग सुरक्षा के लिए खतरा: ट्रंप

ट्रंप ने कहा, " एच-1बी गैर आप्रवासी वीजा कार्यक्रम अस्थायी कामगारों को अमेरिका में लाने के लिए बनाया गया था ताकि वे अतिरिक्त, बेहद-कुशल कार्य कर सकें। लेकिन अमेरिकी कामगारों की जगह सस्ते और निम्न प्रशिक्षित कामगारों को लाकर वीजा कार्यक्रम का दुरुपयोग किया गया।" उन्होंने कहा, "एच-1बी कार्यक्रम का दुरुपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ख़तरा है।

क्या है एच1बी वीजा

एच1बी वीजा एक एक नॉन-इमिग्रेंट वीजा है। यह वीजा लॉटरी के जरिए दिए जाते रहे हैं क्योंकि हर साल कई सारे लोग इसके लिए आवेदन करते हैं। यह वीजा स्पेशल टेक्निकल स्किल जैसे आईटी, आर्किटेक्चर और हेल्थ जैसे प्रोफेशन वाले लोगों के लिए जारी होता है।

तकनीकी नौकरियों में होता इस्तेमाल

अमेरिकी सरकार हर साल 85,000 एच-1बी वीजा जारी करती है, जिनका इस्तेमाल ज्यादातर तकनीकी नौकरियों में होता है। इस साल के लिए आवेदन पहले ही पूरे हो चुके हैं। आंकड़ों के अनुसार, केवल अमेजन को ही इस साल 10,000 से ज्यादा वीजा मिले हैं, जबकि माइक्रोसॉफ्ट और मेटा जैसी कंपनियों को 5,000 से अधिक वीजा स्वीकृत हुए हैं।

भारतीयों पर क्या होगा असर

एच1बी वीजा के नियमों में बदलाव से 2,00,000 से ज्यादा भारतीय प्रभावित होंगे। साल 2023 में एच1बी वीजा लेने वालों में 1,91,000 लोग भारतीय थे। ये आंकड़ा 2024 में बढ़कर 2,07,000 हो गई। भारत की आईटी/टेक कंपनियां हर साल हजारों कर्मचारियों को एच1बी पर अमेरिका भेजती हैं। 71% भारतीय एच1बी वीजा धारक हैं और यह नई फीस उनके लिए बड़ा आर्थिक बोझ बन सकती है। खासकर मिड-लेवल और एंट्री-लेवल कर्मचारियों को वीजा मिलना मुश्किल होगा।

अमेरिका से बाहर जाने पर क्या होगा?

अगर कोई एच1बी कर्मचारी 21 सितंबर के बाद देश छोड़ता है, तो वापस अमेरिका आने के लिए उसकी कंपनी को 88 लाख का भुगतान करना होगा। यही कारण है कि इस फैसले के बाद माइक्रोसॉफ्ट, जेपी मॉर्गन और अमेजन जैसी कंपनियों ने एच1बी वीजा होल्डर कर्मचारियों को अमेरिका में ही रहने की सलाह दी है।

हर साल बढ़ाना होगा

नए नियम के अनुसार, एच1बी वीजा के लिए 100,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 88 लाख रुपये) की फीस हर साल देनी होगी। यह फीस नए आवेदनों और मौजूदा वीजा धारकों के नवीनीकरण दोनों पर लागू होगी। यह फीस 21 सितंबर 2025 से लागू होगी और 12 महीनों के लिए प्रभावी रहेगी, जब तक कि इसे बढ़ाया न जाए। कंपनियों को इस भुगतान का प्रमाण रखना होगा। यदि भुगतान नहीं किया गया, तो याचिका को अमेरिकी राज्य विभाग या होमलैंड सुरक्षा विभाग रद्द कर देगा।

तुरंत देश लौटने की सलाह

आव्रजन मामलों के वकील और विभिन्न कंपनियां अमेरिका से बाहर यात्रा पर गए एच-1बी वीजा धारकों को आगाह करते हुए उन्हें तुरंत वापस लौटने की सलाह दे रहे हैं। यह आदेश 21 सितंबर 2025 रात 12:01 बजे से प्रभावी होगा। आव्रजन मामलों के वकील और कंपनियां उन एच-1बी वीजा धारकों या उनके परिवार के सदस्यों को खतरे के प्रति आगाह कर रहे हैं, जो फिलहाल काम या छुट्टी के लिए अमेरिका से बाहर हैं। उन्होंने ऐसे लोगों को 21 सितंबर को आदेश लागू होने से पहले अमेरिका लौटने की सलाह दी है।

समस्याएं बढ़ेंगी : जायसवाल

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अमेरिका के इस कदम पर कहा कि इन व्यवधानों का उपयुक्त तरीके से समाधान करेंगे। इससे परिवारों को होने वाली समस्याओं के कारण मानवीय संकट पैदा हो सकते हैं। इससे भारतीय पेशेवरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

पीएम ने आत्मनिर्भरता के मूलमंत्र पर दिया जोर

34200 करोड़ की परियोजनाएं की शुरू

चिप हो या शिप, हमें भारत में ही बनाने होंगे : मोदी

भावनगर (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अन्य देशों पर भारत की निर्भरता को उसका मुख्य दुश्मन बताया और आत्मनिर्भरता के मूल मंत्र पर जोर देते हुए कहा कि "चिप हो या शिप...हमें भारत में ही बनाने होंगे। वह गुजरात में भावनगर के गांधी मैदान में 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जहां उन्होंने कुल 34,200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। मोदी ने कहा कि भारत की सभी समस्याओं का एक ही समाधान है और वह है आत्मनिर्भरता। प्रधानमंत्री ने कहा, "भारत वैश्विक बंधुत्व की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है।

(संबंधित खबर पेज 7 पर)

सच में हमारा कोई दुश्मन है, तो वो है दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता, हमें मिलकर इस दुश्मन को हराना है

- जितनी विदेशी निर्भरता... उतनी देश की विफलता
- कांग्रेस की नीतियों ने नौजवानों का बहुत नुकसान किया

विश्व बंधु की भावना से आगे बढ़ रहा भारत

भारत आज विश्व बंधु की भावना से आगे बढ़ रहा है। दुनिया में हमारा कोई दुश्मन नहीं है। सच में अगर हमारा कोई दुश्मन है तो वो है दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता। हमें मिलकर भारत के इस दुश्मन को हराना है। हमें यह बात हमेशा दोहराना है जितनी ज्यादा विदेशी निर्भरता, उतनी ज्यादा देश की विफलता। दुनिया में शांति स्थिरता और समृद्धि के लिए देश को आत्मनिर्भर रहना पड़ेगा।

जीएसटी घटने का असर...

अमूल ने 700 प्रोडक्ट्स के दाम घटाए, घी 40 रुपये हुआ सस्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमूल ने अपने 700 से ज्यादा प्रोडक्ट्स की कीमतों में कटौती की घोषणा की है। इसमें घी, मक्खन, चीज, आइसक्रीम और अन्य दूध जैसे उत्पाद शामिल हैं। यह बदलाव 22 सितंबर 2025 से लागू होगा। अमूल ने यह कदम नए जीएसटी स्लैब में हुए बदलाव के बाद उठाया है। इससे पहले मदर डेयरी ने 16 सितंबर को अपने डेयरी प्रोडक्ट्स के दामों में कटौती का ऐलान किया था। प्रोडक्ट्स की कीमतों में 2 रुपए से लेकर 30 रुपए तक की कटौती की गई थी।

- बदलाव कल से लागू, मक्खन और चीज के दामों में भी की कटौती

जम्मू के उधमपुर में ऑपरेशन...

सुरक्षाबलों-आतंकियों में मुठभेड़, एक जवान शहीद

उधमपुर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में शुक्रवार को आतंकियों के साथ मुठभेड़ में घायल हुआ जवान शनिवार सुबह शहीद हो गया। वहीं एसपीओ समेत दो पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। मुठभेड़ दूदू-बसंतगढ़ और डोडा के भद्रवाह में सोजधार के जंगलों में हुई। शुक्रवार रात करीब 8 बजे सेना की व्हाइट नाइट कॉर्प्स, जम्मू-कश्मीर पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप की संयुक्त टीम ने इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान वहां छिपे जैश के 2-3 आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग कर दी।

- जैश के 3 आतंकी छिपे होने की खबर
- किश्तवाड़ में भी एनकाउंटर जारी

खबर संक्षेप

स्मृति मंधाना ने तोड़ा कोहली का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना वनडे क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाली भारतीय बन गईं। इस मामले में उन्होंने पूर्व कप्तान विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दिल्ली में खेले जा रहे तीन मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में 50 गेंदों में शतक पूरा कर बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। कोहली ने 52 गेंदों में शतक लगाया था। *(खेल पेज भी देखें)*

जुबीन मौत मामले में ऑर्गेनाइजर पर केस

गुवाहाटी। सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के मामले में नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के ऑर्गेनाइजर श्यामकानु महंत और सिंगर के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा के खिलाफ असम के मोरीगांव पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। वकील रतुल बोरा ने एफआईआर में दोनों पर आरोप लगाया कि जुबीन को इवेंट के बहाने विदेश ले जाया गया। *एजेंसी*

भिखारी पति के खिलाफ कोर्ट पहुंची दूसरी पत्नी गुजारा भत्ता मांगा

पाल नहीं सकते तो दो-तीन शादियां क्यों की : हाईकोर्ट

राज्य सरकार इसमें दखल दे और उसकी दोनों पत्नियों की मदद करे

निराश्रित पत्नियों की रक्षा करना राज्य का कर्तव्य

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने कहा कि वह किसी ऐसे मुस्लिम व्यक्ति की एक से ज्यादा शादियों को मंजूर नहीं कर सकता, जिसके पास पत्नियों का भरण-पोषण करने की काबिलियत ही नहीं है। कोर्ट एक मुस्लिम भिखारी की दूसरी पत्नी की याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसने पति से 10 हजार गुजारा भत्ता मांगा था। मामला पेरिंथलमन्ना का था, जिसमें 39 साल की महिला अपने अंधे पति के खिलाफ कोर्ट पहुंची थी। इससे पहले वह फैमिली कोर्ट भी गई, लेकिन कोर्ट ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी थी कि उसके भिखारी पति को भरण-पोषण देने का निर्देश नहीं दिया जा सकता।

बहुविवाह की शिकार

मुस्लिम समुदाय में बहुविवाह की शिकार निराश्रित पत्नियों की रक्षा करना राज्य का कर्तव्य है। लोकतांत्रिक देश की सरकार का यह फर्ज है कि वह सुनिश्चित करे कि उसके नागरिक भीख न मांगें। किसी को दूसरों के भीख के कटोरे में हाथ नहीं डालना चाहिए। यानी जो व्यक्ति भिक्षा पर जिंदा रहता है, उसे दूसरों का भरण-पोषण करने के लिए बाध्य करना सही नहीं होगा। ऐसी शादियां मुस्लिम समुदाय में शिक्षा और प्रथागत कानून के ज्ञान की कमी के कारण होती हैं। अदालत भी किसी मुस्लिम व्यक्ति की पहली, दूसरी या तीसरी शादी को आसानी से मान्यता नहीं दे सकती। यह गलत धारणा है कि एक मुस्लिम पुरुष यदि चाहे तो हर हाल में एक से ज्यादा शादियां कर सकता है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का खुलासा

दिसंबर 2027 में बुलेट ट्रेन का पहला चरण शुरू होगा, उचित होगा किराया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए शिलफाटा और घनसोली के बीच 4.88 किलोमीटर लंबी सुरंग की खुदाई का कार्य रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में शनिवार सुबह पूरा हो गया। वैष्णव ने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि सूरत-बिलिमोरा खंड पर हाई-स्पीड कॉरिडोर का पहला चरण दिसंबर 2027 में शुरू हो जाएगा। मंत्री ने कहा कि बुलेट ट्रेन मध्यम वर्ग के लिए परिवहन का साधन होगी और किराया उचित होगा। रेल मंत्री ने कहा कि गूगल मैप ऐप मुंबई और अहमदाबाद के बीच यात्रा का समय नौ घंटे दिखाता है, लेकिन बुलेट ट्रेन से लोग यह दूरी दो घंटे सात मिनट में तय कर सकेंगे।

488 किमी लंबी सुरंग का काम पूरा

फतेहाबाद के किसान सतनाम बनें दूसरों के लिए प्रेरणा

परंपरागत खेती छोड़ उगा रहे लहसुन और खीरा, हर साल 7 से 10 लाख की आमदनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद जिले के शक्करपुरा गांव के किसान सतनाम सिंह आज मेहनत और नई सोच की जीती-जागती मिसाल हैं। कभी गेहूं-धान की परंपरागत खेती में सीमित आमदनी से संतोष करने वाले सतनाम ने वक्त रहते बदलाव किया और लहसुन व खीरे की आधुनिक खेती अपनाकर न सिर्फ अपने परिवार की आमदनी कई गुना बढ़ाई, बल्कि अपनी जिंदगी को भी खुशहाल बना लिया।

आसान विपणन और तिहरा मुनाफा

सतनाम बताते हैं कि उनकी फसलों को बेचना आसान है। खीरे की पूरी फसल टोहाना मंडी में बिक जाती है, जबकि लहसुन की बिक्री टोहाना, ऐलनाबाद, मलेरकोटला और पटियाला तक होती है। परंपरागत खेती की तुलना में उन्हें इन फसलों से तीन गुना ज्यादा मुनाफा हो रहा है। साथ ही पानी की बचत और मिट्टी की ताकत में भी सुधार हो रहा है।

सरकारी सब्सिडी का उठाया लाभ

4 कनाल से शुरू किया था सफर, आज 12 एकड़ तक पहुंचा

2005 में सतनाम ने 4 कनाल जमीन पर लहसुन की खेती शुरू की। धीरे-धीरे यह क्षेत्रफल बढ़ाकर 3 एकड़ कर लिया। लहसुन से उन्हें हर साल 7 से 10 लाख रुपये तक की आमदनी हो रही है। सरकार की योजनाओं का लाभ उठाया और 65 से 85 प्रतिशत तक की सब्सिडी से 7 एकड़ में नेटहाउस बनवाकर भाइयों के साथ खीरे की खेती शुरू की। साल में दो बार फसल लेकर सतनाम करीब 35 लाख रुपये कमा कर रहे हैं। कुल 12 एकड़ जमीन में से 3 एकड़ में लहसुन और 7 एकड़ में खीरे की खेती कर उन्होंने एक नया मॉडल खड़ा कर दिया है।

शुरुआत सबसे जरूरी

सतनाम सिंह का कहना है कि यदि किसान एक बार हिम्मत करके इन फसलों की शुरुआत करें तो उन्हें निश्चित तौर पर अच्छी कमाई होगी और उनका जीवन खुशहाल बनेगा।

बागवानी की तरफ रुझान

जिला बागवानी अधिकारी श्रवण कुमार कहते हैं कि जिले के कई किसान अब परंपरागत खेती छोड़कर बागवानी फसलों की ओर बढ़ रहे हैं। सब्जी की खेती किसानों के लिए लाभकारी साबित हो रही है।

केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने सरकारी विभागों को दिए निर्देश

दीपावली और दूसरे त्योहारों पर उपहार देना बंद करें

आर्थिक सलाहकार डॉ. पाल की सलाह बनी चर्चा का विषय

केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसयू) के कर्मचारी हैरान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार में वित्त मंत्रालय के आर्थिक सलाहकार डॉ. सुमंत्र पाल की सलाह कर्मचारियों के बीच चर्चा का केंद्र बनी है। इस सलाह पर केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसयू) के कर्मचारी हैरान और परेशान हैं। आर्थिक सलाहकार की तरफ से 17 सितंबर को लोक उद्यम विभाग (डीपीई) को कहा गया है कि केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में दीवाली और दूसरे त्योहारों पर गिफ्ट देने की प्रथा पर रोक लगाई जाए। गिफ्ट से सरकारी खर्च बढ़ता है। अर्थव्यवस्था में जनता के संसाधनों का न्यायपूर्ण उपयोग हो, इसके लिए यह कदम उठाना जरूरी है।

जनता के संसाधनों का न्यायपूर्ण उपयोग हो

लोक उद्यम विभाग (डीपीई) को कहा- प्रथा पर रोक लगाएं

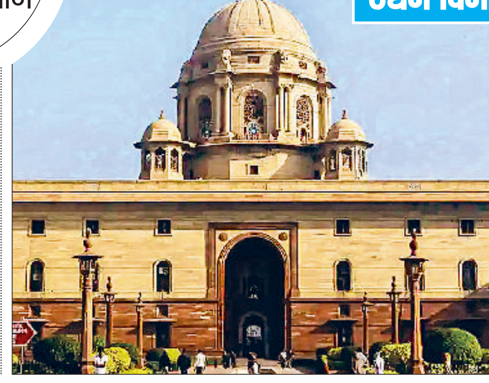

उद्यम विभाग के चीफ एग्जीक्यूटिव को लिखा पत्र

आर्थिक सलाहकार ने लोक उद्यम विभाग के चीफ एग्जीक्यूटिव को लिखे पत्र में कहा है, यह देखने में आया है कि केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में दिवाली सहित दूसरे त्योहारों पर गिफ्ट देने की प्रेक्टिस है। अर्थव्यवस्था में पब्लिक रिसोर्स का न्यायपूर्ण इस्तेमाल हो, इसके लिए ऐसी प्रेक्टिस पर रोक लगाई जानी चाहिए। इसके चलते अब सभी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों से आग्रह किया गया है कि वे इस प्रेक्टिस को बंद कर दें। किसी भी त्योहार पर गिफ्ट का आदान प्रदान रोक दें। आर्थिक सलाहकार ने कहा है कि इन दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाए।

गिफ्ट मिले तो हर्ज नहीं होना चाहिएः डॉ. मंजीत

'नेशनल मिशन फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम भारत' के अध्यक्ष डॉ. मंजीत सिंह पटेल का कहना है कि वित्त मंत्रालय का ये निर्देश ठीक नहीं है। केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में काम करने वाले कर्मचारियों को अगर दिवाली या दूसरे त्योहार पर गिफ्ट मिल जाता है तो इसमें क्या हर्ज है। यह एक बहुत छोटा सा टोकन होता है, लेकिन इसकी वैल्यू बड़ी होती है। कर्मचारी यह सोचता है कि उसके काम का सम्मान हो रहा है। उस छोटे से गिफ्ट से वह कर्मचारी दोगुने उत्साह से काम करता है।

यही कर रहा प्रदर्शन का मूल्यांकन

डीपीई , वित्त मंत्रालय के अधीन एक नोडल विभाग है, जो केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों से संबंधित नीतियों और दिशानिर्देशों को तैयार करता है, उनके प्रदर्शन का मूल्यांकन करता है। उनके कार्य-निष्पादन, स्वायत्तता व कार्मिक प्रबंधन पर नीतिगत दिशानिर्देश निर्धारित करता है। तीसरी लोकसभा की प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट में सार्वजनिक उद्यमों के प्रदर्शन का निरंतर मूल्यांकन करने के लिए एक केंद्रीकृत समन्वय इकाई की स्थापना की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया था। भारत सरकार ने 1965 में सार्वजनिक उद्यम ब्यूरो (बीपीई) की स्थापना की और इसे वित्त मंत्रालय के अधीन कर दिया।

1990 में बनाया नीति निदेशक

सितंबर 1985 में केंद्र सरकार के मंत्रालयों और विभागों के पुनर्गठन के बाद, बीपीई उद्योग मंत्रालय का एक हिस्सा बन गया। मई 1990 में इसमें और सुधार हुए, जिससे बीपीई को एक पूर्ण विभाग का दर्जा मिला जिसे लोक उद्यम विभाग (डीपीई) के नाम से जाना गया। डीपीई का मिशन, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की प्रतिस्पर्धात्मकता और सामाजिक प्रभाव को बढ़ाने के लिए नीतियां तैयार करना, पारदर्शिता को बढ़ावा देना और जिम्मेदार शासन को बढ़ावा देना है। इसके अलावा सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में उत्कृष्टता, स्थिरता और नवाचार को बढ़ावा देने में एक प्रेरक शक्ति बनना, जो राष्ट्र की आर्थिक वृद्धि और विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

खबर संक्षेप

कैदियों में खूनी झड़प उत्पात किया, फाड़ी वर्दी

श्री मुक्तसर साहिब। जिला जेल में कैदियों के दो गुटों में खूनी झड़प हो गई जो तीन दिनों से चल रही थी। बचाव करने आए सहायक अधीक्षक सुखमंदर सिंह और हवलदार मंगल सिंह को कैदियों ने लोहे की राड से पीटा जिससे मंगल सिंह की टांगें टूट गईं और सिर फट गया। इस झड़प में आठ कैदी भी घायल हो गए हैं।

सीएम योगी को धमकी देने वाला धरा गया

मथुरा। उत्तर प्रदेश की मथुरा पुलिस ने एक व्यक्ति को सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में उत्तर प्रदेश के मसीएम योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। वीडियो में पिस्तौल लेकर मुख्यमंत्री को धमकी देते दिख रहा था।

मुंबई में मोनोरेल सेवा अस्थायी रूप से बंद

मुंबई। यहां मोनोरेल सेवा को शनिवार से अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी ने तकनीकी समस्याओं, यात्री सुरक्षा और ट्रांसपोर्ट सिस्टम में सुधार की जरूरतों को देखते हुए यह निर्णय लिया है। इस फैसले से यात्रियों में भारी असंतोष देखा जा रहा है, क्योंकि इससेन परेशानी बढ़ी है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने फिर लगाए वोट चोरी के आरोप

हमारे पास पक्के सबूत, वोट चोरी करके केंद्र की सत्ता में आई भाजपा

हमारे पास ठोस जानकारी मौजूद, बिना सबूत मैं कुछ नहीं कह रहा

वायनाड में बोले राहुल हम हाइड्रोजन बम ला रहे

एजेंसी ▶▶ वायनाड

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को फिर से वोट चोरी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनके पास एक 'हाइड्रोजन बम' सबूत है, जो पूरी सच्चाई को सामने लाएगा और साबित करेगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वोट चोरी कर सत्ता हासिल की।उन्होंने वायनाड में कहा कि हम एक हाइड्रोजन बम लाने जा रहे हैं, जो स्थिति को पूरी तरह तहस-नहस कर देगा। हम जो कह रहे हैं, उसके हमारे पास स्पष्ट प्रमाण हैं। मैं बिना सबूत के कुछ नहीं कह रहा हूं। हमारे पास सौ फीसदी जानकारी है कि जो कुछ हुआ है, वह सामने आने वाला है। उन्होंने अपने पिछली दो प्रेस कॉन्फ्रेंस का जिक्र करते हुए कहा कि हमने महादेवपुरा और आलंद में मतदाता की गलत तरीके से जोड़ी और हटाई गई जानकारी दिखाई है। हम इसे इस तरह दिखाएंगे कि भारत में कोई भी यह शक नहीं करेगा कि नरेंद्र मोदी ने वोट चोरी कर चुनाव जीता है।

ज्ञानेश के खिलाफ चल रही सीआईडी जांच

राहुल ने मुख्य चुनाव आयोग (सीईसी) ज्ञानेश कुमार पर 'वोट चोरों की रक्षा' करने का आरोप लगाया और कहा कि कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र से 6,000 मतदाताओं के नाम हटाने की जांच चुनाव आयोग के प्रमुख के खिलाफ एक स्पष्ट आरोप है। हमने कल प्रेस कॉन्फ्रेंस में काले और सफेद में सबूत पेश किए। कर्नाटक में सीआईडी जांच चल रही है। यह मेरा बयान नहीं, बल्कि तथ्य है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनका 'हाइड्रोजन बम' प्रधानमंत्री मोदी के वाराणसी लोकसभा क्षेत्र से जुड़ा होगा, तो उन्होंने कहा कि मीडिया का काम अटकलें लगाना है।

सत्ता मिलने पर अहंकारी बन रहे राष्ट्रीय नेता

राहुल ने न्नथारा ग्राम पंचायत में ओमन चांडी मेमोरियल ऑडिटोरियम के उद्घाटन समारोह में भी हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि पूर्व केरल मुख्यमंत्री ओमन चांडी हमेशा विनम्र रहे जबकि कुछ राष्ट्रीय स्तर के नेता सत्ता मिलने पर अहंकारी हो जाते हैं। उन्होंने कहाकि आप देखेंगे कि कुछ नेता, जब उन्हें थोड़ी सत्ता मिलती है, तो वे अहंकारी हो जाते हैं। भारत में कई बड़े नेता हैं जिनमें विनम्रता नहीं है।

वायनाड के लोगों ने मेरी रक्षा की

राहुल ने कह कि जब मुझ पर हमला हुआ, वह बहुत ही क्रूर हमला था, तब वायनाड के लोगों ने मेरी रक्षा की। यही एक परिवार का सदस्य करता है। आपने मेरे साथ वैसा ही व्यवहार किया, जैसा मेरी बहन या मेरी मां करतीं। आपके व्यवहार ने मेरे साथ एक गहरा रिश्ता बना दिया। अब मेरे पास और कोई विकल्प नहीं बचा। मैं आपको परिवार का ही हिस्सा मानता हूं, क्योंकि आप यह भी कह सकते थे कि हम आदमी की रक्षा नहीं करेंगे, लेकिन आपने ऐसा नहीं किया। आपने कहा- इस आदमी के साथ अन्याय हो रहा है और हम इसकी रक्षा करेंगे।

भाजपा का पलटवार

कर्नाटक में कांग्रेस विधायक का चुनाव रद्द

बेंगलुरु। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों पर भाजपा ने पलटवार करते हुए करारा जवाब दिया है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, राहुल गांधी पावरप्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस कर वोट चोरी की बात कर रहे हैं। जबकि वहां हाईकोर्ट ने खुद कांग्रेस विधायक नांजेगौड़ा का चुनाव रद्द किया था। असली वोट चोरी तो यही है। शनिवार को बेंगलुरु में भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने राहुल गांधी के आरोपों पर जवाब देते हुए कहा कि राहुल गांधी पावरपॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस कर वोट चोरी की बात कर रहे हैं।

आयोग बिहार वाली गलती दोहराएगा तो आंदोलन

कोलकाता। कांग्रेस नेता प्रसेनजीत बोस ने कहा कि अगर निर्वाचन आयोग चुनाव प्रक्रिया के दौरान "बिहार में की गई गलतियों को दोहराता" है तो राहुल गांधी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) विरोधी आंदोलन का नेतृत्व करेंगे। हाल में पार्टी में शामिल हुए अर्थशास्त्री और सामाजिक कार्यकर्ता बोस ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण होने पर, "संभवतः आगामी त्योहारी सीजन के बाद", भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों का राजनीतिक पुनर्गठन होगा। बोस (51) ने बताया, "लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बिहार में एसआईआर विरोधी आंदोलन में अग्रणी हैं।

महायुति के 90 फीसदी विधायक वोट चोरी से बने

राउत का बड़ा दावा

मुंबई।शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने वोट चोरी के मुद्दे पर एक बार फिर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में ऐसे-ऐसे लोग चुनकर आए हैं जिनका कुछ अता-पता नहीं। लोग उन्हें ढूंढ रहे हैं कि कौन विधायक है। मीडिया से बातचीत में राउत ने शनिवार को कहा कि ये लोग वोट चोरी से महाराष्ट्र में विधायक बन गए। एकनाथ शिंदे, अजित पवार या फिर भाजपा के 90 फीसदी विधायक तो वोट चोरी बने हुए हैं। वे घपला करके बने हैं। इसलिए जनता को उनके नाम भी नहीं मालूम हैं।

महाराष्ट्र के सीएम का 'अजीब' बयान

हिंदी फिल्मों ने मुंबई पुलिस के साथ 'न्याय' नहीं किया

मुंबई। इंडियन पुलिस फाउंडेशन के वार्षिक दिवस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने आयोजकों को मुंबई को आयोजन स्थल के तौर पर चुनने के लिए बधाई दी। यह भी कहा हिंदी फिल्मों ने अक्सर मुंबई पुलिस को गलत तरीके से दिखाया है। उससे न्याय नहीं किया है।

सिनेमा ने कभी भी सच्चाई को सही तौर पर नहीं दिखाया

सीएम ने कहा कि कई वर्षों से फिल्मों ने मुंबई पुलिस के साथ अन्याय किया है। हमारी पुलिस हमेशा समय पर घटनास्थल पर पहुंचती है लेकिन हिंदी फिल्मों में पुलिस को हमेशा घटना के घंटों बाद पहुंचते दिखाया जाता है। मेरा मानना है कि सिनेमा ने कभी भी सच्चाई को सही ढंग से नहीं दिखाया है। मुझे गर्व है कि हमारी पुलिस ने हमेशा अपने स्टैंडर्ड को बनाए रखा है। सबसे भरोसेमंद पुलिस बल के तौर पर हमारी पुलिस जानी जाती है।

रेल यात्रियों के लिए अच्छी खबर

सस्ता हुआ रेल नीर... अब 15 की बोतल 14 रुपए में मिलेगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रेलवे ने रेल नीर की कीमत घटा दी है। अब एक लीटर पानी की बोतल की कीमत 15 रुपए की जगह 14 रुपए होगी और आधा लीटर बोतल की कीमत 10 रुपए की जगह नौ रुपए होगी। रेल मंत्रालय ने बताया कि जीएसटी कम होने का फायदा सीधे यात्रियों को दिया जा रहा है।

■ इस तिमाही में रेल नीर बेचकर 96 करोड़ की कमाई हुई

दरअसल, रेल नीर भारतीय रेलवे का अपना ब्रांड है, जो यात्रियों को ट्रेनों और स्टेशनों पर साफ और सुरक्षित पीने का पानी उपलब्ध कराता है। इसे आईआरसीटीसी (भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम) संचालित करता है।

इसकी शुरुआत साल 2003 में हुई थी। बोर्ड ने साफ किया है कि, यह नई कीमतें 22 सितंबर 2025 से पूरे देश में लागू होंगी। दरअसल, रेलवे की पीएसयू आईआरसीटीस मुख्य रूप से चार तरह के कारोबार से पैसा कमाती है। इनमें खानपान , रेल नीर, इंटरनेट टिकटिंग और पर्यटन शामिल हैं। इनमें सबसे ज्यादा कमाई कपनी को पानी बेचकर होती है। कपनी ने वित्त वर्ष 2025 चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे मई 2025 जारी किए थे। इस तिमाही में कपनी को रेल नीर बेचकर 96 करोड़ की कमाई हुई थी।

राशिफल

मेष परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में वृद्धि के साथ स्थान परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी।

वृष कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। व्यर्थ की भागदौड़ बढ़ सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मिथुन लाभ में में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। कारोबार के लिए विदेश जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

कर्क सेहत का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें। मान-सम्मान बढ़ेगा। बातचीत में संतुलन बनाए रखें। वाणी में कठोरता का प्रभाव हो सकता है।

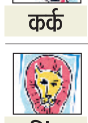

सिंह कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक या शोधादि कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव हो सकते हैं।

तुला व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें।

वृश्चिक पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। कार्यभार में वृद्धि होगी। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। आय में वृद्धि होगी।

धनु जीवनसाथी से नोकझोंक हो सकती है। कुटुम्ब में मान-सम्मान की प्राप्ति के योग हैं। लंबी यात्रा पर जाना हो सकता है। सुखद परिणाम मिलेंगे।

मकर व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। खर्चों की अधिकता रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

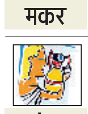

कुंभ नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

मीन शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। मान-सम्मान मिलेगा। शासन-सत्ता का सहयोग रहेगा। कला एवं संगीत में रुचि बढ़ेगी। खर्च अधिक रहेंगे।

हरिभूमि क्लासीफाइड विज्ञापन

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

चिकित्सा

सेक्स रोगों के लिए सलाह मुफ़्त
अशोक क्लीनिक
निकट पीतमपुरा मेट्रो स्टेशन दिल्ली
9811092140 संडे क्लोज

झारखंड में कुड़मी का आंदोलन

रेल सेवाएं आंशिक रूप से प्रभावित, लोग रहे परेशान

रांची। झारखंड में कुड़मी समाज ने अपने समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने और कुड़माली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर शनिवार सुबह विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर 'रेल रोको' आंदोलन शुरू कर दिया जिससे रेल सेवाएं आंशिक रूप से प्रभावित हुई हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रशासन ने निषेधाज्ञा लागू की है, इसके बावजूद यह आंदोलन किया जा रहा है। 'आदिवासी कुड़मी समाज' (एकेएस) के बैनर तले प्रदर्शनकारी रांची के राय स्टेशन, गिरिडीह के पारसनाथ और बोकारो जिले के चंद्रपुरा स्टेशन पर रेल पटरियों पर बैठे देखे गए। रेलवे द्वारा जारी बयान के अनुसार, आदिवासी कुड़मी समाज के आंदोलन के कारण दक्षिण पूर्व रेलवे और पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल में रेल सेवाएं आंशिक रूप से प्रभावित हुई हैं। हटिया-बर्धमान मेमू और टाटानगर-गुआ-टाटानगर मेमू समेत तीन ट्रेन रद्द कर दी गईं, एक की गंतव्य से पहले ही यात्रा समाप्त कर दी।

■ कुड़माली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करें

वडोदरा का मामला

सोशल मीडिया पोस्ट से हिंसा भड़की, 50 लोग हिरासत में

वडोदरा। गुजरात के वड़ोदरा शहर के जूनीगढ़ी इलाके में एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर शुक्रवार देर रात हुए दंगे के बाद पुलिस ने शनिवार को लगभग 50 लोगों को हिरासत में लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पथराव में पुलिसकर्मियों समेत कुछ लोग घायल हुए, हालांकि स्थिति पर तुरंत काबू पा लिया गया। एक अधिकारी ने बताया कि मुस्लिम समुदाय के लोग शुक्रवार रात सिटी पुलिस थाने के बाहर इकट्ठा हुए और दावा किया कि एक सोशल मीडिया पोस्ट ने उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई है और उन्होंने इसे अपलोड करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस उपायुक्त (जोन-4) एंड्रयू मैकवान ने बताया कि अल्पसंख्यक समुदाय के लगभग 500 से 600 सदस्यों के एक अन्य समूह ने पुराने शहर के जूनीगढ़ी इलाके में पथराव शुरू कर दिया और वाहनों में तोड़फोड़ की।

■ अल्पसंख्यक समुदाय के 500 से 600 सदस्यों ने किया पथराव

बीएमडब्ल्यू दुर्घटनाः महिला की बेल पर सुनवाई टाली

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने धौला कुआं बीएमडब्ल्यू दुर्घटना मामले में आरोपी गगनप्रीत कौर की जमानत याचिका पर सुनवाई शनिवार को 24 सितंबर तक टाल दी। अदालत ने दिल्ली पुलिस की इस दलील पर गौर किया कि जांच के कुछ पहलू अभी लंबित हैं।

NOTICE

I, Shilpa Redhu W/o Sh. Ashun Redhu R/o H.No. 607/29, Tilak Nagar, Rohtak declare that I have changed my name from Shilpa to Shilpa Redhu. I may be known as Shilpa Redhu for all future purposes.

शब्द पहेली - 5995

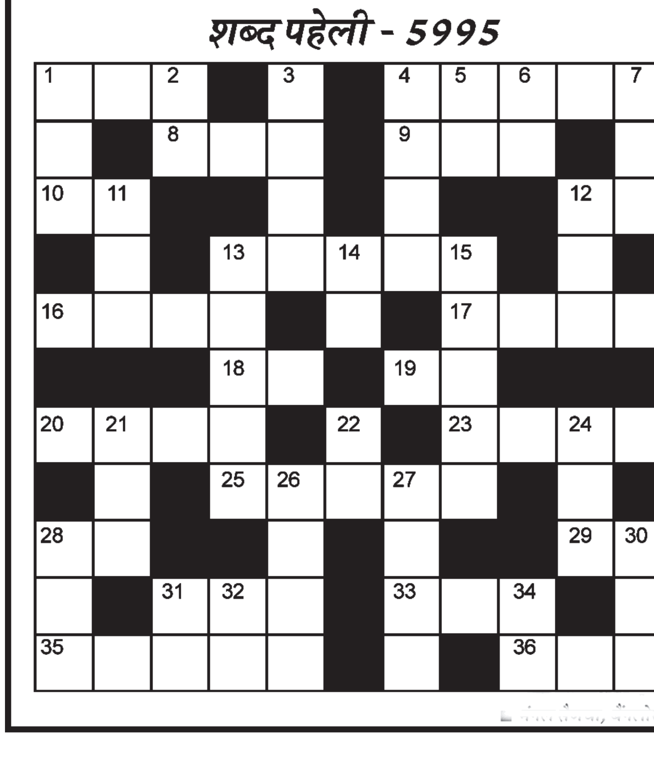

बाएँ से दाएँ

1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे

1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली- 5994 का हल

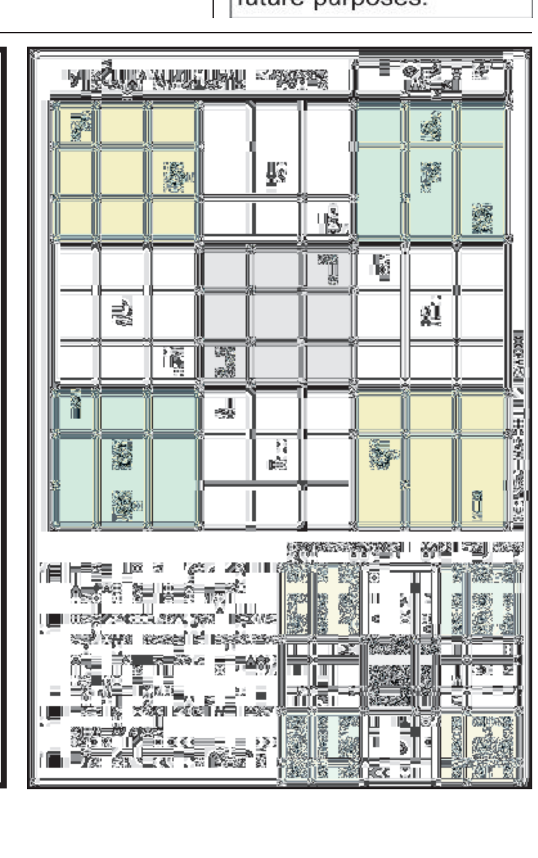

शारदीय नवरात्र विशेष

आदिशक्ति की आराधना का महापर्व

जगत-जननी आदिशक्ति मां दुर्गा की आराधना का वार्षिक महापर्व शारदीय नवरात्र का कल से शुभारंभ हो रहा है। पौराणिक काल से भारतीय जन मानस और संस्कृति में मां शक्तिस्वरूपा के पूजन की परंपरा आज भी बनी हुई है। मां दुर्गा के दिव्य स्वरूप, उनकी व्यापकता और उनके पूजन-भक्ति विधान पर यहां विस्तार से बता रहे हैं।

आवरण कथा / आचार्य गोविंद बल्लभ जोशी

सनातन हिंदू धर्म व्यक्तिवादी नहीं मानवतावादी धर्म है, जहां प्रकृति और परमब्रह्म का चिंतन-मनन निहित है। 'एको अहम बहु स्याम' (अर्थात मैं एक होकर अनेक हो जाऊं) की संकल्पना से प्रारंभ होकर जब एक परमब्रह्म को यह लगा मैं एक से अनेक रूपों में होना चाहता हूं, तब उन्होंने अपनी पराप्रकृति आदि शक्ति का आलंबन लेकर जगत की सृष्टि प्रारंभ की। तब जलचर, थलचर, नभचर जीवों की उत्पत्ति इस जग जीवन को अलंकृत करने लगी। वहीं अन्न और वनस्पति जगत ने सभी के योगक्षेम का दायित्व प्रारंभ किया। आशय यह है कि इन सभी की आधार चेतना शक्ति के रूप में परांबा जगजननी आदिशक्ति दुर्गा भवानी विद्यमान हुईं। इसी आदिशक्ति की प्रकृति- परमात्मा की पूजा-आराधना का व्रत पर्वोत्सव है शारदीय नवरात्र में नव दुर्गा का उपासना पर्व।

चराचर की चैतन्यशक्ति

मां आदिशक्ति भगवती चराचर की चैतन्य शक्ति हैं, प्रकृति में चेतना भरने वाली शक्ति ही परम्मा भगवती दुर्गा हैं।

या देवी सर्वभूतेषु चेतनेत्यभिधीयते
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।

मां दुर्गा जगत-उत्पत्ति जगत-पालन और जगत-संहार का कारण हैं। संसार का सार तत्व ही दुर्गा हैं। इनके बिना यह जगत असार है।

सृष्टि स्थिति विनाशानाम शक्ति भूता सनातनी

सदैव विद्यमान चेतना शक्ति के कारण ही मां आदिशक्ति को सनातनी कहा गया है। यही आदिशक्ति अनेक कारणों से संसार में अनेक रूपों में अवतरित होती हैं और संसार के बिगड़ते संतुलन को व्यवस्थित करती हैं। इसी कारण यह संसार की व्यवस्थापिका हैं। कभी प्रकृति के असंतुलन को ठीक करने हेतु, कभी आसुरी शक्तियों का संहार कर दैवीशक्तियों को जागृत कर बलवती बनाने को, तो कभी अपने भक्तों का आर्त दूर करने आदि अनेक कारणों से अपनी विविध शक्ति स्वरूपों में प्रकट होती हैं।

शरणागत दीनार्त परित्राण परायणे
सर्वस्यार्ति हरे देवि नारायणी नमोस्तुते।

सौम्य के साथ रौद्रस्वरूपा

भवसागर से पार उतारने वाली होने के कारण इन्हें भवानी कहते हैं। मां का स्वरूप अतिसौम्य भी है तो अतिरौद्र भी है। सौम्य और सात्विक जनों की रक्षा हेतु मां दुर्गा रौद्र रूप धारण कर उन्हें आसुरी ताकतों से बचाती हैं और वात्सल्यमयी सौम्य स्वरूपा होकर भक्तजनों की रक्षा करती हैं।

प्रति सौम्यातिरौद्रायै नतास्तस्यै नमो नमः।

वस्तुतः शुंभादि दैत्यों का संहार होने के बाद इंद्रादि देवताओं ने इसी प्रकार माता दुर्गा की स्तुति प्रार्थना की थी। जो जगदंबा देवताओं की रक्षा करने हेतु अवतरित हुईं, वह मनुष्यों का भय

क्यों नहीं हरण करेंगी, जो लोग इसी श्रद्धा-भक्ति से मां की आराधना करते हैं, उन्हें लौकिक सुख एवं पारलौकिक सुख दोनों प्राप्त होते हैं।

सहज भक्ति भी है फलदायी

कलिकाल में तो उनकी सहज भक्ति ही फलदायी बताई गई है। शास्त्र कहते हैं कि 'कलौ चंडी विनायकौ' अर्थात कलिकाल में चंडिका एवं विनायक गणपति जी महाराज की उपासना तत्काल फलदायी है। आसुरी ताकतों एवं दुष्ट प्रवृत्तियों से मुक्त होने का यह एकमात्र साधन है। राष्ट्र एवम सनातनधर्म की रक्षा हेतु चंडी-विनायक आराधना बहुत महत्वपूर्ण है। इसीलिए उपासना क्रम में विनायक गणपति आराधना के बाद ही दुर्गापूजा उत्सव आता है। इसीलिए प्राचीन काल से ही राजा और प्रजा सभी दुर्गा-उपासना पर्व को नवरात्र महोत्सव के रूप में मनाते आ रहे हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने नवरात्र आराधना एवं विजयदशमी पूजन के बाद लंकाविजय की हुंकार भरी थी।

नवरात्र पूजन विधि-विधान

भक्तजनों की सुविधा हेतु संक्षिप्त पूजा विधान इस प्रकार दिया जा रहा है ताकि आप अपने पूजास्थल पर नवरात्र आराधना कर मां दुर्गा की कृपा प्राप्त कर सकें।

नित्य कार्यों से निवृत्त होकर गंगा-यमुना, कृष्णा, कावेरी, सिंधु, गोदावरी आदि नदियों का स्मरण करते हुए तीर्थ स्नान का पुण्य प्राप्त करने के बाद पूजा स्थान पर जाकर सर्वप्रथम सामग्री को व्यवस्थित कर स्वयं को केसरयुक्त रोली तिलक करें। फिर अखंडदीप जलाएं। तत्पश्चात स्वास्तिक बनाकर चौकी पर कलश स्थापित करें। कलश में हल्दी का एक टुकड़ा, एक सिक्का और आम-अशोक के पत्ते डालें। उनके ऊपर साबुत चावलों का भरा हुआ एक कटोरा, पूर्णपात्र के रूप में स्थापित करें। पूर्णपात्र में नारियल रखें। जटा नारियल का मुख ऊपर आसमान की ओर अथवा स्वयं की ओर करें। पुनः कलश को चारों ओर से लाल अथवा पीले वस्त्र से आच्छादित करें और उसे मौली से बांधना चाहिए। वहीं दो सुपारी रिद्धि-सिद्धि सहित श्री गणपति महाराज के रूप में स्थापित करें। उनके ऊपर कलावा का गोला, एक जोड़ा यज्ञोपवीत और दूर्वा रखकर हाथ जोड़कर कलश में सभी देवी-देवताओं के निमित्त पूजन प्रारंभ करें। सर्वप्रथम उन्हें आसन के निमित्त फूल अर्पित करें, फिर हाथ में फूल, रोली, अक्षत लेकर ध्यान लगाकर अर्पित करें। माता दुर्गा की प्रतिमा अथवा चित्र के समक्ष उनका आह्वान करें। दुर्गा जी की प्रतिमा के आगे कलश में ही गणपति, मातृका कलश वरुण, नवग्रह आदि का इस प्रकार पूजन करें। उन्हें चार बार आचमनी से जल समर्पित करें। इसका तात्पर्य यह है कि आप उनके चरण धो रहे हैं। हाथ से अर्घ्य दे रहे हैं। मुख में आचमनी करा रहे हैं और चौथी बार उनका सर्वांग स्नान करा रहे हैं। तत्पश्चात उन्हें वस्त्र अर्पित करें। वस्त्र के बाद तिलक करें। उन्हें धूप, दीप दिखाएं, फिर पंचमेवा लड्डू आदि प्रसाद चढ़ाना चाहिए। उसके बाद फल, तांबूल आदि अर्पित कर कुछ द्रव्य भेंट चढ़ाकर आरती करनी चाहिए।

इसके बाद प्रधान पूजा अर्थात नवदुर्गा पूजा भी इसी प्रकार पाद्य, अर्घ्य, आचमनी और सर्वांग स्नान, धूप, दीप, नैवेद्य, फल, तांबूल आदि क्रम में रखें। भगवती दुर्गा के नौ के नौ रूपों का प्रतिदिन पूजन करना चाहिए। जो दिन जिस स्वरूप का हो, उस स्वरूप की उस दिन विशेष पूजा करनी चाहिए। सायंकाल गाय के घृत अथवा तिल के तेल से उनकी भक्तिभाव से आरती कर पुष्पांजलि करनी चाहिए और हाथ जोड़कर इस श्लोक का उच्चारण करें-

सर्व मंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके
शरण्ये त्र्यंब्के गौरी नारायणी नमोस्तुते।

तत्पश्चात दोनों हाथ आस-पास की ओर उठाकर मां दुर्गा को शरणागत होते हुए कहें-

शरणागत दीनार्त परित्राण परायणे,
सर्वस्यार्तिहरे देवि नारायणी नमोस्तुते।

इस प्रकार आप मां नवदुर्गा की आराधना कर सकते हैं। यदि संभव हो तो दुर्गा सप्तशती का पाठ करें या हिंदी अनुवाद पढ़ते हुए मां के नव स्वरूपों एवं चरित्रों को आत्मसात करें।

अष्टमी अथवा नवमी के बाद प्रत्येक भक्त परिवार को नवार्ण मंत्र से हवन कर मां को हलवा, पूड़ी, छोले का प्रसाद भोग लगाकर कन्या पूजन अवश्य करना चाहिए। तत्पश्चात भोज प्रसाद ग्रहण करना चाहिए। *

बंगाल की भव्य-पारंपरिक राजबाड़ी दुर्गा पूजा

वैसे तो शारदीय नवरात्र में पूरे बंगाल में दुर्गा पूजा की छटा देखते ही बनती है। लेकिन वहां कुछ दुर्गा पूजाओं की परंपरा कई सदी पुरानी है। अपने में परंपरा, इतिहास और आस्था की त्रिवेणी समेटे इन दुर्गा पूजाओं में से कुछ पर एक नजर।

भवानीपुर दे बाड़ी दुर्गा पूजा

पर्व परंपरा / शिखर चंद जैन

हालांकि सनातन धर्म के सभी अनुयायी दुर्गा पूजा में पूरी श्रद्धा और उत्साह से सम्मिलित होते हैं, लेकिन बांग्ला भाषियों के लिए यह सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि भावनाओं का उत्सव होता है। इन दिनों बंगाल जगमगाती रोशनी और सुर्ख रंगों से सज जाता है। चारों तरफ विभिन्न प्रकार के व्यंजनों, नए कपड़ों, मोहक सजावट वाले थीम आधारित भव्य-विशाल पंडाल और उत्साह-उमंग भरा उत्सवी माहौल नजर आता है। लेकिन इन सबसे दूर कुछ अत्यंत पारंपरिक, कुलीन और राजघरानों की दुर्गा पूजाएं भी आयोजित की जाती हैं, जो विशुद्ध रूप से सात्विक वातावरण और रीति-रिवाजों से आयोजित की जाती हैं। ये घराने दशकों से और इनमें से कुछ तो सदियों से दुर्गा पूजा मनाते आ रहे हैं। कई राजबाड़ियां (घराने) आज भी अस्तित्व में हैं। पूजा के दौरान इनमें सम्मिलित होना आस्था के सागर में डुबकी लगाने जैसा अनुभव देता है।

बागबाजार हलदरबाड़ी दुर्गा पूजा: यह भी कोलकाता की सबसे पुरानी और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण दुर्गा पूजा की सूची में शामिल है। हलदरबाड़ी की दुर्गा प्रतिमा की पिछले 447 वर्षों से प्रतिदिन पूजा की जाती रही है। यह प्रतिमा बलुआ पत्थर से बनी है और लगभग 600 से 700 वर्ष पुरानी है। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि इसे बंगाल के पाल साम्राज्य के शासनकाल में निर्मित किया गया था। कुमारी पूजा, हलदरबाड़ी दुर्गा पूजा के मुख्य आकर्षणों में से एक है।

भूकैलाश राजबाड़ी दुर्गोत्सव: महाराजा जय नारायण घोषाल ने लगभग 300 साल पहले भूकैलाश राजबाड़ी में इस दुर्गा पूजा की शुरुआत की थी, जो अब खिदिरपुर क्षेत्र में है। यहां पर महिषासुरमर्दिनी यानी मां दुर्गा की मूर्ति अष्टधातु से बनी है और देवी घोड़े के आकार के शेर पर सवार हैं।

भवानीपुर दे बाड़ी दुर्गा पूजा: भवानीपुर दे बाड़ी दुर्गोत्सव की शुरुआत वर्ष 1870 में हुई थी। इस पूजा की एक खासियत यह है कि इसकी प्रतिमा में महिषासुर, अंग्रेज सैनिकों की तरह कोट और पैंट पहनते हैं। ऐसा माना जाता है कि इसे ब्रिटिश काल में सबसे पहले अंग्रेजों के विरोध में बनाया गया था। यहां यह परंपरा आज भी जारी है।

बिष्णुपुर राजबाड़ी दुर्गापूजा: इसकी शुरुआत लगभग 994 ईस्वी में हुई थी। यह पूरे बंगाल क्षेत्र की सबसे प्राचीन दुर्गा पूजाओं में से एक है। इस पूजा को 'मृणमयी मां की

पूजा' के नाम से भी जाना जाता है। यहां दुर्गोत्सव की शुरुआत 15 दिन पहले ही हो जाती है। इस उत्सव के दौरान यहां माता रानी को सांकेतिक रूप से तोप की सलामी भी दी जाती है। नवमी के दिन गुप्त पूजा बंद कमरे में होती है।

लाहा बारी दुर्गोत्सव: यह वैष्णव परिवार महिषासुर वध को अहिंसक मानता है, इसलिए यहां मां दुर्गा का शांत रूप देखने को मिलता है। यह पूजा कितनी पुरानी है, इस पर विद्वानों में मतभेद है। कुछ विद्वानों का कहना है कि भगवान प्राण कृष्ण लाहा ने लगभग 170 साल पहले यह पूजा सबसे पहले की थी, जबकि कुछ अन्य लोगों का मानना है

कि प्राण कृष्ण के पिता श्री राजीव लोचन लाहा ने लगभग 200 साल पहले इसकी शुरुआत की थी।

मल्लिक बाड़ी दुर्गा महोत्सव: यह कोलकाता की सबसे प्राचीन दुर्गा पूजा में से है। भवानीपुर का मल्लिक परिवार के पूर्वज मुख्यतः वैष्णव धर्म का पालन करते थे। कहते हैं 15वीं शताब्दी ईस्वी में नवाब हुसैन शाह के समय से अब तक इस परिवार के सदस्य देवी दुर्गा की एक ही रूप में पूजा करते आ रहे हैं। ये वैष्णव धर्म का पालन करते हैं, इसलिए पूजा के पांच दिनों तक शाकाहारी भोजन ग्रहण करते हैं। *

शोभा बाजार राजबाड़ी दुर्गा पूजा

शोभा बाजार राजबाड़ी के राजा नवकृष्ण देव ने 1757 में पहली बार यहां दुर्गा पूजा का आयोजन किया था। यहां प्राचीन रीति-रिवाजों के अनुसार दशभुजा की पारंपरिक पूजा की जाती है। यहां गैर-हिंदुओं को राजबाड़ी के बाहरी भाग में स्थित 'नाच घर' या नृत्य मंडप में विशिष्ट हिंदू पारिवारिक समारोह देखने को मिलता है। राजा नव कृष्ण देव ने इस दुर्गा पूजा की शुरुआत सभी धर्मों के लोगों को परिसर में प्रवेश की अनुमति देकर की थी। प्लासी के युद्ध के बाद, उन्होंने वॉरेन हेस्टिंग्स और लॉर्ड क्लाइव को भी इस भव्य पूजा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। ऐसा कहा जाता है कि देवी दुर्गा, शाही महल के 'नाच घर' में बजने वाले मधुर गीतों को सुनने के लिए आती थीं।

गजल / गोविंद भारद्वाज

एक ऐसा ही शिफा उसने हमारा कर दिया,
बंद निगाहों से मेरी मां ने उतारा कर दिया।
थे जहां में आदमी हम भी बड़े ही काम के,
इश्क ने हमको यकीनन अब नकारा कर दिया।
छोड़ कर दुनिया चले आए उसी के पास हम,
बस निगाहों से जो उसने इक इशारा कर दिया।
थे कभी शबनम जमाने की निगाहों में अजी,
बेवफाई ने मगर उसको अंगारा कर दिया।
प्यार उसने भी किया था बेतहाशा ही मगर,
नाम बदनाम लेकिन क्यों तुम्हारा कर दिया?
अब चले तन्हा कमाई के लिए परदेश में,
इस कमाने की हवस ने बेसहारा कर दिया।
पास जब दौलत रही सब खास थे 'गोविंद' के,
मुफलिसी के दौर में सब ने किनारा कर दिया।

आज के दौर में व्यवस्था तंत्र इतना भ्रष्ट हो चुका है कि छोटे-छोटे काम के लिए भी आम आदमी इसमें उलझ कर कसमसाता रहता है। इर्द-गिर्द मौजूद दलाल भी इस भ्रष्ट व्यवस्था के पोषक बन जाते हैं। भ्रष्ट व्यवस्था के तंत्र में फंसे एक आम आदमी पर केंद्रित कहानी।

चाय की गुमटी

कहानी / भूपेंद्र भारतीय

आज सुबह से रुक-रुककर तेज बारिश हो रही थी। सितंबर माह का पहला सोमवार था, भादो की बरखा पूरे रंग में थी। तहसील के सामने वाली चाय की गुमटी में बैठा नयाराम तहसीलदार और पटवारी की बाट जोह रहा था। दोपहर की घड़ी आ गई थी। लग रहा था जैसे सूरज देवता बादलों के पार आराम कर रहे हैं। अब तक तहसील में कोई ज्यादा चहल-पहल नहीं हुई थी। सुबह से हो रही बारिश के कारण तहसील के आस-पास वाली दुकानें बंद थीं। बस कुछ ही लोग दिख रहे थे। नयाराम को अपने गांव से तहसील आए तीन घंटे बीत चुके थे। इन तीन घंटों में उसने दो चाय और आठ-दस बीड़ी पी ली थी। नयाराम अपने हल्के के पटवारी को भी निरंतर मोबाइल लगा रहा था, लेकिन पटवारी का सुबह से मोबाइल बंद आ रहा था। नयाराम दो-तीन बार तहसील के चपरासी से तहसीलदार और पटवारी के आने के बारे में पूछ चुका था। चपरासी का एक ही जवाब होता, 'साहब क्षेत्र में दौरे पर हैं, पता नहीं कब आएंगे।'

नयाराम के पिता की मृत्यु हुए करीब एक वर्ष से ऊपर हो गया था, लेकिन उसके पिता उसकी पुश्तैनी जमीन के कागजों में अब तक जिंदा थे। गुमटी में बैठे-बैठे उसे अपने 'जीसाहब' की बहुत सी बातें रह-रह कर याद आ रही थीं। नयाराम अपने पिता को 'जीसाहब' संबोधित करता था। बीड़ी का करीब आधा बंडल वह फूंक चुका था। मन बहलाने और समय काटने के लिए नयाराम के पास बीड़ी ही अंतिम साधन थी। चाय के लिए पैसे लगभग समाप्त हो चुके थे। आधे दिन से ऊपर का समय बीत चुका था। चाय की गुमटी वाले ने नयाराम की बेचैनी को देखकर उससे पूछा 'क्यों भाई, कब से बैठे हो? किसका इंतजार है? पटवारी-तहसीलदार या फिर किसी दलाल का...।'

नयाराम बोला, 'अरे भाई तहसीलदार, पटवारी दोनों की बाट देख रहा हूं। लेकिन देखो, आधा दिन से ऊपर हो गया है, अब तक किसी के दर्शन नहीं हुए। इतनी भी बारिश नहीं हो रही है कि तहसील ना आएं। सरकारी अधिकारी होकर कोई जिम्मेदारी नाम की भी चीज होती है, जनता जाए भाड़ में।' चाय वाला हल्की मुस्कान के साथ बोला, 'अरे भाई, यहां तो ऐसा ही चलता है। लगता है तुम्हें तहसील में काम-काज का ढंग पता नहीं है। यहां सीधे-सीधे काम करवाना श्रीहरि के दर्शन प्राप्त करने जैसा है भाई।'

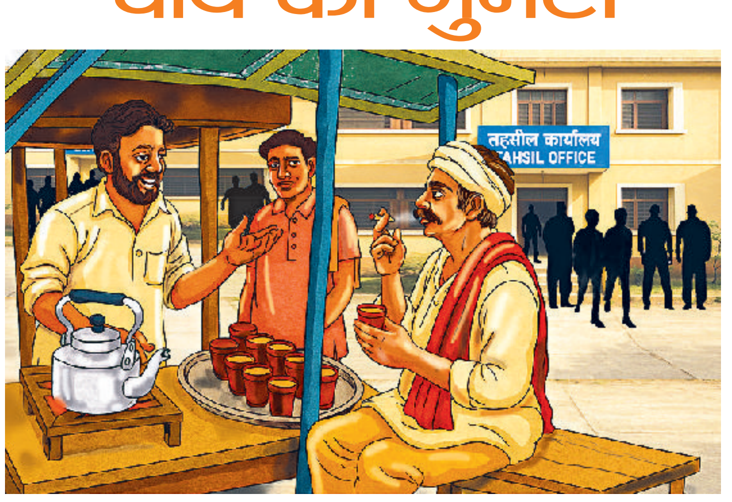

नयाराम ने चाय वाले को अपना काम बताया कि पिता की मृत्यु के बाद पुश्तैनी जमीन का नामांतरण होना है। इस काम के लिए तहसीलदार, पटवारी से मिलने के लिए चक्कर पर चक्कर लगा रहा है। चायवाला नयाराम को एक और चाय देते हुए बोला, 'पहले शांति से यह चाय पी लो, फिर मैं तुम्हें बताता हूं तुम्हारा काम कैसे होगा।'

नयाराम ने चाय पीने के बाद एक और बीड़ी जला ली। इस बार उसने चाय वाले की ओर भी बीड़ी का बंडल बढ़ाया। चाय वाले ने भी उसमे से एक बीड़ी निकालकर जला ली। बीड़ी पीते हुए वह बोला, 'देखो भाई, आज का दिन तो तुम्हारा गया। अब साहब का आना मुश्किल है। लगता है साहब आज क्षेत्र के दौरे पर लंबे निकल गए हैं। तुम कल जल्दी आ जाना। मैं तुमको एक व्यक्ति से मिलवा दूंगा। वह तुम्हारा सारा काम बहुत आसानी से करवा देगा। बस तुम्हें थोड़ा खर्चा-वर्चा करना होगा।'

नयाराम पहले चौंका फिर उदास स्वर में बोला, 'लेकिन भाई कितना खर्चा होगा?'

चायवाला आहिस्ता से बोला, 'अरे, डरो मत। ज्यादा खर्चा नहीं होगा, तुम्हारा काम कम में ही हो जाएगा।'

नयाराम सोच में पड़ गया।

नयाराम की भाव-भंगिमा देखकर चाय वाला बोला, 'ज्यादा विचार मत करो, कल आराम से आओ, फिर बात करते हैं। अब गांव वापस जाओ, बारिश और ज्यादा हो सकती है। इस बार भादो अच्छा बरस रहा है।'

नयाराम एक नई उम्मीद के साथ अपने गांव को चलने के लिए उठा। उसने चाय वाले को चाय के लिए पचास का नोट दिया। चायवाला बोला, 'अरे भाई, कल करते हैं सारा हिसाब, आज रख लो यह नोट। अपने बच्चों के लिए बाजार से कुछ खाने की चीज ले जाना।'

नयाराम ने एक ओर बीड़ी जलाई और बोला, 'कल आता हूं।' फिर चाय वाले को राम-राम करके गांव जाने के लिए बाजार की ओर बढ़ गया। आज तहसील में उसका सारा दिन बेकार हो चुका था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

गहन जीवनदृष्टि से उपजी कहानियां

अगर देखने की गहन दृष्टि हो तो रोजमर्रा के जीवन में हमारे आस-पास तमाम ऐसी घटनाएं और किरदार मिल जाएंगे, जिनसे कहानी की रचना की जा सकती है। वरिष्ठ कथाकार हरि भटनागर को इस कला में दक्षता हासिल है। इस बात की तस्दीक करती हैं कुछ समय पूर्व छपकर आए उनके कहानी संग्रह 'आपत्ति' की कहानियां। इस संग्रह में कुल जमा बारह कहानियां संकलित हैं। हर कहानी की भावभूमि और कथावस्तु, हमें जीवन के अनछुए या कहें कि प्रायः उपेक्षित किए जाने वाली छवियों से रूबरू कराती है। संग्रह की छोटी सी कहानी है 'मोहम्मद', जिसमें कथाकार ने यह दिखाने का प्रयास किया है कि असहिष्णुता किस तरह से व्यक्ति की चेतना और संवेदना को नष्ट कर देती है। शीर्षक कहानी 'आपत्ति' अपनी तरह की अनोखी कहानी है, जिसमें एक सुअरिया की गतिविधियों और भाव भंगिमाओं से उसके मनोविज्ञान का विश्लेषण लेखक ने किया है। संग्रह की अन्य कहानियों में कहीं वे घर के आस-पास विचरते पक्षियों, जानवरों पर कहानी बुन लेते हैं तो कहीं वे दरवाजे पर लटकते ताले के इर्द-गिर्द भी कहानी गढ़ लेते हैं। कह सकते हैं कि इस संग्रह की कहानियों को पढ़ते हुए यह साबित होता है कि जहां कहानी जन्म लेने की संभावना बिल्कुल नजर नहीं आती, वहां भी लेखक ने कहानी को रचा और पूरी कसावट के साथ बुना है। *

पुस्तक: आपत्ति (कहानी संग्रह), **लेखक:** हरि भटनागर, **मूल्य:** 265 रुपए, **प्रकाशक:** राजपाल एंड संस, दिल्ली

विशेषः विश्व पर्यटन दिवस, 27 सितंबर

आंकड़े बताते है कि भारतीय लोग पहले से कहीं अधिक यात्राएं कर रहे हैं। इससे ऑनलाइन ट्रैवल मार्केट तेजी से बढ़ा है। ट्रैवलिंग एप्स और ऑनलाइन बुकिंग, पेमेंट की सुविधाएं बढ़ने की वजह से लोगों की यात्राएं काफी ईजी हो गई हैं। लोगों के बदलते ट्रैवलिंग ट्रेंड पर एक नजर।

ऑनलाइन ट्रैवल मार्केट का बढ़ा क्रेज
ईजी-कंफर्टेबल हो रही ट्रैवलिंग

ट्रेंड
अंशु सिंह

वर्ल्ड ट्रैवलिंग एंड टूरिज्म बोर्ड की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में यात्रा और पर्यटन उद्योग का देश के सकल घरेलू उत्पाद में सातवां सबसे बड़ा योगदान रहा है। स्टेटिस्टा की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय ऑनलाइन ट्रैवल बुकिंग सेगमेंट का राजस्व 2025 के अंत तक 28 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक होने की उम्मीद है। दरअसल, बढ़ती क्रय क्षमता वाले भारतीयों की संख्या बढ़ने से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्राओं की संख्या बढ़ गई है। यात्रा की तैयारी के लिए पहले कितनी सारी जद्दोजहद करनी पड़ती थी। ट्रैवल एजेंट का ही भरोसा रहता था या खुद टिकट खिड़की पर जाकर लंबी कतारों में खड़े रहना होता था। अब मोबाइल एप से घर बैठे ऑनलाइन बुकिंग हो जाती है। कई प्रमुख ट्रैवल कंपनियों ने कस्टमर्स के अनुकूल मोबाइल एप विकसित किए हैं, जिससे यात्री चलते-फिरते टिकट और ठहरने की जगह बुक कर सकते हैं। ऑनलाइन पेमेंट की बढ़ती विश्वसनीयता भी लोगों को ऑनलाइन ट्रैवल बुकिंग के लिए प्रेरित कर रही है।

तेजी से बढ़ रही इंडस्ट्रीः ऑनलाइन ट्रैवल कंपनी एग्जिगो के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ आलोक बाजपेयी का कहना है कि इस समय देश का ट्रैवल मार्केट लगभग 9% की दर से बढ़ रहा है, जबकि ऑनलाइन ट्रैवल मार्केट (प्रत्यक्ष ऑनलाइन और बीटूबीटूसी ऑनलाइन सहित) 12 से 13% की दर से बढ़ रहा है। वहीं, बीटूसी ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसी बाजार, साल दर साल करीब 18% की दर से बढ़ रहा। ट्रैवल इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का कहना है कि फाइनेंशियल सर्विसेज एवं ई-कॉमर्स की तुलना में ट्रैवल इंडस्ट्री को टेक्नोलॉजी एडॉप्ट करने में थोड़ा समय लगा। लेकिन एआई, एआर, वीआर एवं नई जेनरेशन के कई टूल्स आने के बाद से अब ट्रैवल सेक्टर का स्वरूप बदल रहा है। यूरोप में तो इसका बखूबी इस्तेमाल हो रहा है। भारत में भी शुरुआत हो चुकी है।

क्यों बढ़ रही ऑनलाइन बुकिंगः ऑनलाइन ट्रैवल बुकिंग में वृद्धि के तीन प्रमुख कारण हैं। डिजिटल पहुंच, स्मार्टफोन का उपयोग और बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताएं। भारत में 70% से ज्यादा ट्रैवल बुकिंग अब ऑनलाइन होती हैं, जिसमें मेकमाइट्रिप, यात्रा, ईजमाईट्रिप जैसे ओटीए और ट्रिपबे महत्वपूर्ण बाजार हिस्सेदारी हासिल कर रहे हैं।

नई पीढ़ी के जेनरेशन मिलेनियल्स और जेन जी गति और पारदर्शिता को महत्व देते हैं, इसलिए वे ऑनलाइन बुकिंग को प्राथमिकता देते हैं। दरअसल, ओटीए रीयल-टाइम अवेलिबिलिटी, फेवरेबल ऑप्शंस, ईजी पेमेंट गेटवे और कॉम्पिटेटिव एक्सपेंस प्रदान करते हैं। भारत के युवा, जो डिजिटल रूप से कुशल यात्रियों की श्रेणी में आते हैं, उन्हें ये सुविधाएं पसंद हैं। कुछ ही क्लिक में होटलों, उड़ानों या चुनिंदा अनुभवों की तुलना करने की सुविधा ने ओटीए को यात्रा योजना के लिए एक पसंदीदा समाधान बना दिया है।

टेक्नोलॉजी ने भी बदला स्वरूपः किसी भी यात्रा की योजना बनाने से लेकर बुकिंग करने एवं टूर कंडक्ट करने की जटिल प्रक्रिया को टेक्नोलॉजी ने अब आसान बना दिया है। खासकर बिचौलियों की समस्या पर अंकुश लगा है। जैसे, फ्लाइट कैंसिल होने या मौसम खराब होने के कारण यात्रा की प्लानिंग में कोई फेरबदल होने पर ट्रैवल एजेंट होटल बुकिंग या बाकी तैयारियों में बदलाव से अमूमन इंकार कर देते हैं। लेकिन एआई से पूरे ट्रैवल इटिनरी को बदला जा सकता है या कहें कि री-शिड्यूल किया जा सकता है।

और भी बदलेगा सिनेरियोः साल 2011 में स्थापित ट्रैवल कंपनी 'थ्रिलोफिलिया' के सह-संस्थापक अभिषेक को उम्मीद है कि आने वाले साल में एआई से ट्रैवल सेक्टर का स्वरूप, बुकिंग का पूरा तरीका बदल जाएगा। एआई टूल्स के जरिए लोग खुद से अपनी इटिनरी तैयार कर सकेंगे, एप्स की मदद से वाउचर खरीद सकेंगे। एआर की मदद से विदेशों में स्थित पर्यटक स्थलों के बारे में जान सकेंगे। दरअसल, एआर और वीआर जैसी तकनीकें यात्रा के अनुभव को बेहतर बनाती हैं। उदाहरण के लिए, पर्यटन में वर्चुअल रियलिटी (वीआर) स्थानों के वर्चुअल टूर प्रदान कर सकती है, जिससे आगंतुकों को यात्रा करने से पहले क्षेत्रों का अनुभव करने में मदद मिलती है। वहीं, एआर साइनेज का अनुवाद कर सकती है, यात्रियों को स्थलों के बारे में वास्तविक समय की जानकारी दे सकती है और शहर में घूमते समय ऐतिहासिक संदर्भ भी प्रदान कर सकती है।

ऑनलाइन ट्रांजक्शन पर बढ़ा भरोसाः अभिषेक डागा कहते हैं कि देश में ऑनलाइन पेमेंट के पैटर्न में पॉजिटिव चेंज आया है। खासकर शहरी आबादी बड़े पैमाने पर डिजिटल पेमेंट को अपना रही है। डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म ग्राहकों की सुविधा का ध्यान रखते हुए जरूरी इंप्रूवमेंट पर फोकस कर रहे हैं। इससे ऑनलाइन लेन-देन को लेकर भरोसा बढ़ा है।

ऑफबीट डेस्टिनेशंस की यात्रा हुई आसानः ओटीए ने यात्रा सेवाओं तक पहुंच को ईजी बनाया है। विशेष रूप से टियर 2 और टियर 3 शहरों में पर्यटन को बढ़ावा मिला है और कुर्ग, गोकर्ण और चिकमगलूर जैसे कम प्रसिद्ध स्थलों को शहरी यात्रियों के बीच लोकप्रियता मिलने लगी है। ओटीए ने मानसून ट्रैक, एडवेंचर ट्रैवलिंग और रिलीजियस ट्रैवलिंग को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि ओटीए, फाइनेंस टेक्नोलॉजी के साथ और भी अधिक यूनीफाइड हो जाएंगे। पेमेंट आफ्टर ट्रैवलिंग लोन के ऑप्शन भी प्रदान करेंगे। इससे यह सेक्टर और ग्रो करेगा। *

इसलिए गुलाब कहलाता है
फूलों का राजा

पूजा-पाठ, सजावट, इत्र निर्माण से लेकर भावनाओं के इजहार तक के लिए गुलाब के फूलों की बहुत उपयोगिता है। विश्व गुलाब दिवस (22 सितंबर) के अवसर पर आपको बता रहे हैं गुलाब के फूलों से जुड़ी कुछ रोचक बातें।

रोचक
अंजू जैन

हालांकि हर फूल की अपनी खासियत होती है, लेकिन गुलाब की बात ही निराली होती है। ना केवल यह दिखने में आकर्षक लगता है, इसकी सुगंध भी मनमोहक होती है। इसलिए किसी खास मौके पर गुलाब के फूल, महंगे उपहारों से भी ज्यादा प्रभाव छोड़ते हैं। शायद यही वजह है कि गुलाब, दुनिया के सबसे लोकप्रिय फूलों में से एक माना जाता है।

करोड़ों साल से बिखेर रहा खुशबूः गुलाब सबसे पुराने फूलों में से एक है। सदियों से साहित्य और कला में गुलाब का जिक्र होता रहा है। पुरातत्वविदों ने 35 मिलियन (3.5 करोड़) साल पुराने गुलाब के जीवाश्म खोजे हैं। गुलाब के बारे में एक और भी आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि सबसे पुराना जीवित गुलाब 1,000 वर्ष पुराना है। यह गुलाब जर्मनी में हिल्डशाइम कैथेड्रल की दीवार पर उगता है और सदियों तक जीवित रहता है। इसे 'हिल्डशाइम का गुलाब' या 'हजार साल का गुलाब' भी कहा जाता है।

मौजूद हैं हजारों किस्मेंः आपने ज्यादातर गुलाबी, लाल, पीले गुलाब ही देखे होंगे। इसकी दुनिया में 150 से ज्यादा प्रजातियां उपलब्ध हैं। यही नहीं गुलाब की 30,000 से ज्यादा संकर किस्में हैं। लगातार इसकी नई प्रजातियां विकसित भी की जा रही हैं। इनका हिसाब रखना आसान बनाने के लिए ज्यादातर गुलाबों को कई श्रेणियों में बांटा गया है, जैसे हाइब्रिड टी रोज, ओल्ड इंग्लिश रोज, क्लाइंबिंग रोज और फ्लोरिबुंडा रोज। हाइब्रिड टी रोज गुलदस्ते के लिए सबसे लोकप्रिय प्रकार है, क्योंकि इनके लंबे तने और बड़े फूल होते हैं, जिनकी पंखुड़ियां सुंदर और स्पष्ट होती हैं। ये कई अलग-अलग रंगों में भी मिलते हैं।

खाने के काम भी आता है गुलाबः गुलाब के फूलों का भोजन में भी उपयोग किया जाता है। आप इनकी ताजी पंखुड़ियों को सलाद पर छिड़क सकते हैं, या फिर कुछ मिठाइयों, जैम और पेय पदार्थ बनाने के लिए इनका इस्तेमाल कर सकते हैं। इनकी सूखी पंखुड़ियों को भिगोकर भी फूलों वाली चाय बनाई जा सकती है। पान या शरबत में गुलकंद तो आपने चखा ही होगा।

सबसे महंगा गुलाबः एक नए प्रकार के गुलाब को उगाने, उसे निखारने में बहुत, मेहनत और धन लगता है। डेविड ऑस्टिन द्वारा विकसित किया गया 'जूलियट गुलाब' को पूरी तरह से तैयार करने में 15 साल का समय और लगभग 23 करोड़ रुपए की लागत आई थी। जिससे यह अब तक उगाया गया सबसे महंगा गुलाब बन गया। साल 2006 में एक फ्लावर शो में यह गुलाब का फूल लगभग 90 करोड़ रुपए में बिका था। आज की तारीख में जूलियट रोज की अनुमानित कीमत 130 करोड़ रुपए के आस-पास हो सकती है।

इत्र-तेल के निर्माण में उपयोगः गुलाब का इस्तेमाल सदियों से इत्र के निर्माण में भी किया जाता रहा है। खासतौर पर गुलाब का तेल, इत्र उद्योग का एक जरूरी घटक रहा है। फूलों से गुलाब का तेल निकालने के लिए भारी मात्रा में गुलाबों की जरूरत होती है। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि एक ग्राम गुलाब का तेल बनाने के लिए दो हजार तक गुलाब के फूलों का उपयोग होता है।

अमेरिका का राष्ट्रीय फूल है गुलाबः सन 1986 में, राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने गुलाब को संयुक्त राज्य अमेरिका का राष्ट्रीय पुष्प घोषित किया था। गुलाब की विभिन्न किस्में जॉर्जिया, आयोवा, न्यूयॉर्क, नॉर्थ डकोटा और वाशिंगटन डीसी के राज्य पुष्प भी हैं। *

कुछ कहता है गुलाब का रंग

अलग-अलग रंग के गुलाब का इस्तेमाल अलग-अलग अवसरों पर अलग-अलग भावनाओं को व्यक्त करने के लिए किया जाता है। लाल गुलाब, प्यार और रोमांस का प्रतीक होता है। गुलाबी गुलाब, शालीनता और शान का प्रतीक है तो चटक पीले गुलाब को दोस्ती और खुशी का प्रतीक माना जाता है। नारंगी गुलाब को जुनून, उत्साह और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। सफेद गुलाब सहानुभूति का प्रतीक है। इसे पवित्रता, आध्यात्मिकता और मासूमियत का भी प्रतीक माना जाता है।

अवेयरनेस
विवेक कुमार

पूरी दुनिया में कारों के बढ़ते प्रयोग के कई दुष्प्रभाव दिख रहे हैं। प्रदूषण बढ़ रहा है और लोग अनहेल्दी भी हो रहे हैं। कारों के सीमित प्रयोग को प्रोत्साहित करने के लिए 22 सितंबर को विश्व कार-मुक्त दिवस के रूप में मनाया जाता है।

दुनिया बनेगी ग्रीन-हेल्दी-सुरक्षित
कारों का करें सीमित प्रयोग

विश्व कार मुक्त दिवस का संदेश केवल एक दिन के लिए कार छोड़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे लोगों को यह संदेश देना है कि अगर हमारी दुनिया को हरियाली से भरपूर रखना है, इसे हमारे स्वास्थ्य के अनुकूल बनाए रखना है और अगर हम इंसान की जरूरतों के लिए संवेदनशील हैं तो कारों का इस्तेमाल सोच-समझकर करना होगा।

जागरूकता है जरूरीः विश्व कार मुक्त दिवस एक ऐसा दिन होता है, जब लोग कारों का इस्तेमाल छोड़कर वैकल्पिक परिवहन साधनों जैसे साइकिल, सार्वजनिक परिवहन या पैदल चलने को प्रेरित होते हैं। इसकी तह में कार निर्भरता के खामियाजे को समझना है। हमें इस बात के लिए जागरूक रहना चाहिए कि आज दुनिया जिस प्रदूषण की समस्या से ग्रस्त हो रही है, उसकी तह में कारों का अंधाधुंध उपयोग भी है। क्योंकि कारें वायु प्रदूषण और ग्रीन हाउस गैसों की बड़ी स्रोत हैं। एक दिन भी कार न चलाने से शहर की हवा में असर पड़ता है। सिर्फ प्रदूषण की बात नहीं है। आज देश का चाहे कोई बड़ा शहर हो या छोटा, हर शहर ट्रैफिक की भीड़ से चरमरा रहा है और इस भीड़ का सबसे बड़ा हिस्सा कारें हैं।

ऐसे हुई इस दिन की शुरुआतः कार से होने वाले इन्हीं सब नुकसानों के बारे में सोचकर ही शायद वर्ष 1970 में पहली बार यूरोप के कुछ शहरों में 'कार फ्री डे' की अवधारणा को जन्म दिया। हालांकि तब ऐसा कोई दिन निश्चित नहीं हुआ, मगर दुनिया के कई शहरों में खासकर यूरोप के कोपेनहेगन जैसे शहर में 'कार फ्री डे' की खूब वकालत की गई है। इसके बाद औपचारिक रूप से 22 सितंबर सन 2000 से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार मुक्त दिवस मनाए जाने की शुरुआत हुई। इस पहल को यूरोपीय संघ और यहां के विभिन्न पर्यावरण संगठनों ने विशेष तौर पर प्रोत्साहित किया। कार मुक्त दिवस सिर्फ एक दिन की गतिविधि नहीं है बल्कि यह इंसान को एक दिन के जरिए अपनी धरती, कुदरत और भविष्य की पीढ़ियों के प्रति संवेदनशील बनाने का जरिया है।

उद्देश्य है सकारात्मक सोच का प्रसारः कारें हमारे पर्यावरण, स्वास्थ्य और शहरी जीवन को विशेष रूप से नकारात्मक बनाती हैं। इनकी वजह से ही हम स्वस्थ जीवनशैली नहीं जी पाते, क्योंकि कारों के अधिकाधिक उपयोग के कारण पैदल चलने और साइकिल चलाने जैसी गतिविधियां सिमट कर रह गईं हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि हर कोई शहरी जीवन की परेशानियों से, प्रदूषण से, भीड़भाड़ से, ट्रैफिक से दो-चार होता है, लेकिन कोई यह डिसीजन नहीं ले पाता कि वह इस सबसे मुक्ति पाने के लिए क्या करे? इस एक दिन ही सही कार छोड़कर सार्वजनिक वाहन में चलने, साइकिलों से चलने या पैदल चलकर पहुंचने के पीछे एक स्वस्थ और सकारात्मक संदेश छिपा है कि कार छोड़ने पर हम स्वस्थ और संवेदनशील इंसान केंद्रित दुनिया में लौट सकते हैं। वास्तव में विश्व कार मुक्त दिवस का असली मकसद, यही सोच पैदा करना है। भारत जैसे देश में जहां मेट्रो, बस, रैपिडो ट्रांजिट और साइकिलिंग इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ रहा है। यह दिन लोगों को विकल्प चुनने के लिए स्वस्थ संदेश देता है। अगर इस दिन की संवेदनशीलता पर लोग गहराई से सोचें तो यह एक दिन भी प्रदूषण से चरमरा रही दुनिया को काफी राहत दे सकता है।

कई तरह के होते हैं दुष्प्रभावः आज स्थिति यह है कि शहरों में इंसानों से कई गुना ज्यादा जगह कारें घेरती हैं। बच्चों, बुजुर्गों और पैदल चलने वालों को सड़कें सबसे ज्यादा कारों के चलते असुरक्षित बनाती हैं। हर साल 5 लाख से ज्यादा बच्चे, बुजुर्ग और पैदल चलने वाले किसी भी उम्र के लोग कारों से कुचलकर या तो मौत का शिकार होते हैं या हमेशा हमेशा के लिए अपाहिज हो जाते हैं। एक बहुत बड़ी ऐसी तादाद है, जो इन दुर्घटनाओं के चलते लंबे समय तक बिस्तर पर रहे थे। इस समय दुनिया का सबसे बड़ा संकट जलवायु संकट है और इस जलवायु संकट के केंद्र में जीवाश्म इंधनों से पैदा होने वाला वायु प्रदूषण है, जिसमें सबसे बड़ी भूमिका कारों की है। देश का कोई भी ऐसा शहर नहीं है, जो प्रदूषण मानकों पर आदर्श स्थिति का द्योतक हो। कारण है, हमने सिर्फ धरती और वातावरण को ही अस्वस्थ नहीं किया बल्कि आज जो इंसानों को 80 फीसदी से ज्यादा लाइफस्टाइल डिजीज हैं, उनकी भी तह में यही हमारा कार मोह है। मोटापा, हृदय रोग, एक्सरसाइज न करना, ये सब कारों के अंधाधुंध इस्तेमाल के साइड इफेक्ट हैं।

होना होगा जागरूकः प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन कम करके ही हम पृथ्वी को भविष्य की पीढ़ियों के रहने के अनुकूल बना सकते हैं। लेकिन जब तक हम सबमें कारों के प्रति इस कदर आकर्षण है, तब तक ऐसे सपने सचमुच में दिवास्वप्न ही हैं। कारों के उपयोग को कम किए बिना भविष्य की पीढ़ियों को हम प्रदूषण मुक्त वातावरण नहीं दे सकते। इसलिए हर इंसान की यह जिम्मेदारी होनी चाहिए कि समाज को कारों की भीड़ से बचाया जाए। कुल मिलाकर, विश्व कार मुक्त दिवस एक सांकेतिक प्रतीक है, यह समझाने के लिए कि अगर हमें दुनिया को हेल्दी, ग्रीन और इंसानों के जीवन को खूबसूरत बनाना है तो कार के उपयोग से पहले सोचना होगा। *

बॉलीवुड ट्रेंड
अशोक जोशी

देवी-देवताओं से लेकर धार्मिक और पौराणिक कथाओं पर तो शुरू से ही हिंदी फिल्में बनती ही रही हैं। इनके साथ ही नवरात्र जैसे कुछ विशेष पर्वों के आयोजन को भी फिल्मी पर्दे पर बहुत भव्यता से प्रस्तुत किया जाता रहा है। यहां बात करते हैं कुछ ऐसी फिल्मों की, जिनमें नवरात्र के उत्सवी रंग खूब सजे।

बड़े पर्दे पर खूब दिखे हैं
नवरात्र के उत्सवी रंग

'देवदास' के गीत 'डोला रे' खूब लोकप्रिय हुआ

'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में दिखे दुर्गा पूजा के रंग

कल से नवरात्र आरंभ हो रहे हैं। इस दौरान भक्तगण देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा-अर्चना करते हैं। 2 अक्टूबर को दशहरे के साथ इस महोत्सव का समापन होगा। व्रत और पूजा के साथ-साथ गरबा और डांडिया जैसे खास आयोजनों के लिए भी यह पर्व विशेष रूप से लोकप्रिय है। बॉलीवुड फिल्मों में भी नवरात्र के भक्तिपूर्ण और उत्सवधर्मी माहौल को खूबसूरती से प्रस्तुत किया जाता रहा है।

नया नहीं है नवरात्र से जुड़ावः हिंदी फिल्मों में नवरात्र का फिल्मांकन कथानक के सांस्कृतिक और धार्मिक संदर्भ को दर्शाने, भावनात्मक गहराई जोड़ने और भक्तिमय कहानियों को कहने के लिए किया जाता है। नवरात्र और दुर्गा पूजा से संबंधित दृश्य कई बार पात्रों के संघर्ष और भावनात्मक यात्राओं को भी दर्शाते हैं। मां दुर्गा के चमत्कारों पर आधारित कई फिल्में बॉलीवुड में बनीं और सफल भी हुईं। पूर्ण रूप से भक्ति पर आधारित फिल्मों के अलावा भी फिल्मों में दुर्गा पूजा के दृश्य या मां दुर्गा को समर्पित गाने, गरबा-डांडिया एवं पूजा से संबंधित अन्य आयोजनों का प्रदर्शन किया जाता रहा है। कई बार तो ये दृश्य या गीत फिल्म की सफलता में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आज भी सुना जाता है 'सुहाग' का गीत 'नाम रे..'

सुपरहिट हुआ 'सुहाग' का डांडिया गीतः मनमोहन देसाई निर्देशित 1979 में आई फिल्म 'सुहाग' में नवरात्र का सुंदर फिल्मांकन किया गया है। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन और रेखा पर फिल्माया गया गीत 'नाम रे सबसे बड़ा तेरा नाम..ओ शेरों वाली' सिनेमाहॉल में मां दुर्गा की भक्ति के साथ डांडिया-गरबे का भव्य और संगीतमय वातावरण निर्मित करता है। दर्शक इस पर झूम उठते हैं। आज भी नवरात्र, दुर्गा पूजा, डांडिया, गरबा जैसे विशेष अवसरों पर 'सुहाग' का यह सुपरहिट गीत बजाया जाता है।

भंसाली की फिल्मों में नवरात्र, गरबा-डांडियाः नवरात्र, गरबा या डांडिया के दृश्यों और गीतों को संजय लीला भंसाली ने अपनी फिल्मों में बेहद खूबसूरती के साथ पेश किया है। सलमान खान और ऐश्वर्या राय की साल 1999 की रोमांटिक फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में गरबा दृश्य और नवरात्र का बेहतरीन फिल्मांकन किया गया है। यह फिल्म गुजराती पृष्ठभूमि पर आधारित है। गुजरात में नवरात्र का उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। फिल्म के गीत 'ढोली तारो ढोल बाजे' से तो भंसाली ने पर्दे पर गुजरात के नवरात्र पर्व को जैसे सजीव कर दिया है।

साल 2002 में आई संजय लीला भंसाली की ही फिल्म 'देवदास' में दुर्गा पूजा को शानदार तरीके से दिखाया गया है। शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास पर आधारित इस फिल्म में ऐश्वर्या राय और माधुरी दीक्षित ने 'डोला रे डोला' गाने पर डांस कर सबका दिल जीता था। फिल्म में मां दुर्गा का भव्य पंडाल दर्शनीय है।

ऐसे ही साल 2013 में आई संजय लीला भंसाली की फिल्म 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' में भी नवरात्र के उत्सव को बहुत ही सुंदर ढंग से पेश किया गया है। लीला का किरदार निभाने वाली दीपिका ने 'नगाड़ा संग ढोल' गाने पर बेहतरीन नृत्य किया है।

'परिणीता' और 'कहानी' में दुर्गा पूजाः प्रदीप सरकार की 2005 में आई फिल्म 'परिणीता' की कहानी शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास पर आधारित है। फिल्म में विद्या के साथ सैफ अली खान और संजय दत्त अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म में कोलकाता में दुर्गा पूजा के दौरान निभाई जाने वाली रस्में पर्दे पर भव्य तरीके से दर्शाई गई हैं।

2012 में आई सुजॉय घोष की फिल्म 'कहानी' में भी विद्या बालन मुख्य भूमिका में थीं। फिल्म की कहानी कोलकाता की पृष्ठभूमि पर आधारित है। कोलकाता में परंपरागत ढंग और धूमधाम से मनाई जाने वाली दुर्गा पूजा को फिल्म में बेहतरीन ढंग से पेश किया गया है। *

हालिया रिलीज फिल्मों में नवरात्र

बीते एक दशक में रिलीज हिंदी फिल्मों की बात करें तो आयुष शर्मा की डेब्यू फिल्म (2018) 'लवयात्री' का गाना 'चोगाड़ा' रिलीज के बाद से ही मानो उस साल नवरात्र का गरबा एंथम बन गया था। देश के हर दुर्गा पंडाल में इस गाने की तेज धुन पर लोगों को थिरकते हुए देखा गया था। यह गाना अब भी नवरात्र के दौरान गरबा फंक्शन में बजाया जाता है। 2023 में रिलीज फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' में कहानी उस जोड़ी (कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी) के इर्द-गिर्द घूमती है जो नवरात्र में गरबा के दौरान मिले थे।

'लवयात्री' का गीत 'चोगाड़ा' खूब किया गया पसंद

साल 2023 में ही रिलीज हुई करण जौहर की फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में आलिया भट्ट और रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में दुर्गा पूजा से संबंधित एक महत्वपूर्ण दृश्य है, जिसमें मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर रणवीर सिंह कथक करते हुए नजर आते हैं। बाद में वे 'ढिंढोरा' गाने पर भी थिरकते हैं।

पीएम की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल की टिप्पणी

विकसित भारत की राह में सबसे बड़ी बाधा न्यायिक व्यवस्था

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी) के सदस्य संजीव सान्याल ने शनिवार को कहा कि भारत की न्यायिक प्रणाली यानी ज्यूडिशियल सिस्टम, देश की विकसित अर्थव्यवस्था बनने की महत्वाकांक्षा में सबसे बड़ी बाधा है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, संजीव सान्याल ने ये बातें दिल्ली में भारतीय महाधिवक्ता के सम्मेलन में कहीं। इस सम्मेलन का विषय '2047 में विकसित भारत के लिए भारत के कानूनी आधार की पुनर्कल्पना' था। इस कार्यक्रम में कई मंत्रियों, न्यायाधीशों, नीति निर्माताओं और उद्योग जगत से जुड़े लोगों ने भविष्य में भारत के कानूनी खाके को आकार देने संबंधी एक दिवसीय चर्चा में हिस्सा लिया, जिसमें सान्याल ने सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश मनमोहन और जस्टिस पंकज मित्तल की उपस्थिति में न्यायिक प्रणाली को लेकर टिप्पणियां कीं। सान्याल ने तर्क दिया कि अनुबंधों को समय पर लागू करने या न्याय देने में असमर्थता अब इतनी गंभीर बाधा बन गई है कि भौतिक बुनियादी ढांचे या शहरी विकास में कोई भी निवेश इस बाधा की भरपाई नहीं कर सकता।

सम्मेलन का विषय '2047 में विकसित भारत के लिए देश के कानूनी आधार की पुनर्कल्पना'

अदालतों में लंबी छुट्टियों की प्रथा की भी आलोचना

सान्याल ने कहा कि न्यायपालिका भी राज्य के किसी भी अन्य हिस्से की तरह एक सार्वजनिक सेवा है। क्या आप पुलिस विभाग या अस्पतालों को महीनों तक बंद रखते हैं क्योंकि अधिकारी गर्मी की छुट्टियां चाहते हैं? कानूनी बिरादरी से 'अपनी कमर कसने' और सुधारों को अपनाने का आग्रह किया। हमारे पास इसे बनाने के लिए लगभग 20-25 साल हैं। हमारे पास बर्बाद करने के लिए समय नहीं है। आप भी उतने ही नागरिक हैं जितना मैं हूं। प्यारे साथी नागरिकों, वह क्षण आ गया है, हम वो पीढ़ी हैं जिसका हमें इंतजार था। कोई और ऐसा नहीं करने वाला। आपके और मेरे बीच की बात है। हम एक नाव पर सवार हैं।

इन पर भी कसा तंज

- देश के अधिकांश नियम और विनियम एक छोटे से हिस्से द्वारा दुरुपयोग को रोकने के लिए बनाए गए हैं, कानूनी प्रणाली पर इन अपवादों को शीघ्रता से हल करने का भरोसा नहीं किया जाता है।
- सान्याल ने मुकदमे-पूर्व मध्यस्थता को एक ऐसा तरीका बताया, जहां सही नीयत से किया गया सुधार उल्टा पड़ गया।
- मुकदमे-पूर्व मध्यस्थता के 98 से 99% मामले विफल हो जाते हैं और मामलों के उन्हीं अदालतों में वापस लौटने में महीनों की देरी और बढ़ी हुई लागत ही जुड़ती है।
- मध्यस्थता अधिनियम, 2023 से इसी तरह का एक खंड हटाने से पहले उन्हें और अन्य लोगों को हस्तक्षेप करना पड़ा था। भारत की कानूनी व्यवस्था में वकालत का ढांचा मध्ययुगीन काल का है।

असम में गायक जुबिन गर्ग को श्रद्धासुमन अर्पित करते बच्चे

गुवाहाटी (भाषा)। जुबिन गर्ग की शुक्रवार को सिंगापुर में "बिना लाइफ जैकेट के समुद्र में तैरते समय" मौत हो गई थी। जुबिन को श्रद्धांजिल अर्पित करते स्कूली बच्चे। गायक के निवास पर बड़ी संख्या में लोग शोक जताने पहुंच रहे हैं। लोगों में शोक की लहर है।

खबर संक्षेप

कल अमेरिका में ट्रेड डील के लिए रवाना होंगे गोयल

नई दिल्ली(एजेंसी)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल 22 सितंबर को ट्रेड डील पर आगे की बातचीत के लिए अमेरिका जाएगा। वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल की इस यात्रा का मकसद दोनों देशों के बीच पारस्परिक रूप से ट्रेड डील पर चर्चा को आगे बढ़ाना है। मंत्रालय में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल भी होंगे।

यूरोप में साइबर हमले दिल्ली एयरपोर्ट पर अलर्ट

नई दिल्ली(एजेंसी)। यूरोप के प्रमुख हवाई अड्डों पर साइबर हमले से भारी उथल-पुथल मची है जिसका असर भारत समेत कई देशों के यात्रियों पर पड़ा है। लंदन ब्रुसेल्स और बर्लिन जैसे व्यस्त हवाई अड्डों पर चेक-इन सिस्टम प्रभावित हुआ है जिससे उड़ानें रद्द हो रही हैं। साइबर हमला कोलिन्स एयरोस्पेस कंपनी के सॉफ्टवेयर पर हुआ है। दिल्ली एयरपोर्ट ने यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है।

मप्र के 10 टाइगर भेजे जाएंगे ओडिशा

भोपाल। मप्र ने उड़ीसा, राजस्थान और छत्तीसगढ़ टाइगर भेजने की तैयारी तेज कर दी है। इन राज्यों के अधिकारियों को टाइगरों की सुरक्षा व प्रबंधन का प्रशिक्षण देने के लिए पत्र लिखा है। बांधवगढ़, पेंच और कान्हा टाइगर रिजर्व से करीब 10 टाइगरों का चयन कर छत्तीसगढ़, राजस्थान व ओडिशा भेजा जाएगा।

संगीत विद्वान पुरस्कार से वेंकटेश होंगे सम्मानित

बेंगलुरु (भाषा)। प्रसिद्ध हिंदुस्तानी गायक पंडित एम वेंकटेश कुमार को इस वर्ष के राज्य संगीत विद्वान पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। कर्नाटक के कन्नड़ एवं संस्कृति तथा पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री शिवराज तंगदागी ने शनिवार को इसकी घोषणा की। कन्नड़ और संस्कृति विभाग द्वारा 'नाडा हब्बा दशहरा' समारोह के दौरान पुरस्कार 22 को मैसूर पैलेस में प्रदान किया जाएगा।

वैष्णो देवी मंदिर में सुरक्षा उपायों की समीक्षा की

जम्मू (भाषा)। नवरात्र से पहले जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शनिवार को रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। रियासी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक परमवीर सिंह ने कटरा में सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इसमें सेना, सीआरपीएफ और खुफिया एजेंसियों के अधिकारी शामिल हुए।

बयान बाजी : एच-1बी वीजा को लेकर सियासी घमासान, राहुल-खरगे और अखिलेश का तंज

मोदी-मोदी के नारे लगवाना यह विदेश नीति नहीं: खरगे

आरोप-प्रत्यारोपों का दौर तेज केंद्र सरकार पर साधा निशाना

कांग्रेस ने अमेरिका द्वारा एच-1बी वीजा पर लगाए गए भारी शुल्क पर मोदी की भी कड़ी आलोचना की है। पीएम पर भारत-अमेरिका संबंधों पर हमला बोला।

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एच-1बी वीज़ा की सालाना फीस बढ़ाने के ऐलान के बाद देश में सियासी घमासान मच गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अमेरिका द्वारा एच-1बी वीजा पर एक लाख डॉलर का शुल्क लगाए जाने के बाद शनिवार को प्रधानमंत्री मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ''गले लगना और मोदी-मोदी के नारे लगवाना' विदेश नीति नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि विदेश नीति में राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखना चाहिए तथा किसी से मित्रता को विवेक एवं संतुलन के साथ आगे बढ़ाना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 'कुछ गैर आप्रवासी कामगारों के प्रवेश पर रोक' संबंधी सरकारी आदेश पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए। इस फैसले के तहत उन कामगारों के अमेरिका में प्रवेश पर रोक लगाई जाएगी। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''नरेन्द्र मोदी जी, आपके जन्मदिन पर फोन कॉल के बाद आपको जो जवाबी तोहफा मिला है उससे भारतीय नागरिकों को दुख होता है। यह आपकी 'अबकी बार, ट्रंप सरकार' की ओर से जन्मदिन का जवाबी तोहफा है।' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''50 प्रतिशत 'टैरिफ' पहले ही लगाया जा चुका है, अकेले 10 क्षेत्रों में भारत को 2.17 लाख करोड़ रुपये

- प्रधानमंत्री को उनके जन्मदिन पर मिले रिटर्न गिफ्ट ने भारतीयों को निराश किया
- भारतीय राष्ट्रीय हित हमेशा सर्वोपरि होने चाहिए सरकार की विदेश नीति को केवल दिखावटी प्रदर्शन

भारत के पास एक 'कमजोर प्रधानमंत्री' : राहुल

- जुलाई, 2017 में ट्विटर पर किए गए पोस्ट को साझा करते हुए पीएम को निशाने पर लिया

नई दिल्ली (भाषा)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका द्वारा एच-1बी वीजा पर एक लाख डॉलर (88 लाख रुपये) का शुल्क लगाए जाने के बाद शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और दावा किया कि भारत के पास एक ''कमजोर प्रधानमंत्री'' हैं। उन्होंने जुलाई, 2017 में 'एक्स' (उस समय के ट्विटर) पर किए गए अपने एक पोस्ट को साझा करते हुए प्रधानमंत्री को निशाने पर लिया। उस पोस्ट में भी कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी पर ''कमजोर प्रधानमंत्री'' होने का आरोप लगाया था। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने शनिवार को दावा किया, ''मैं इस बात को दोहराता हूं, भारत के पास एक कमजोर प्रधानमंत्री है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'कुछ गैर आप्रवासी कामगारों के प्रवेश पर रोक' संबंधी सरकारी आदेश पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए। इस फैसले के तहत उन कामगारों के अमेरिका में प्रवेश पर रोक लगाई जाएगी।

भारत की विदेश नीति और आर्थिक नीतियां 'विफल': सपा

लखनऊ (भाषा)। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने अमेरिका द्वारा एच1-बी वीजा शुल्क बढ़ाए जाने के मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि भारत की विदेश नीति और आर्थिक नीतियां ''विफल'' हो गई हैं। लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में अखिलेश यादव ने संवाददाताओं से कहा, ''आपकी (केंद्र सरकार की) विदेश नीति विदेश में विफल रही है। आर्थिक नीतियां विफल रही हैं। आप रिश्ते बनाने में असफल रहे हैं।'' मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए यादव ने कहा कि अब आपको उत्तर प्रदेश सरकार से पूछना चाहिए कि लोगों को एच1-बी वीजा क्यों नहीं मिल रहा है, और आप इसका समाधान कैसे करेंगे?'' योगी आदित्यनाथ की तरफ इशारा करते हुए उन्होंने कहा, याद कीजिए, वह (योगी आदित्यनाथ) नहीं चाहते कि कोई विदेश जाए, न पढ़ाई के लिए और न ही काम के लिए, बल्कि केवल बंदूक चलाने के लिए जाएं(लोग) रूस जा सकते हैं, वहां की सेना में भर्ती हो सकते हैं, इजराइल जा सकते हैं और उसकी सेना के साथ लड़ सकते हैं।

भारतीय पेशेवरों पर प्रतिकूल असर

एच1-बी वीजा धारकों को अच्छी नौकरियों के लिए नहीं जाना चाहिए।'' सपा प्रमुख ने यह भी कहा कि भाजपा के सत्ता से बाहर होने पर ही एच1-बी वीजा धारकों को कुछ राहत मिलेगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत एच1बी वीजा शुल्क को सालाना 100,000 अमेरिकी डॉलर तक बढ़ा दिया जाएगा। ट्रंप के इस कदम से अमेरिका में काम करने वाले भारतीय पेशेवरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

प्रधानमंत्री मोदी के रोड शो में उमड़ा जन सैलाब

पीएम ने धोलेरा निवेश क्षेत्र का किया सर्वे

राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर की प्रगति देखी

एजेंसी ▸▸ धोलेरा

पीएम मोदी ने ग्रीनफील्ड औद्योगिक केंद्र धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र का हवाई सर्वे किया। पीएम मोदी ने लोथल में निर्माणाधीन राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर की प्रगति की समीक्षा की। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी वीडियो में पीएम मोदी को एनएमएचसी की प्रगति की समीक्षा करते हुए दिखाया गया।

इसका विकास 4,500 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि एनएमएचसी का विकास देश की समृद्ध समुद्री विरासत को प्रदर्शित करने के लिए किया जा रहा है। पीएमओ ने मोदी के हवाई सर्वे का वीडियो फुटेज जारी किया। धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र अहमदाबाद से लगभग 100 किलोमीटर दक्षिण में और राजधानी गांधीनगर से 134 किलोमीटर दूर है। डीएसआईआर राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम द्वारा पश्चिमी समर्पित मालवाहक गलियारे के प्रभाव क्षेत्र में औद्योगिक क्लस्टरों और नोड्स का एक रैखिक क्षेत्र बनाने के महत्वाकांक्षी कदम का हिस्सा है।

बांसवाड़ा में परमाणु ऊर्जा परियोजना की आधारशिला रखेंगे

नई दिल्ली (भाषा)। पीएम मोदी बृहस्पतिवार को राजस्थान में माही-बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा परियोजना की आधारशिला रखेंगे। इसके साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में कदम रखेगी। माही-बांसवाड़ा राजस्थान परमाणु ऊर्जा परियोजना (एमबीआरएपीपी) के तहत 700 मेगावाट क्षमता वाले चार स्वदेशी दाबित भारी जल रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) बनाए जा रहे हैं। इनका विकास अणुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड (अश्विनी) कर रही है।

काउंटर-इंटेलिजेंस प्रकोष्ठ की कार्रवाई

जम्मू-कश्मीर में आठ जगहों पर छापा, सात हिरासत में

भाषा ▸▸ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर पुलिस के 'काउंटर-इंटेलिजेंस' प्रकोष्ठ ने शनिवार को आतंकवाद से जुड़े एक मामले में घाटी में कई जगहों पर छापेमारी के दौरान सात संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि 'काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर' (सीआईके) ने आठ जगहों पर छापेमारी की। दर्ज प्राथमिकी के संबंध में श्रीनगर, बारामूला, अनंतनाग, पुलवामा, कुपवाड़ा और शोपियां में आठ जगहों पर छापेमार कार्रवाई की गई।

डिजिटल साक्ष्य जब्त

अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के लिए सात संदिग्धों को हिरासत में लिया गया और जांच से जुड़े डिजिटल साक्ष्य जब्त किए गए। डिजिटल सबूतों से साजिश के गहरे सुराग मिलने की उम्मीद है और आगे भी गिरफ्तारियों की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि साजिश के तारों का पता लगाने, अन्य संदिग्धों की पहचान करने और सीमा पार आकाओं के साथ संबंधों को उजागर करने के लिए जांच जारी है।

किसानों के लिए खुशखबरी

मूंग, काला मूंग समेत 5 प्रमुख फसलों को खरीदेगी केंद्र सरकार

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

सरकार कर्नाटक से मूंग, काला मूंग, सूरजमुखी, मूंगफली और सोयाबीन की खरीद करेगी। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि इससे राज्य के किसानों को काफी लाभ होगा। जोशी ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से अनुरोध किया है कि वे राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित योजना के तहत 2025-26 खरीफ सीजन के दौरान कर्नाटक में उगाई गई इन फसलों की खरीद को मंजूरी दें।

कृषि मंत्री चौहान ने दी मंजूरी

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जोशी को पत्र लिखकर जानकारी दी। कर्नाटक सरकार ने खरीफ 2025-26 सीजन में इन फसलों की खरीद के लिए प्रस्ताव भेजा था। 38,000 मीट्रिक टन हरे चना, 60,180 मीट्रिक टन उड़द, 15,650 मीट्रिक टन सूरजमुखी, 61,148 मीट्रिक टन मूंगफली और 1,15,000 मीट्रिक टन सोयाबीन की खरीद को स्वीकृति दी है।

राष्ट्रपति पहुंचीं गयाजी

पुरखों की आत्मशांति के लिए किया पिंडदान

गयाजी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शनिवार को देश और दुनिया में मोक्ष स्थली के रूप में चर्चित बिहार के गयाजी पहुंचीं। उन्होंने अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति और मोक्ष प्राप्ति की कामना के साथ पिंडदान किया। सड़क मार्ग से विष्णुपद मंदिर पहुंची। गयापाल पुरोहित राजेश लाल कटरियाल ने वैदिक क्रियाओं के साथ कर्मकांड कराया। उन्होंने पूरे विधि विधान के साथ पिंडदान किया।

गरबा में 'केवल हिंदू' वाले विहिप के परामर्श पर रार

भाजपा ने बताया इसे आयोजकों का अधिकार, पर कांग्रेस बिफरी

राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीराज की सलाह

एजेंसी ▸▸ मुंबई

महाराष्ट्र में विश्व हिंदू परिषद के गरबा कार्यक्रम में केवल हिंदू वाले परामर्श को लेकर रार छिड़ गई है। विहिप ने नवरात्र गरबा के आयोजकों को सलाह जारी की है। इसमें कहा गया है कि गरबा कार्यक्रमों में केवल हिंदुओं को ही प्रवेश दिया जाए। प्रवेश करने वालों के आधार कार्ड की जांच करें। विहिप की इस सलाह का भाजपा ने समर्थन किया है, जबकि कांग्रेस ने बिफरी है।

- महाराष्ट्र में किया जा रहा आयोजन

यह देवी को प्रसन्न करने की पूजा: नायर

विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीराज नायर ने कहा कि गरबा महज एक नृत्य नहीं है। बल्कि देवी को प्रसन्न करने की पूजा का एक रूप है। मुसलमानों की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि वे लोग मूर्ति पूजा में विश्वास नहीं रखते। केवल उन्हीं लोगों को इसमें भाग लेने की अनुमति दी जानी चाहिए, जो इन अनुष्ठानों में आस्था रखते हैं।

आधार की जांच की जाएगी

विहिप ने गरबा आयोजकों को परामर्श जारी कर प्रवेश द्वार पर आधार कार्ड की जांच करने, प्रतिभागियों को तिलक लगाने और प्रवेश से पहले पूजा करने को कहा है। नायर ने कहा कि विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ता आयोजनों पर नजर रखेंगे। गरबा पूजा का एक रूप है, मनोरंजन नहीं। जिन लोगों की देवी में आस्था नहीं है, वे इसका हिस्सा न बनें।

एयरबस भारत के इनोवेशन सिस्टम को बनाएगी मजबूत

गति शक्ति विवि में आरएंडडी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस होगा स्थापित

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

एयरोस्पेस कंपनी एयरबस ने घोषणा की है कंपनी भारत के इनोवेशन सिस्टम को मजबूत बनाने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत गुजरात में गति शक्ति विश्वविद्यालय में एक रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस सेट अप करेगी। एयरबस के प्रबंध निदेशक जुर्गन वेस्टरमेयर ने केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात के बाद इस योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा कि कंपनी हर साल 100 से अधिक भारतीय सप्लायर से 1 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के कंपोनेंट खरीदती है।

एयरबस के प्रबंध निदेशक सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री वैष्णव से मिले

गुजरात में विकास की प्रतिबद्धता दोहराई

वैष्णव ने जताई खुशी- भारतीय सप्लायर होंगे मालामाल

वैष्णव ने कहा कि एयरबस इंडिया के एमडी जुर्गन वेस्टरमेयर से यह जानकर खुशी हुई कि एयरबस 1 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के कंपोनेंट खरीदती है और इसके 100 से अधिक भारतीय सप्लायर हैं। मजबूत डिजाइन क्षमता के साथ, यह जल्द ही गति शक्ति विश्वविद्यालय में एक आरएंडडी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करेगी।

बेंगलुरु में एक डिजिटल सेंटर बनाया

कंपनी ने बेंगलुरु में एक डिजिटल सेंटर स्थापित किया है, जिसे वह डिजिटल परिवर्तन की रीढ़ की हड्डी कहती है। फ्रांस के टूलूज में मुख्यालय के बाद एयरबस का बेंगलुरु हब उसकी दूसरी सबसे बड़ी डिजिटल सुविधा है। कंपनी ने 2018 में दुनिया भर के सभी डिवीजनों को सपोर्ट करने के लिए एक ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर जीसीसी स्थापित कर भारत में अपनी डिजिटल क्षमताओं का विस्तार किया।

दिसंबर 2027 में शुरू होगा बुलेट ट्रेन का पहला चरण

मुंबई (भाषा) एजेंसी:मुंबई

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए शिलफाटा और घनसोली के बीच 4.88 किलोमीटर लंबी सुरंग की खुदाई का कार्य रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में शनिवार सुबह पूरा हो गया। वैष्णव ने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि सूरत-बिलिमोरा खंड पर हाई-स्पीड कॉरिडोर का पहला चरण दिसंबर 2027 में शुरू हो जाएगा। मंत्री ने कहा कि बुलेट ट्रेन मध्यम वर्ग के लिए परिवहन का साधन होगी और किराया उचित होगा। इस प्रोजेक्ट में लगभग 320 किलोमीटर के पुल या पुल का हिस्सा पूरा हो चुका है। सारे स्टेशन पर बहुत अच्छा काम चल रहा है। नदियों पर बन रहे पुल भी तेजी से पूरे हो रहे हैं।

पाकिस्तान और सऊदी अरब में सुरक्षा समझौते में कहा गया कि दोनों में से किसी भी एक मुल्क पर कोई हमला होता है तो इसे दोनों मुल्कों के खिलाफ अंजाम आक्रमण समझा जाएगा। तत्कालीन नजरिए से देखें तो ऐसा प्रतीत नहीं हो रहा है कि पाक-सऊदी डिफेंस एग्रीमेंट भारत के लिए बहुत बड़ा सैन्य और कूटनीतिक झटका है। हां, ये जरूरी है कि इस समझौते से पाकिस्तान को सऊदी से वित्तीय और तेल सहायता मिल सकती है, जो युद्ध की स्थिति में पाकिस्तान की शक्ति बढ़ाएगी। ऐसे में भारत को इसे गंभीरता से लेना होगा और बदलती भू-सामरिक स्थिति को साधने के लिए अपनी सैन्य क्षमता और ज्यादा बढ़ानी होगी। अगर दीर्घकालीन दृष्टि से देखा, समझा और परखा जाए तो पाक-सऊदी सुरक्षा करार निश्चित तौर पर भारत के लिए खतरनाक संकेत भी है। हालांकि, सऊदी अधिकारी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत के साथ उनके रिश्ते मज़बूत बने रहेंगे और वे क्षेत्रीय शांति के लिए योगदान देते रहेंगे। फिर भी यदि यह समझौता क्षेत्रीय एकता को बढ़ावा देता है तो यह सभी के लिए लाभदायक होगा, लेकिन यदि यह टकराव को बढ़ावा देता है तो परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं। पाक-सऊदी सुरक्षा समझौते का विश्लेषण करता *आजकल* का खास अंक...

पाक-सऊदी सुरक्षा करार के मायने

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

> **डिफेंस एग्रीमेंट के तहत पाकिस्तान और सऊदी अरब में करार अंजाम दिया गया है कि दोनों में से किसी भी एक मुल्क पर अंजाम दिए गए सैन्य आक्रमण को दोनों मुल्कों के खिलाफ अंजाम दिया गया आक्रमण समझा जाएगा। उल्लेखनीय है कि सऊदी अरब विगत अनेक वर्षों से भारत का शीर्ष आर्थिक और रणनीतिक साझीदार है। यक्ष प्रश्न है कि यदि दशकों पुरानी अपनी नृशंस जेहादी फितरत के वशीभूत होकर पाकिस्तान भारत के विरुद्ध आतंकवाद जारी रखेगा तो सऊदी अरब क्या पाकिस्तान के साथ भारत के विरुद्ध मैदान-ए-जंग में उतर जाएगा?**

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और पाकिस्तान के प्राइम मिनिस्टर द्वारा 17 सितंबर को एक स्ट्रैटेजिक म्युचुअल डिफेंस एग्रीमेंट पर दस्तखत कर दिए गए हैं। डिफेंस एग्रीमेंट के तहत पाकिस्तान और सऊदी अरब में करार अंजाम दिया गया है कि दोनों में से किसी भी एक मुल्क पर अंजाम दिए गए सैन्य आक्रमण को दोनों मुल्कों के खिलाफ अंजाम दिया गया आक्रमण समझा जाएगा। तत्कालीन नजरिए से दृष्टिपात करें तो ऐसा नहीं प्रतीत हो रहा है कि पाक-सऊदी डिफेंस एग्रीमेंट भारत के लिए बहुत बड़ा सैन्य और कूटनीतिक झटका है। अगर दीर्घकालीन दृष्टि से देखा, समझा और परखा जाए तो पाक-सऊदी सुरक्षा करार निश्चित तौर पर भारत के लिए खतरनाक संकेत प्रस्तुत कर रहा है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत विरोधी आचरण अख्तियार करने के तत्पश्चात और ट्रंप द्वारा भारत के मुकाबले में पाकिस्तान को कहीं अधिक महत्व प्रदान करने के कारणवश, पाकिस्तान वस्तुतः अचानक पश्चिम एशिया में अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रासंगिक मुल्क बन गया है। खाड़ी मुल्क अपनी सुरक्षा की खातिर अब पाकिस्तान, तुर्कीए और चीन की तरफ झुकते हुए प्रतीत हो रहे हैं। अभी तक अमेरिका की सुरक्षा पनाह में कायम बने रहे खाड़ी मुल्कों के लिए ये तीनों ही देश अत्यंत महत्वपूर्ण हो गए हैं। हालांकि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी चीन और तुर्कीए तो पूरी तरह पाकिस्तानी पक्ष के साथ सन्नद खड़े रहे थे। अब लगता है कि पाकिस्तान के कट्टर समर्थकों की कतार में अमेरिका का अंध अनुसरण करते हुए सऊदी अरब भी बाकायदा शामिल हो गया है।

रणनीतिक साझीदार मुल्क

भारत के लिए चिंताजनक बात यह है कि पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ डिफेंस एग्रीमेंट किया है। उल्लेखनीय है कि सऊदी अरब विगत अनेक वर्षों से भारत का शीर्ष आर्थिक और रणनीतिक साझीदार मुल्क रहा है। यक्ष प्रश्न है कि यदि मुस्तकबिल में दशकों पुरानी अपनी नृशंस जेहादी फितरत के वशीभूत होकर पाकिस्तान यकीनन भारत के विरुद्ध अपनी आतंकवादी कार्रवाइयां जारी रखेगा और जेहादी आतंकवाद का प्रतिकार और प्रतिशोध लेने के लिए पाकिस्तान पर भारत पुनः सुरक्षात्मक आक्रमण भी अंजाम देगा, तो सऊदी अरब क्या पाकिस्तान के साथ भारत के विरुद्ध मैदान-ए-जंग में उतर जाएगा? यह मुमकिन है कि सऊदी अरब अपने फौजी दस्तों को भारत के विरुद्ध आक्रमणकारी युद्ध में पाकिस्तान के पक्ष में कदापि नहीं भेजें, किंतु सऊदी अरब का पेट्रो डॉलर का अकूत खजाना पाकिस्तानी फौज को शक्तिशाली बनाने के लिए बहुत विशाल आर्थिक इमदाद तो कर ही सकता है।

अमेरिकी सैन्य टेक्नोलॉजी

सऊदी अरब के पास अमेरिकी टेक्नोलॉजी विद्यमान रही है। डिफेंस एग्रीमेंट के पश्चात सऊदी अरब आधुनिकतम सैन्य टेक्नोलॉजी को पाकिस्तान को उपलब्ध करा सकता है। पाकिस्तान की फौज के लिए अमेरिकी सैन्य टेक्नोलॉजी की उपलब्धता बड़ी सौगात सिद्ध होगी और यह सैन्य स्थिति भारत के लिए खतरनाक सिद्ध हो सकती है। खाड़ी मुल्कों में सबसे अहम मुल्क सऊदी अरब है और इसने पाकिस्तान के साथ डिफेंस एग्रीमेंट क्यों अंजाम दिया है, जटिल प्रश्न है इसका समुचित उत्तर है कि अमेरिका पर अब खाड़ी मुल्कों को अधिक यकीन कायम नहीं रह गया है। इस्लामी दुनिया की नजरों में डोनाल्ड ट्रंप की कयादत में अमेरिका वस्तुतः इजरायल का अंध समर्थक देश बनकर उभरा है। दो दिनों में गाजा युद्ध को खत्म करने का दावा करने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अभी तक इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू को गाजा में युद्ध विराम के लिए राजी नहीं कर सके हैं। सऊदी अरब इस्लामी मुल्कों का सर्वोच्च लीडर देश बन जाने की बड़ी ख्वाहिश पाले रखता है और इस मामले में उसका मुकाबला सदैव तुर्कीए के साथ रहा है।

अमेरिका दुश्मन करार

हाल ही में हमास सरगनाओं को कत्ल करने की खातिर कतर पर अंजाम दिए गए इजरायली आक्रमण ने पश्चिमी एशिया स्थिति को बहुत बिगाड़ कर रख दिया है। कतर में अमेरिका का अल उदेद नामक एयरबेस विद्यमान है। इसके बावजूद 9 सितंबर को कतर पर अंजाम दिए गए इजरायली आक्रमण पर अमेरिका की प्रतिक्रिया बेहद निराशाजनक रही। द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात 1945 से ही खाड़ी के देशों में अमेरिका का किरदार एक सैन्य सुरक्षा प्रदान करने वाले मुल्क का बना रहा है, किंतु इजरायल बनाम गाजा की जंग में अमेरिका की भूमिका पर पश्चिम एशिया और खाड़ी देशों में हलचल मची हुई है। अमेरिका को इस्लामी मुल्कों का दुश्मन करार दिया जाने लगा है। पश्चिम एशिया के मुल्कों का जनमत अमेरिका के विरुद्ध खड़ा हो गया है। विगत कुछ वर्षों के दौरान भारत द्वारा सऊदी अरब और अन्य खाड़ी मुल्कों से अपने कूटनीतिक ताल्लुकातों को शक्तिशाली बनाने के लिए गहन और गंभीर प्रयास किए गए। भारत द्वारा सऊदी अरब के साथ कूटनीतिक संबंध को रणनीतिक संबंध के उच्च शिखर तक पहुंचा दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी वर्ष माह अप्रैल में सऊदी अरब के दौरे पर गए थे। आखिरकार क्या परिणाम निकला परस्पर संबंधों को ताकतवर बनाने का, जबकि सऊदी अरब ने पाकिस्तान का दामन थाम लिया? क्या अब वो भविष्य में पाकिस्तान के साथ मिलकर भारत के विरुद्ध खड़ा हो जाएगा? इस्लामी मुल्क भविष्य में अपनी हिफाजत के लिए पश्चिमी मुल्कों के नॉटो सैन्य संगठन की तर्ज ओ तरीके पर एक अपना इस्लामी सैन्य संगठन तशकील करने के विषय में संजीदगी से विचार विमर्श करने में जुटे हुए हैं। इस्लामी मुल्कों में पाकिस्तान ही एक अकेला ऐसा मुल्क है, जिसके पास परमाणु अस्त्रों की ताकत है।

परमाणु अस्त्रों की क्षमता

अपनी परमाणु अस्त्रों की क्षमता के कारण पाकिस्तान अब अमेरिका से हताश निराश हुए खाड़ी मुल्कों का दुलारा और प्यारा मुल्क बन गया है। अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को सेंट्रल ट्रीटी सैन्य संगठन का सदस्य देश बनाया गया, जिसे बगदाद पैक्ट भी कहा गया। जेहादी सरगना ओमामा बिन लादेन को वर्षों तक पाक फौज की निगरानी पनाह देने वाले पाक हुक्मरानों को अब फिर से डोनाल्ड ट्रंप अपने गले से लगाने लगे हैं। भारत ने उन विकट हालात का वीरता और बलिदान देकर कामयाबी से मुकाबला कर लिया और जेहादियों को परास्त किया जबकि अमेरिका, पाकिस्तान और पेट्रो डॉलर उसके बड़े शत्रु बने हुए थे। अब तो भारत बहुत ताकतवर है और ग्लोब्ल साऊथ के देश भारत के साथ खड़े हुए हैं। ब्रिक्स की शक्ति भारत के साथ सन्नहित है। हर हाल में भारत फतेहयाब होकर रहेगा।

पाकिस्तान-सऊदी अरब रक्षा समझौते से भारत रहे सतर्क

रणनीति

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ स्तंभकार

लुटियंस दिल्ली के दिल में भारत के विदेश मंत्रालय के मुख्यालय साउथ ब्लॉक में इन दिनों पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए रक्षा समझौते का भारत पर किस तरह का असर होगा, इस विषय पर विभिन्न कोणों से अध्ययन हो रहा होगा। इस समझौते को 'स्ट्रेटेजिक म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट' नाम दिया गया है, जिसमें एक प्रमुख धारा यह है कि किसी एक देश पर हमला दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। यह समझौता नाटो-शैली का है, जहां हमले की स्थिति में दोनों देश एक-दूसरे की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस समझौते की पृष्ठभूमि में हाल की क्षेत्रीय घटनाएं, जैसे इजरायल का कतर पर हमला और अमेरिका की सुरक्षा गारंटी में आई कमजोरी, प्रमुख भूमिका निभाती हैं। भारत के लिए यह समझौता एक दोधारी तलवार है। एक ओर, भारत और सऊदी अरब के बीच मजबूत आर्थिक संबंध हैं। भारत सऊदी से 100 अरब डॉलर से अधिक का व्यापार करता है।

भारत मुख्य रूप से तेल आयात करता है सऊदी अरब से। सऊदी अरब ने स्पष्ट किया है कि भारत के साथ उसके संबंध मजबूत रहेंगे और यह समझौता भारत के खिलाफ नहीं है। अप्रैल 2025 में प्रधानमंत्री मोदी की सऊदी यात्रा के बाद दोनों देशों ने रक्षा सहयोग बढ़ाने की योजना बनाई थी। खाड़ी देशों में 90 लाख से अधिक भारतीय काम करते हैं, जो रेमिटेंस का बड़ा स्रोत हैं। बेशक, यह समझौता भारत की मध्य पूर्व नीति को चुनौती देता है। पाकिस्तान अब मुस्लिम दुनिया में अपनी स्थिति मजबूत कर सकता है, जो कश्मीर मुद्दे पर भारत के खिलाफ इस्तेमाल हो सकता है। हालांकि, भारत की प्रतिक्रिया संयमित रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जयसवाल ने कहा कि भारत इस विकास का अध्ययन करेगा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। भारत के लिए अवसर भी हैं। यह समझौता भारत को अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने का अवसर देता है। क्वाड (भारत, अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया) जैसे गठबंधनों को मजबूत करना, अंडमान-निकोबार द्वीपों पर रक्षा बुनियादी ढांचा विकसित करना और नौसेना गश्त बढ़ाना आवश्यक है। भारत ओमान, यूएई और बहरीन जैसे मध्यमार्गी खाड़ी देशों से संबंध मजबूत कर सकता है। ऊर्जा विविधीकरण के लिए नवीकरणीय स्रोतों पर जोर देना चाहिए। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच रक्षा सहयोग दशकों पुराना है। 1960 के दशक से ही पाकिस्तान सऊदी अरब को सैन्य प्रशिक्षण, सैनिकों की तैनाती और रक्षा सहायता प्रदान करता आया है। हालांकि, यह नया समझौता पहले के अनौपचारिक संबंधों को औपचारिक रूप देता है, जो क्षेत्रीय तनावों के कारण आवश्यक हो गया था। हाल ही में इजरायल ने कतर की राजधानी दोहा पर हमला किया, जो सऊदी अरब की सीमा से सटा हुआ है। इस हमले में अमेरिका की चुप्पी ने खाड़ी देशों में अमेरिकी सुरक्षा गारंटी पर संदेह पैदा कर दिया। अमेरिका के पास मध्य पूर्व में करीब 40,000-50,000 सैनिक तैनात हैं, लेकिन इजरायल के हमलों पर वाशिंगटन की निष्क्रियता ने सऊदी अरब को वैकल्पिक सुरक्षा भागीदारों की तलाश करने पर मजबूर किया। इसी संदर्भ में पाकिस्तान, जो मुस्लिम दुनिया का एकमात्र परमाणु हथियार संपन्न देश है, सऊदी अरब के लिए एक आकर्षक सहयोगी बन गया। समझौते में रक्षा उद्योग सहयोग, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और सैन्य सह-उत्पादन शामिल हैं, जो दोनों देशों की सैन्य क्षमताओं को मजबूत करेंगे। विदेश मामलों के जानकार मानते हैं कि यह समझौता क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को बदलने वाला है। मध्य पूर्व में इजरायल की आक्रामकता और ईरान के साथ तनाव के बीच सऊदी अरब को एक मजबूत सहयोगी की जरूरत थी। पाकिस्तान के लिए यह आर्थिक और रणनीतिक लाभ का स्रोत है, क्योंकि सऊदी अरब से तेल आपूर्ति और वित्तीय सहायता मिल सकती है। अब जान लेते हैं कि यह समझौता दोनों देशों के लिए क्यों अहम है? सबसे पहले, सऊदी अरब के लिए यह अमेरिकी निर्भरता से मुक्ति का कदम है। पाकिस्तान की परमाणु क्षमता इस समझौते को और मजबूत बनाती है। पाकिस्तान के लिए यह समझौता आर्थिक संकट से उबरने का अवसर है। पाकिस्तान को सऊदी से तेल आपूर्ति, निवेश और सैन्य सहायता मिल सकती है, जो भारत के लिए चिंता का विषय है। मई 2025 में 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत-पाकिस्तान संबंध तनावपूर्ण हैं। इस समझौते से पाकिस्तान को सऊदी की वित्तीय और तेल सहायता मिल सकती है, जो युद्ध की स्थिति में पाकिस्तान की शक्ति बढ़ाएगी। यदि यह समझौता क्षेत्रीय एकता को बढ़ावा देता है, तो यह सभी के लिए लाभदायक होगा, लेकिन यदि यह टकराव को बढ़ावा देता है, तो परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं।

> **पाकिस्तान अब मुस्लिम दुनिया में अपनी स्थिति मजबूत कर सकता है, जो कश्मीर मुद्दे पर भारत के खिलाफ इस्तेमाल हो सकता है। हालांकि, भारत की प्रतिक्रिया संयमित रही है।**

रक्षा सहयोग के साथ ही एक रणनीतिक संदेश

कूटनीति

महेंद्र तिवारी

स्वतंत्र पत्रकार

पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हाल ही में हुआ सामरिक पारस्परिक रक्षा समझौता दक्षिण एशियाई राजनीति और भारत–सऊदी रिश्तों के लिहाज से एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। इस समझौते को पश्चिम एशिया और एशियाई राजनीति के कई जानकार केवल रक्षा सहयोग नहीं, बल्कि एक रणनीतिक संदेश मानते हैं।

अमेरिकी विशेषज्ञ माइकल कुलेगमेन ने कहा कि यह केवल सैन्य सहयोग का मामला नहीं बल्कि पाकिस्तान का यह दिखाना है कि वह चीन, तुर्की और अब सऊदी जैसे बड़े सहयोगियों के साथ खड़ा है। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि इसे भारत को पाकिस्तान पर हमला करने से रोकने वाली दीवार मानना जल्दबाजी होगी। पश्चिम एशियाई मामलों के जानकार जहाकतनवीर ने भी याद दिलाया कि सऊदी–पाक रक्षा समझौता कोई नई बात नहीं है। अतीत में ऐसे कई समझौते हुए हैं जो ज्यादातर सऊदी की सुरक्षा तक सीमित रहे, पाकिस्तान के लिए नहीं। पाकिस्तान की सेना को कई बार सऊदी हितों के लिए किराए की सेना कहा गया है। सीधे भारत के खिलाफ सैन्य सहयोग की संभावना फिलहाल बेहद कम है। पाकिस्तान और सऊदी अरब का संबंध ऐतिहासिक रूप से गहरा रहा है।

ईरान–इराक युद्ध के दौरान (1980–88) पाक ने सऊदी को सुरक्षा का भरोसा दिया था। 1965, 1971 और कारगिल 1999 के भारत–पाक युद्धों में सऊदी अरब ने पाकिस्तान को वित्तीय और राजनयिक मदद दी, पर उसने कभी भारतीय मोर्चे पर अपनी सेना नहीं भेजी। 2014–15 में सऊदी ने इस्लामी सैन्य गठबंधन बनाया था, जिसका नेतृत्व पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख राहील शरीफ को सौंपा गया था। इन घटनाओं से यह साफ है कि सऊदी और पाकिस्तान का रिश्ता परस्पर जरूरतों और रणनीतिक लाभ पर आधारित रहा है। इस नए डिफेंसए ग्रीमेंट ने इस रिश्ते को एक नया आयाम दिया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि सऊदी अरब भारत के खिलाफ सीधी सैन्य कार्रवाई करेगा। भारत और सऊदी अरब के बीच के रिश्तों की बात करें तो सऊदी ने कभी भी भारत विरोधी आतंकवाद को समर्थन नहीं दिया।

इसके उलट, दोनों देशों के बीच ऊर्जा व्यापार, निवेश और प्रवासी भारतीयों के माध्यम से मजबूत आर्थिक और सामाजिक संबंध हैं। सऊदी अधिकारी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत के साथ उनके रिश्ते मजबूत बने रहेंगे और वे क्षेत्रीय शांति के लिए योगदान देते रहेंगे। कुल मिलाकर, यह रक्षा समझौता पाकिस्तान के लिए आर्थिक और कूटनीतिक राहत, सऊदी के लिए अतिरिक्त सुरक्षा गारंटी, और भारत के लिए एक रणनीतिक चेतावनी के रूप में देखा जा सकता है।

> **यह रक्षा समझौता पाकिस्तान के लिए आर्थिक और कूटनीतिक राहत, सऊदी के लिए अतिरिक्त सुरक्षा गारंटी, और भारत के लिए एक रणनीतिक चेतावनी के रूप में देखा जा सकता है।**

सार्वभौम उदारता त्यागकर अब कठोरता दिखाए भारत

विमर्श

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र स्तंभकार

अंतराष्ट्रीय कूटनीतियां आधुनिक युग में संतुलन की स्थिति में हैं ही नहीं। विदेश स्तर की कूटनीतियों का यह असंतुलन भारत के लिए प्रतिदिन समस्या खड़ी कर रहा है। नवीन समस्या पाकिस्तान तथा सऊदी अरब के मध्य गत 17 सितंबर को हस्ताक्षरित हुए एक रणनीतिक रक्षा अनुबंध के परिप्रेक्ष्य में उभर रही है। दोनों देशों ने हस्ताक्षरित अनुबंध प्रारूपों का आदान-प्रदान करने की समयावधि में एक संयुक्त वक्तव्य दिया है कि उनमें से किसी भी देश पर किसी भी प्रकार के आक्रमण को दोनों ही देशों के विरुद्ध आक्रमण माना जाएगा।

विचारणीय 'रणनीतिक पारस्परिक रक्षा अनुबंध' पर सऊदी अरब के शहजादे मोहम्मद बिन सलमान अब्दुल अजीज अल सऊद और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हस्ताक्षर किए हैं। पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर और रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भी इस अवसर पर उपस्थित थे। दो मुस्लिम देशों के बीच हुआ यह अनुबंध भारत के लिए कई संदर्भों में चिंतनीय है। अभी तक इस अनुबंध पर भारत की ओर से भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल का ही वक्तव्य आया है। उनके अनुसार, भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी कार्य करेगा तथा सभी क्षेत्रों में व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। अमेरिका की पहल पर भारत विरोधी दो मुस्लिम देशों की इस नई गुटसापेक्षता द्वारा भारत का चिंतित होना स्वाभाविक है। हालांकि सऊदी से भारत के द्विपक्षीय संबंध कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्थिति में हैं। चाहे द्विपक्षीय स्थिर संबंध हों, ऊर्जा सुरक्षा हो, निवेश का बड़ा प्रवाह हो अथवा वहां रह रहे भारतीयों द्वारा उस देश के चहुंदिश विकास में उच्च स्तर की पदाधिकारिक महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाए जाने का सत्य हो, किंतु अब परिस्थिति भिन्न हो चुकी हैं।

वित्त वर्ष 2023-24 में ही दोनों देशों का परस्पर व्यापार 42.98 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य का हुआ था, जिसमें से हमने वहां से 31.42 बिलियन डॉलर मूल्य का आयात किया तो यहां से वहां 11.56 बिलियन यूएसडी मूल्य का निर्यात संपन्न हुआ। भारत कच्चे तेल तथा पेट्रो उत्पादों की बड़ी मात्रा के लिए अरब देश पर निर्भर है। विगत में दोनों देशों के विशिष्ट संबंधों का परिलक्षण तब दिखा था जब 2016 में सलमान बिन ने नरेंद्र मोदी को अपने देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'किंग अब्दुल अजीज सैश' प्रदान किया था। भारतीय नेतृत्व के प्रति इस सीमा तक सम्मान प्रदर्शित करने के बाद भी आज अकस्मात अमेरिकी दबाव में सऊदी की वैश्विक दक्षिण में भारत के प्रति एक विरोधी छवि उभर कर सामने आई है। हालांकि अभी पाकिस्तान और सऊदी के बीच हुए रक्षा अनुबंध की विस्तृत रूपरेखा सामने नहीं आई है, किंतु इतना तो निश्चित है कि यदि पाकिस्तान के साथ रक्षा-सुरक्षा रणनीतिक समझौते के बाद संयुक्त वक्तव्य में दोनों देशों की ओर से किसी शत्रु देश का संकेत उभरता है, तो पाकिस्तान के संदर्भ में तो वह भारत ही हुआ, और सऊदी के पाकिस्तान के साथ होने के संकेतन का अर्थ भी यही है कि वह भी अप्रत्यक्ष रूप में भारत का शत्रु ही हुआ। इस परिप्रेक्ष्य में भारत के सामने अमेरिका से लेकर सऊदी अरब तक अपनी कूटनीतिक गतिविधियों को नवाकार देने की चुनौती उभर आयी है।

गत आठ-नौ माह में भारत के संबंध अमेरिका के साथ जिस ढंग से असंतुलित हुए हैं, उस कारण भारत के प्रति सऊदी की द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति में भी परिवर्तन आ चुका है। सामरिक सुरक्षा हेतु अमेरिकी कृपा पाने के लिए सऊदी ने भारत के प्रति अपनी कूटनीतिक स्थितियां उसी प्रकार ढाल ली हैं, जैसे अमेरिका ने उससे अपेक्षा की है, और निश्चित रूप में अमेरिकी शासन मध्य एशिया में खाड़ी के अग्रणी देशों में से एक सऊदी को भारत के अनुकूल बनाये नहीं रखना चाहता। चूंकि ऑपरेशन सिंदूर की समयावधि में पाकिस्तान के बहाने भारत व अमेरिका के संबंधों में अविश्वास उत्पन्न हुआ था, इसीलिए अमेरिका उसी के माध्यम से सऊदी को भारत के प्रतिरोध में खड़ा करने का प्रयास कर रहा है।

अरब देश भारत विरोधी पाकिस्तान वाले गुट में सम्मिलित होने की अमेरिकी मंशा का विरोध नहीं कर सकता है और तब तक तो कदापि नहीं कर सकता है, जब तक वह अपनी सामरिक आवश्यकताओं के लिए अधि सीमा तक अमेरिका पर ही निर्भर है। भारत के प्रति अमेरिका, चीन, सऊदी अरब तथा अन्य देशों का जो कूटनीतिक भेदभाव परिलक्षित हो रहा है, उससे हमें यही शिक्षा ग्रहण करनी होगी कि अब भविष्य में भारत कम से कम उन देशों के प्रति सार्वभौम उदारता प्रदर्शित करना बंद करे, जो पारस्परिक द्विपक्षीय संबंधों को दीर्घकाल तक संभाले रखने की तुलना में स्वार्थ व एकाधिकार की नीतियों के कारण उन्हें तोड़ने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

> **भारत उन देशों के प्रति सार्वभौम उदारता प्रदर्शित करना बंद करे, जो द्विपक्षीय संबंधों को दीर्घकाल तक संभाले रखने की तुलना में स्वार्थ व एकाधिकार की नीतियों के कारण उन्हें तोड़ने को प्राथमिकता दे रहे हैं**

समझौते से बढ़ सकती हैं भारत की सैन्य मुश्किलें

सैन्य चुनौती

डॉ. एन. के. सोमानी

वरिष्ठ पत्रकार

ऑपरेशन सिंदूर में भारत के हाथों बुरी तरह से पिट चुका पाकिस्तान अब अपनी रक्षा और सुरक्षा के लिए सैन्य समझौतों की रणनीति पर आगे बढ़ रहा है। सऊदी अरब के साथ किया गया स्ट्रेटेजी म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट उसकी इसी रणनीति का हिस्सा है। हालांकि पाकिस्तान इससे पहले अमेरिका के नेतृत्व वाले समझौतों और गठबंधनों का हिस्सा रहा है लेकिन सऊदी अरब के साथ हुआ समझौता उस बाध्यकारी खंड के कारण अहम हो जाता है, जिसमें कहा गया है कि दोनों देशों में से किसी के भी खिलाफ किसी भी तरह के हमले को दोनों पर किया गया आक्रमण माना जाएगा।

समझौते की शब्दावली एक तरह से नाटो के खंड 5 की 'कॉपी' है, जिसमें कहा गया है कि एक देश पर हमला सभी सदस्य देशों पर हमला माना जाएगा और सभी सदस्य उससे अपनी तरह से निबटेंगे। यही वजह है कि पाकिस्तान-सऊदी अरब सुरक्षा समझौते को मीडिल ईस्ट में नाटो का आरंभ कहा जा रहा है। पाकिस्तानी मीडिया का दावा है कि जल्दी ही कुछ और देश भी समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। भारत ने समझौते पर सधी हुई प्रतिक्रिया दी है। भारत का कहना है कि वह क्षेत्रीय स्थिरता पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्यन करेगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाक का शीर्ष नेतृत्व लगातार इस बात की कोशिश करता हुआ दिखाई दे रहा है कि वह किसी न किसी तरह भारत को दुनिया के बड़े देशों से अलग-थलग कर दे। पाक नेताओं और फिल्ड मार्शल असीम मुनीर के विदेश दौरों का सिलसिला पाकिस्तान की इस कोशिश का ही परिणाम है। हालांकि समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद सऊदी अरब ने कहा है कि भारत के साथ हमारे मजबूत संबंध हैं, हम संबंधों को आगे बढ़ाते रहेंगे। यह समझौता किसी खास देश या घटना विशेष की प्रतिक्रिया नहीं है बल्कि दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक और गहन सहयोग का संस्थागत रूप है। हम क्षेत्रीय शांति में हर संभव योगदान देने का प्रयास करेंगे। भारत और सऊदी के बीच अरसे से घनिष्ठ संबंध रहे हैं। भारत सऊदी का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा में सऊदी और उसकी खाद्य सुरक्षा के लिए भारत अहम देश है। संयुक्त सैन्य अभ्यास के माध्यम से भी दोनों देश रक्षा सहयोग को मजबूत कर रहे हैं। इसके अलावा दोनों देश आतंकवाद, उग्रवाद और वित्तपोषण का मुकाबला करने के लिए खुफिया जानकारी साझा करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के दौरान भारत और सऊदी अरब के संबंध खासे मजबूत हुए हैं। मोदी अब तक तीन बार (2016, 2019 और अप्रैल 2025) सऊदी अरब का दौरा कर चुके हैं। साल 2016 में जब पीएम मोदी पहली दफा सऊदी की यात्रा पर गए, उस वक्त सऊदी अरब ने उन्हे अपने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया। साल 2019 में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान भारत की यात्रा पर आए तो पीएम मोदी खुद दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर उनके स्वागत के लिए पहुंचे। भारत यात्रा पर आए सऊदी प्रिंस ने उस वक्त कहा था कि पिछले 70 सालों में सऊदी अरब को खड़ा करने में भारत की भी अहम हिस्सेदारी रही है। ऐसे में सवाल यह है कि सऊदी अरब पाकिस्तान जैसे आतंकवाद का पोषण करने वाले देश के साथ इस तरह के समझौते के लिए क्यों राजी हो गया। कहीं ऐसा तो नहीं कि सऊदी परमाणु शक्ति संपन्न भारत के साथ संबंधों को संतुलित करने की आवश्यकता महसूस करने लगा है। सच तो यह है कि पिछले दिनों इजरायल द्वारा कतर की राजधानी दोहा पर किए मिसाइल हमलों ने खाड़ी देशों के भीतर इस कदर भय उत्पन्न कर दिया है कि उनका वाशिंगटन पर भरोसा डगमगा गया है।

माना जा रहा है कि सऊदी सीधे तौर पर भारत पर हमला नहीं करेगा लेकिन जिस तरह से यूरोप के देश यूक्रेन को सैन्य मदद कर रहे हैं, उसी तरह सऊदी भारत के खिलाफ पाकिस्तान को सैन्य मदद दे सकता है। सऊदी अरब की सेना भले ही छोटी हो लेकिन उसके जखीरे में अमेरिका, चीन और रूस से खरीद किए हुए अत्याधुनिक हथियार हैं। अब पाकिस्तान ने सऊदी के साथ पैक्ट कर भारत-अमेरिका सहित मिडिल ईस्ट को बड़ा संकेत दे दिया है। निसंदेह समझौते के बाद पाकिस्तान की ताकत और अधिक बढ़ जाएगी। ऐसे में भारत को स्ट्रेटेजी म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट को गंभीरता से लेना होगा और बदलती भू-सामरिक स्थिति को साधने के लिए भारत को अपनी सैन्य क्षमता और ज्यादा बढ़ानी होगी।

> **निसंदेह समझौते के बाद पाकिस्तान की ताकत और अधिक बढ़ जाएगी। ऐसे में भारत को स्ट्रेटेजी म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट को गंभीरता से लेना होगा तथा अपनी सैन्य क्षमता और ज्यादा बढ़ानी होगी।**

पहले राउंड के बाद शीर्ष 20 में अदिति

रोजर्स। भारत की अदिति अशोक ने वॉलमार्ट एनडब्ल्यू अर्कांसस चैंपियनशिप में पहले दौर में बोगी रहित पांच अंडर 66 का स्कोर बनाया और वह संयुक्त 18वें स्थान पर हैं। सारा श्मेलजेल और मिनामी कात्सु ने पिनेकल कंट्री क्लब में आठ अंडर 63 का स्कोर बनाकर पहले राउंड के अंत में संयुक्त बढ़त बना ली। अदिति ने पहले नौ होल पर दो बर्डी के साथ शुरुआत की और 13वें, 15वें और 18वें होल पर भी बर्डी बनाकर दिन में अपनी बर्डी की संख्या पांच तक पहुंचाई। कनाडा की भारतीय मूल की खिलाड़ियों में सवाना ग्रेवाल ने अपने पहले राउंड में तीन अंडर 68 का स्कोर बनाया और संयुक्त 45वें स्थान पर रहीं, जबकि गुरलीन कौर ने एक अंडर 70 का स्कोर बनाया और वह संयुक्त 86वें स्थान पर है।

ला सेला ओपन : हिताशी और प्रणवी ने कट में बनाई जगह

एलिकांटे (स्पेन)। भारतीय खिलाड़ियों में केवल प्रणवी उर्स और हिताशी बख्शी ही स्पेन में ला सेला ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के कट में जगह बना सकी, जबकि कनाडाई किशोरी अन्ना हुआंग ने बोगी-मुक्त छह-अंडर 66 के साथ शीर्ष पर तीन शॉट की बढ़त बना ली।

हिताशी ने पहले राउंड में 72 के बाद दूसरे राउंड में एक ओवर 73 का स्कोर बनाया और अब वह 36 होल तक एक ओवर के स्कोर के साथ संयुक्त 36वें स्थान पर हैं,

जबकि प्रणवी (73-73) संयुक्त 47वें स्थान पर हैं। रिधिमा दिलावरी (75-72) एक शॉट से कट से चूक गईं। उनके अलावा अवनि प्रशांत (78-70), दीक्षा डागर (73-75), वाणी कपूर (78-71) और त्वेसा मलिक (71-78) भी कट से चूक गईं, जो दो ओवर पर गया।

फेडेक्स ओपन

गोल्फर अहलावत और शुभंकर कट से चूके

पेरिस। भारतीय गोल्फर वीर अहलावत और शुभंकर शर्मा गोल्फ डे सेंट-नोम-ला-ब्रेटेचे में आयोजित किए जा रहे फेडेक्स ओपन डी फ्रांस में कट से चूक गए। अहलावत ने दूसरे राउंड में दो ओवर 73 का स्कोर बनाया, जिससे वह कट हासिल करने में नाकाम रहे। शर्मा (74-71) भी कट से चूक गए। लगातार चार प्रतियोगिताओं में कट में जगह बनाने के बाद अहलावत डीपी वर्ल्ड टूर में कट से चूक गए। कट इवन पार पर निर्धारित किया गया था जबकि अहलावत (71-73) दूसरे राउंड के बाद दो ओवर पार पर थे। अहलावत ने अपने दूसरे राउंड में तीन बोगी, चार बर्डी और एक ट्रिपल बोगी लगाई। इस बीच मार्कस आर्मिटेज ने दूसरे राउंड में तीन अंडर 68 का स्कोर बनाकर दो स्ट्रोक की बढ़त बरकरार रखी है।

खबर संक्षेप

सुपर चार में बांग्लादेश के खिलाफ खेलेंगे वेल्लालगे

दुबई। अपने पिता के निधन के कारण स्वदेश लौटने वाले श्रीलंका के हरफनमौला खिलाड़ी दुनिथ वेल्लालगे वापस टीम से जुड़ गए हैं और शनिवार को बांग्लादेश के खिलाफ एशिया कप सुपर 4 मैच में चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। वेल्लालगे के पिता सुरंगा का गुरुवार रात को 54 वर्ष की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। उसी दिन इस 22 वर्षीय स्पिनर ने अफगानिस्तान के खिलाफ श्रीलंका के ग्रुप बी लीग मैच में हिस्सा लिया था। इस युवा खिलाड़ी को मैच के बाद ही अपने पिता के निधन की खबर पता चली और वह जल्द से जल्द उपलब्ध उड़ान से कोलंबो वापस आ गया। वह शुक्रवार रात टीम मैनेजर महिंदा हालंगोडे के साथ यूएई लौट आया।

सुपर 4 मैच में पाइक्रॉफ्ट ही होंगे मैच रैफरी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले एशिया कप सुपर 4 के मैच की जिम्मेदारी फिर अपने एलीट पैनल के मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को सौंपी है जबकि पीसीबी ने बार बार उन्हें हटाने का

अनुरोध किया था। टूर्नामेंट के एक सूत्र ने बताया, 'एंडी पाइक्रॉफ्ट भारत और पाकिस्तान के मुकाबले के लिए मैच रैफरी हैं।' इसके बाद पाकिस्तान टीम प्रबंधन ने सुपर 4 मुकाबले से पहले मीडिया से बातचीत नहीं करने का फैसला किया। रविवार के मैच के लिए मैच अधिकारियों की सूची अब भी सार्वजनिक नहीं की गई है। टूर्नामेंट में दूसरे मैच रैफरी वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान रिची रिचर्डसन हैं। भारतीय टीम ने पिछले रविवार को नीतिगत फैसले के अंतर्गत पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाया था और इस मुकाबले में पाइक्रॉफ्ट मैच रैफरी थे। लेकिन पाइक्रॉफ्ट उस समय विवाद के केंद्र में आ गए जब भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस के समय परंपरा का पालन नहीं किया।

विश्व कप में स्वछंदता से खेलना अहम : सना

दुबई। पाकिस्तान की महिला टीम की कप्तान फातिमा सना ने कहा कि उनकी टीम आगामी आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें साझेदारियां बनाने के साथ स्वछंदता से खेलना महत्वपूर्ण होगा। आठ

टीम वाला यह विश्व कप 30 सितंबर से 2 नवंबर तक श्रीलंका और भारत में आयोजित किया जाएगा। पाकिस्तान की टीम अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेगी और अपने अभियान की शुरुआत 2 अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ करेगी। इसके बाद पाकिस्तान का सामना पांच अक्टूबर को भारत से, आठ अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से, 15 अक्टूबर को इंग्लैंड से, 18 अक्टूबर को न्यूजीलैंड से, 21 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका से और 24 अक्टूबर को मेजबान श्रीलंका से होगा।

एशिया कप : मैच आज रात 8 बजे से

महामुकाबला आज : सुपर 4 में पाकिस्तान पर दबदबा कायम रखने उतरेगी टीम इंडिया

एजेंसी ▶▶| दुबई

दोनों टीमों में बढ़ते तनाव के बीच भारत जब रविवार को एशिया कप सुपर 4 के मैच में पाकिस्तान का सामना करेगा तो उसका लक्ष्य अपनी स्पिन तिकड़ी के दम पर अपने इस चिर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक और प्रभावशाली जीत दर्ज करना होगा। भारत और पाकिस्तान की टीम जब आमने-सामने होती हैं तो उनके खिलाड़ियों के बीच तनाव बना रहता है लेकिन इस बार यह नए स्तर पर पहुंच गया है। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और उनके साथियों ने पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में पाकिस्तानी खिलाड़ियों के साथ हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था, जिससे नया बवाल पैदा हो गया। ऐसा समझा जाता है कि भारतीय टीम इस रविवार को भी पड़ोसी देश के खिलाफ इसी नीति को जारी रखेगी तथा हाथ मिलाना भी संभवतः आम बात नहीं होगी, क्योंकि पाकिस्तानी खिलाड़ी और उनके समर्थक इस मैच को ''द्वेषपूर्ण मैच'' के रूप में देख रहे हैं।

बुमराह और चक्रवर्ती की मैच में वापसी

पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले सूर्यकुमार को टीम के सभी महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को परखने की जरूरत थी। पूरी संभावना है कि तेज गेंदबाज हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह अंतिम एकादश में शामिल नहीं होंगे, क्योंकि ओमान के 43 वर्षीय बल्लेबाज आमिर कलीम और हम्माद मिर्जा जैसे कम चर्चित खिलाड़ियों ने इस जोड़ी की जमकर धुनाई की। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की पाकिस्तान के खिलाफ मैच में वापसी होगी। इन दोनों को ओमान के खिलाफ मैच में विश्राम दिया गया था। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम की पिचें धीमी गेंदबाजों के लिए मददगार हैं और एक बार फिर से कुलदीप यादव (टूर्नामेंट में अब तक आठ विकेट), अक्षर और वरुण पर जिम्मेदारी होगी कि वे निर्णायक रूप से भारत के पक्ष में पलड़ा झुकाएं। अगर अक्षर फिट नहीं हो पाते हैं तो उनकी जगह वाशिंगटन सुंदर या रियान पराग को मिल सकती है।

पाकिस्तानी खिलाड़ियों की तकनीक खराब

पाकिस्तान की टीम अप्रत्याशित प्रदर्शन करने के लिए मशहूर रही है लेकिन वर्तमान टीम कमजोर नजर आ रही है विशेष कर बल्लेबाजी विभाग में। उसके बल्लेबाज अभी तक स्पिन गेंदबाजों को समझने में नाकाम रहे हैं। पाकिस्तान के लिए यह शर्मनाक बात है कि उसके वर्तमान खिलाड़ियों की तकनीक काफी खराब है।
सलामी बल्लेबाज सैम अयूब, जो लगातार दो बार शून्य पर आउट हुए, गेंद से अधिक प्रभाव डालने के कारण उपहास का विषय बन गए हैं क्योंकि उन्होंने टूर्नामेंट में रन बनाने की तुलना में अधिक विकेट लिए हैं।
साहिबजादा फरहान, हसन नवाज और शाहीन शाह अफरीदी ही टीम में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज नजर आ रहे हैं।

सूर्यकुमार लौटेंगे अपने चिरपरिचित स्थान पर

संजू सैमसन ने ओमान के खिलाफ अर्धशतक बनाया था, लेकिन अगर दाएं हाथ के बल्लेबाज शुभमन गिल जल्दी आउट हो जाते हैं तो पाकिस्तान के खिलाफ उनके तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने की संभावना कम है। कप्तान सूर्यकुमार फिर से अपने चिरपरिचित स्थान पर लौटेंगे, जिसने उन्हें विश्व का नंबर एक बल्लेबाज बना दिया है।

मुस्तफिजुर को तीन विकेट

हसन और तौहीद ने दिलाई बांग्लादेश को श्रीलंका पर जीत

- बांग्लादेश ने एशिया कप 2025 का पहला सुपर-4 मैच जीता
- श्रीलंका को चार विकेट से हराया

भाषा ▶▶| दुबई

अपने गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन के बाद सलामी बल्लेबाज सैफ हसन और तौहीद ह्रदय के अर्धशतकों की मदद से बांग्लादेश ने शनिवार को एशिया कप सुपर 4 चरण के बेहद रोमांचक मुकाबले में श्रीलंका को एक गेंद बाकी रहते चार विकेट से हराया। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर दासुन शनाका के 37 गेंद में नाबाद 64 रन की मदद से सात विकेट पर 168 रन बनाये। जवाब में बांग्लादेश ने 19.5 ओवर में छह विकेट पर 169 रन बनाये जिसमें सैफ ने 45 गेंद में 61 और तौहीद ने 37 गेंद में 58 रन का योगदान दिया। पहले ओवर में नुवान तुषारा ने तंजीद हसन को पवेलियन भेज दिया लेकिन इसके बावजूद बांग्लादेश टीम दबाव में नहीं दिखी। कप्तान लिटन दास (23) ने सैफ के साथ दूसरे विकेट के लिये 5.2 ओवर में 59 रन जोड़े। सैफ ने बायें हाथ के स्पिनर दुनिथ वेलालागे को दो और तुषारा को एक छक्का लगाया। वेलालागे अपने पिता के अंतिम संस्कार में भाग लेने के बाद यहां लौटे हैं। सैफ ने 35 गेंद में अर्धशतक पूरा किया और वानिंदु हसरंगा की गेंद पर वेलालागे को कैच देकर लौटे। इससे पहले हसरंगा ने दास को पाथुम निसांका के हाथों लपकवाया। सैफ और तौहीद ने तीसरे विकेट के लिये 54 रन की साझेदारी की। तौहीद ने 15वें ओवर में स्पिनर कामिंद मेंडिस की धुनाई करते हुए 16 रन निकाले। हसरंगा को दुष्मंता चामीरा ने आउट किया। बांग्लादेश ने आखिरी ओवर में दो विकेट गंवा दिये लेकिन एक गेंद बाकी रहते लक्ष्य तक पहुंचने में कामयाब रही। इससे पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर श्रीलंका की शुरूआत अच्छी रही और सलामी बल्लेबाज पाथुम निसांका (15 गेंद में 22 रन) और कुसल मेंडिस (25 गेंद में 34 रन) ने पांच ओवर में 44 रन जोड़े। निसांका ने तेज गेंदबाज शरीफुल इस्लाम को लगातार तीन चौके लगाये जबकि मेंडिस ने बायें हाथ के स्पिनर नासुम अहमद को छक्का जड़ा।

फैसला

मिलान-कॉर्टिना खेलों में अपने देश का प्रतिनिधित्व नहीं कर पाएंगे रूसी खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| मिलान

रूस के खिलाड़ियों को अगले वर्ष होने वाले मिलान-कॉर्टिना शीतकालीन खेलों में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी, लेकिन अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने कहा कि उसने कभी भी इजरायल पर प्रतिबंध लगाने पर चर्चा नहीं की।
आईओसी ने मिलान में कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद पुष्टि की कि वह पिछले वर्ष पेरिस ओलंपिक खेलों में अपनाई गई प्रणाली का पालन करेगा, जिसके तहत रूस के खिलाड़ियों को व्यक्तिगत तटस्थ खिलाड़ी के रूप में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति दी जाएगी।

आईओसी ने 2023 में रूस कर दिया था निलंबित

आईओसी अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री ने कहा, 'हमने मिलान-कॉर्टिना खेलों में व्यक्तिगत तटस्थ खिलाड़ियों को लेकर बात की। कार्यकारी बोर्ड बिल्कुल वही दृष्टिकोण अपनाएगा, जो पेरिस ओलंपिक खेलों में अपनाया गया था। इसमें कुछ भी बदलाव नहीं हुआ है।' रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद आईओसी ने 2023 में रूसी ओलंपिक समिति को निलंबित कर दिया था। इसके बाद से ही रूस के खिलाड़ी विभिन्न प्रतियोगिताओं में व्यक्तिगत तटस्थ खिलाड़ी के रूप में भाग ले रहे हैं। इजरायल के गाजा में हमले के बाद उस पर भी इस तरह का प्रतिबंध लगाने की मांग की जा रही है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी जूनियर महिला हॉकी टीम, ज्योति को कमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

डिफेंडर ज्योति सिंह 23 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम का नेतृत्व करेंगी, जो 26 सितंबर से 2 अक्टूबर तक कैनबरा के राष्ट्रीय हॉकी केंद्र में होने वाले पांच मैचों में खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया की जूनियर महिला टीम के खिलाफ तीन मैच खेलेगी। इसके बाद वह आस्ट्रेलिया की हॉकी वन लीग में भाग लेने वाले क्लब कैनबरा चिल के खिलाफ दो मैच खेलेगी। यह दौरा एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप 2025 की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण होगा, जो दिसंबर में चिली के सैंटियागो में आयोजित किया जाएगा।

निधि और हर्षा रानी को गोलकीपिंग की जिम्मेदारी

भारतीय टीम में निधि और एंगिल हर्षा रानी मिंज गोलकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगी, जबकि डिफेंस में मनीषा, ज्योति, लालथंतलुआंगी, ममिता ओरम, साक्षी शुक्ला, पूजा साहू और नंदनी शामिल हैं। मिडफील्ड में प्रियंका यादव, साक्षी राणा, खैदेम शिलेमा चानू, रजनी केरकेट्टा, बिनिमा धान, इशिका, सुनेलिता टोप्पो और अनिशा साहू जबकि फॉरवर्ड पंक्ति में लालरिनपुई, निशा मिंज, पूर्णिमा यादव, सोनम, कनिका सिवाच और सुखवीर कौर शामिल हैं।

मंधाना की शानदार पारी के बावजूद भारत ने ऑस्ट्रेलिया से श्रृंखला गंवाई

- तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय मैच में भारत को 43 रन से हराया
- ऑस्ट्रेलिया ने द्विपक्षीय श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की

भाषा ▶▶| नई दिल्ली

स्मृति मंधाना (125 रन) की शानदार पारी बेथ मूनी (138 रन) के शतकीय पारी को नहीं पछाड़ सकी जिससे ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को यहां तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय मैच में भारत को 43 रन से हराकर मेजबान टीम के खिलाफ अपनी 11वीं द्विपक्षीय श्रृंखला 2-1 से जीत ली। मूनी की 79 गेंद की तूफानी पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 412 रन पर ऑलआउट होकर अपने रिकॉर्ड वनडे स्कोर की बराबरी की। यह भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा स्कोर भी था। इससे उसने पिछले साल ब्रिस्बेन में बनाए गए आठ विकेट पर 371 रन के स्कोर को पीछे छोड़ दिया। इसके बाद भारत की शानदार बल्लेबाजी के सामने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने संयम बनाए रखा। मंधाना (63 गेंद में 125 रन) और कप्तान हरमनप्रीत (35 गेंद में 52 रन) के बीच 121 रन की साझेदारी के अलावा दीप्ति (58 गेंद में 72 रन) की अंत में खेली गई आक्रामक पारी के बावजूद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज भारत को 369 रन पर ऑल आउट करके श्रृंखला जीतने में सफल रहे।

चीन पैरा बैडमिंटन टूर्नामेंट: हुबैदा और एले की जोड़ी ने जीता कांस्य

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

भारत के अबु हुबैदा और प्रेम कुमार एले की शीर्ष वरीयता प्राप्त पुरुष पैरा बैडमिंटन जोड़ी ने सेमीफाइनल में चीन के माई जियानपेंग और क्यू जिमो से 4-21, 10-21 से हारने के बाद यहां चीन पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय में डब्ल्यूएच1-डब्ल्यूएच2 वर्ग में कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी दो जीत और एक हार के साथ ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रही थी। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के नांग न्गुयेन और चीनी ताइपे के यू यू ओंग की जोड़ी को 21-6, 21-10 से तथा भारत के हारिस मैथिली श्रीकुमार और चेक गणराज्य के जिबनेक सिकोरा की जोड़ी को 21-10, 21-12 से हराया। ग्रुप चरण में उन्हें एकमात्र हार (12-21, 9-21) जापान के डाइकी काजीवारा और कीता निशिमुरा के खिलाफ मिली। डब्ल्यूएच1-डब्ल्यूएच2 व्हीलचेयर पर निर्भर खिलाड़ियों के लिए है।

चाइना मास्टर्स : सेमीफाइनल में पूर्व विश्व चैंपियन चिया और यिक को दी मात

सात्विक-चिराग फाइनल में, चिर-प्रतिद्वंद्वी को हराया

एजेंसी ▶▶| शेनझेन

भारत के सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार जोड़ी ने शनिवार को चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में पूर्व विश्व चैंपियन मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक को सीधे गेम में हराकर लगातार दूसरे पुरुष युगल के फाइनल में प्रवेश किया।

पिछले हफ्ते विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने और हांगकांग ओपन में उपविजेता रहने के बाद एशियाई खेलों की चैंपियन जोड़ी ने अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी आरोन और सोह को 21-17, 21-14 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया। इस मैच से पहले सात्विक और चिराग का दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ जीत का रिकॉर्ड 4-11 था। भारतीय जोड़ी ने हाल में पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में आरोन और सोह को हराकर कांस्य पदक जीता था।

दूसरे गेम में सात्विक और चिराग की बढ़त

दूसरे गेम में सात्विक और चिराग ने 5-2 की बढ़त को 8-2 तक पहुंचाया। हालांकि मलेशियाई खिलाड़ियों ने अंतर 6-8 तक कम कर दिया। पर ब्रेक तक भारतीय खिलाड़ी 11-6 की बढ़त बनाए थे। भारतीय जोड़ी ने फिर 15-9 की बढ़त में इजाफा करते हुए इसे 16-12 कर दिया। अंत में मलेशियाई खिलाड़ियों की गलतियों का फायदा उठाते हुए भारतीय जोड़ी मुकाबला जीत गई।

भारतीय जोड़ी का आक्रामक रुख

भारतीय जोड़ी ने आक्रामक रुख अपनाया और फ्रंट कोर्ट पर भी दबदबा बनाए रखा जबकि मलेशियाई खिलाड़ी विशेषकर आरोन 41 मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान लय में नहीं दिखे। शुरुआती गेम में दोनों जोड़ियों कड़ी टक्कर देखने को मिली। आरोन और सोह ने लगातार चार अंक लेकर 10-7 की बढ़त बना ली। लेकिन आरोन की तीन गलतियों से सात्विक और चिराग ने वापसी की। ब्रेक तक मलेशियाई खिलाड़ियों ने एक अंक की बढ़त बनाई हुई थी। आरोन नेट पर फिर लड़खड़ा गए जिससे भारतीयों को फिर से बढ़त मिल गई। सात्विक के लगातार स्मैश लगाए और प्रतिद्वंद्वियों की गलतियों ने भारतीय जोड़ी को 18-14 से आगे कर दिया। सात्विक के शानदार रिटर्न ने उन्हें चार गेम प्वाइंट दिलाए, जिससे उन्होंने पहला गेम अपने नाम कर लिया।

भारत-कनाडा ने माना कि राजनीतिक नेतृत्व के बीच उच्चतम स्तर पर फिर से भरोसे को बनाने और सहयोग को बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने आतंकवाद विरोधी गतिविधियों, अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराधों से लड़ने और खुफिया जानकारी साझा करने जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने पर चर्चा की

कनाडा की एनएसए के साथ अजित डोभाल की मुलाकात

भारत-कनाडा साझा हितों के आधार पर मिलकर करेंगे काम, आतंकवाद समेत कई मुद्दों पर हुई चर्चा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने नई दिल्ली में गुरुवार को को अपनी कनाडाई समकक्ष नतालि जी. ड्रूइन से मुलाकात की। यह मुलाकात दोनों देशों के बीच नियमित द्विपक्षीय सुरक्षा संवाद का हिस्सा थी।

यह पीएम नरेंद्र मोदी और उनके कनाडा के समकक्ष मार्क कार्नी के बीच कनाडा के अल्बर्टा में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई चर्चा को आगे बढ़ाने का भी अवसर था। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक आधिकारिक बयान में शनिवार को यह जानकारी दी गई।

पीएम मोदी और कनाडा पीएम मार्क कार्नी ने चर्चा को बढ़ाने की पैरवी की थी

व्यापार, ऊर्जा, नागरिक परमाणु, अंतरिक्ष सहित कई क्षेत्रों में करेंगे सहयोग

जून 2025 के बाद हुई संबंधों में प्रगति

उन्होंने जून 2025 के बाद हुई प्रगति का स्वागत किया, जिसमें उच्चायुक्तों की वापसी भी शामिल है। दोनों प्रधानमंत्रियों ने संबंधों में स्थिरता बहाल करने और एक रचनात्मक एवं संतुलित साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, नागरिक परमाणु, सुरक्षा व कानून प्रवर्तन, दुर्लभ खनिज, अंतरिक्ष, विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा कृषि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संवाद तंत्र को फिर से सक्रिय करने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर सहमति जताई थी।

खुफिया जानकारी साझा करेंगे

दोनों पक्षों ने माना कि राजनीतिक नेतृत्व के बीच उच्चतम स्तर पर फिर से भरोसे को बनाने और सहयोग को बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने आतंकवाद विरोधी गतिविधियों, अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराधों से लड़ने और खुफिया जानकारी साझा करने जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। दोनों ने सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने और मौजूदा संपर्क तंत्रों को और मजबूत करने पर सहमति जताई।

क्षेत्रीय व वैश्विक घटनाक्रमों पर विचार विमर्श किया

दोनों राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने भविष्य के सहयोग के क्षेत्रों पर भी विचार-विमर्श किया और क्षेत्रीय व वैश्विक घटनाक्रमों पर अपने विचार साझा किए। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों के नए अध्याय के लिए करीबी सहयोग करने और सहयोग का दृष्टिकोण अपनाने पर सहमति जताई।

विदेश कार्यालय परामर्श आयोजित

इन चर्चाओं के आधार पर भारत और कनाडा ने 19 सितंबर को नई दिल्ली में विदेश कार्यालय परामर्श (एओसी) आयोजित किया, जिसकी अगुवाई सचिव (पूर्व) पी. कुमारन ने की, जबकि कनाडाई पक्ष का नेतृत्व उप विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन ने किया। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, ये परामर्श पीएम मोदी और कनाडा के पीएम कार्नी के 17 जून 2025 को कनाडा के कनेनास्किस में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई द्विपक्षीय बैठक के बाद हुए।

टाटा का इन्फेंट्री कॉम्बेट व्हीकल का प्लांट तैयार, राजनाथ करेंगे उद्घाटन

रक्षा, रणनीतिक और औद्योगिक सहयोग को मजबूत करेंगे

अफ्रीका में लगेगा भारत का पहला रक्षा विनिर्माण संयंत्र

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मोरक्को के रक्षा मंत्री अब्देलतीफ लोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे, जिसका उद्देश्य रक्षा, रणनीतिक और औद्योगिक सहयोग को मजबूत करना है। वे मोरक्को के उद्योग और व्यापार मंत्री रियाद मेज़ूर से भी मुलाकात करेंगे, ताकि औद्योगिक साझेदारी के नए अवसर तलाशे जा सकें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 22 सितंबर से 23 सितंबर तक मोरक्को की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा करेंगे। यह यात्रा मोरक्को रक्षा मंत्री अब्देलतीफ लोदी के निमंत्रण पर होगी। यह किसी भारतीय रक्षा मंत्री की मोरक्को की पहली यात्रा होगी, जो भारत और मोरक्को के बीच बढ़ते रणनीतिक सहयोग को दर्शाती है।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, राजनाथ सिंह की इस यात्रा के दौरान टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) की नई निर्माण इकाई का उद्घाटन करेंगे, जो बेरेचिड में व्हील्ड आर्मर्ड प्लेटफॉर्म 8×8 का निर्माण करेगी।

यह संयंत्र अफ्रीका में पहला भारतीय रक्षा विनिर्माण संयंत्र है, जो एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत भारत के रक्षा उद्योग की बढ़ती वैश्विक उपस्थिति को दर्शाता है।

बता दें, भारत और मोरक्को के संबंधों ने 2015 में पीएम नरेंद्र मोदी और मोरक्को के सम्राट मोहम्मद छह की भारत में हुई मुलाकात के बाद से गति पकड़ी है। आगामी यात्रा से खासकर रक्षा और रणनीतिक क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है।

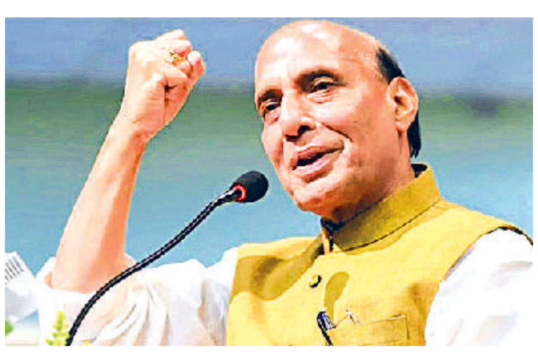

आतंकियों के खिलाफ होगा इस्तेमाल

भारतीय सेना इन व्हैप वाहनों को पहले से ही चीन सीमा से सटे पूर्वी लद्दाख में 17 हजार फीट की ऊंचाई पर सैनिकों के मूवमेंट के लिए इस्तेमाल करती है। इसके अलावा सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) भी जम्मू कश्मीर में आतंकियों के खिलाफ इन विशेष वाहनों का इस्तेमाल कर रही है। खास बात ये है कि व्हैप एक एम्फीबियस व्हीकल है, जो नदी-नालों को भी आसानी से पार कर सकती है। रेगिस्तान में भी इन वाहनों का इस्तेमाल किया जा सकता है। मोरक्को में इस्तेमाल होने के चलते इन व्हैप व्हीकल्स को अफ्रीका के रेगिस्तान में कड़े परीक्षणों से गुजरना पड़ा है।

दूसरे देशों को करेंगे निर्यात

इन बख्तरबंद वाहनों पर गोली या फिर गोला बारूद का असर नहीं होता है। व्हैप में 30-40 एमएम की गन लगी हैं और टूप कमांडर खास टरेट के जरिए दुश्मन पर ऊपर से फायरिंग कर सकता है। करार के मुताबिक, 18 महीने के भीतर टीएएसएल प्लांट से वाहनों का निर्माण शुरू हो जाएगा। करीब पांच एकड़ में फैले इस प्लांट से हर साल 100 व्हैप वाहनों का निर्माण हो सकता है। उसके बाद माना जा रहा है कि प्लांट से अफ्रीका के दूसरे देशों को ये वाहन निर्यात किए जाएंगे।

द्विपक्षीय बैठक करेंगे

एमओयू साइन होगा

यात्रा के दौरान, भारत और मोरक्को के बीच रक्षा सहयोग के क्षेत्र में एक सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है। यह समझौता द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को संस्थागत ढांचा प्रदान करेगा, जिसमें आपसी प्रशिक्षण, औद्योगिक साझेदारी और अन्य सहयोग शामिल होंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, भारतीय नौसेना के जहाज हाल के सालों में नियमित रूप से कैसाब्लांका बंदरगाह पर आते रहे हैं और यह समझौता इस साझेदारी को और सुदृढ़ करेगा।

सितंबर 2024 में हुआ था करार

सितंबर 2024 में मोरक्को के रक्षा मंत्रालय ने टीएएसएल से व्हैप बख्तरबंद वाहनों को बनाने का करार किया था। इस व्हैप व्हीकल को टाटा ने डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) के साथ मिलकर तैयार किया है। करीब 26 टन की इन मिलिट्री व्हीकल में ड्राइवर और कमांडर सहित कुल 12 सैनिक बैठ सकते हैं। सीमावर्ती और दूरदराज के उबड़-खाबड़ इलाकों में सैनिक इन वाहनों में बेहद तेजी से मूवमेंट कर सकते हैं।

यूरोप में बड़ा साइबर हमला, विशेषज्ञ इस मामले को लेकर अलर्ट मोड में

मैनुअल की चेक-इन और बोर्डिंग प्रक्रिया

कई हवाई अड्डों पर चेक-इन सिस्टम ठप, उड़ानों में 'देरी' से यात्री परेशान

एजेंसी ▶▶ लंदन

यूरोप के कई बड़े हवाई अड्डों पर चेक-इन और बोर्डिंग सिस्टम को निशाना बनाते हुए साइबर हमले किए गए। इन हमलों के कारण शनिवार को सैकड़ों उड़ानों में देरी हुई, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। इस तकनीकी समस्या के चलते यूरोप के प्रमुख हवाई अड्डों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई। कई हवाई अड्डों पर मैनुअल प्रक्रिया अपनाकर ही उड़ानों का संचालन जारी रखा गया। ब्रुसेल्स एयरपोर्ट प्रशासन ने बताया कि शुक्रवार रात को उनके चेक-इन और बोर्डिंग सिस्टम के सेवा प्रदाता पर साइबर हमला हुआ। जिससे तकनीकी व्यवस्था बाधित हो गई। इस वजह से एयरपोर्ट पर मैनुअल चेक-इन और बोर्डिंग प्रक्रिया कराई गई। इसके चलते उड़ानों के समय में गड़बड़ी और देरी हुई। एयरपोर्ट प्रबंधन ने यात्रियों से धैर्य रखने और उड़ानों की स्थिति की निरंतर जांच करने की अपील की है।

बर्लिन और हीथ्रो एयरपोर्ट भी प्रभावित

जर्मनी के ब्रांडेनबर्ग एयरपोर्ट ने भी पुष्टि की है कि उनके सेवा प्रदाता के सिस्टम पर साइबर हमला हुआ है। इसके बाद सुरक्षा के मद्देनजर हवाई अड्डा प्रशासन ने अपने नेटवर्क कनेक्शन को अस्थायी रूप से काट दिया। वहीं लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे ने भी तकनीकी समस्या की बात कही है। हीथ्रो एयरपोर्ट के अनुसार, कॉलीन्स एयरोस्पेस कंपनी जो कई एयरलाइनों को चेक-इन और बोर्डिंग सिस्टम मुहैया कराती है। तकनीकी दिक्कतों का सामना कर रही है। इसके कारण उड़ानों में देरी हो रही है।

सुरक्षा प्रोटोकॉल सख्त किए

साइबर हमलों के कारण प्रभावित हवाई अड्डों ने अपने सुरक्षा प्रोटोकॉल को सख्त कर दिया है। कई जगह पर सिस्टम को अस्थायी रूप से ऑफलाइन कर दिया गया है। ताकि आगे के हमलों को रोका जा सके। विशेषज्ञ इस मामले की गंभीरता को लेकर अलर्ट मोड में हैं और सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त कदम उठा रहे हैं

रूस ने यूक्रेन के नौ शहरों पर किया हमला

कीव। शनिवार तड़के रूस ने यूक्रेन के विभिन्न हिस्सों पर एक बड़ा मिसाइल और ड्रोन हमला किया। यूक्रेनी के अनुसार, इस हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि हमला यूक्रेन के नौ अलग-अलग स्थानों पर हुआ है, जिसमें ड्निप्रोपेट्रोव्स्क, मायकोलाइव, चेर्निहिव, जापोरिज्जिया, पोल्टावा, कीव, ओडेसा, सुमी और खारकीव शामिल है। ये हमला नागरिक इलाके को बनाया गया है।

भारत ने किया हमला किया तो सऊदी अरब देगा साथ: पाक

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

रक्षा मंत्री आसिफ के बड़े बोल

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने फिर से अपने बड़बोला होने का परिचय दिया है। एक न्यूज चैनल पर इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए रक्षा समझौते के बाद अगर भारत पाकिस्तान पर हमला करता है तो सऊदी अरब पाकिस्तान का समर्थन करेगा। दोनों देशों के बीच इस सप्ताह हुए समझौते में रणनीतिक आपसी मदद का प्रावधान है। ख्वाजा आसिफ ने बताया कि यह समझौता नाटो के आर्टिकल पांच की तरह है, जिसमें कहा गया है कि एक देश पर हमला सभी पर हमला माना जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह समझौता आक्रामक नहीं, बल्कि रक्षा संबंधी है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि अगर सऊदी अरब या पाकिस्तान पर कोई हमला होगा तो हम साथ मिलकर इसका मुकाबला करेंगे। पाकिस्तान के परमाणु हथियार भी इस समझौते के तहत सऊदी अरब के उपयोग के लिए उपलब्ध रहेंगे, जबकि पाकिस्तान की नीति में ये हथियार केवल भारत के खिलाफ उपयोग के लिए बताए गए हैं। ख्वाजा आसिफ ने आगे कहा कि अधिक अरब देशों के इस गठबंधन में शामिल होने के दरवाजे बंद नहीं हैं और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए मिलकर काम करना सभी देशों का अधिकार है। वहीं मामले में सऊदी अधिकारी ने कहा कि यह समझौता पूरी तरह से रक्षा संबंधी है और इसमें सभी सैन्य साधन शामिल हैं। बता दें कि यह समझौता पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ के सऊदी अरब दौरे के दौरान हुआ है।

चमोली में बादल फटने के बाद दिखा दिल दहलाने वाला मंजर

मां से लिपटे थे जुड़वां बच्चे, मलबे से निकाले तीनों शव

एजेंसी ▶▶ चमोली

चमोली नंदानगर की आपदा ने कई घर उजाड़ दिए, लेकिन सबसे दर्दनाक तस्वीर जो सामने आई उसने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया। एक मां और दो जुड़वा बच्चों के शव। मलबे में लापता लोगों की तलाश की जा रही थी। तभी तीन शव मिले। दोनों जुड़वा बच्चे अपनी मां की छाती से चिपके थे। ये कुंवर सिंह का परिवार था। 16 घंटे तक मलबे में दबे रहने के बाद उन्हें जिंदा निकाला गया, लेकिन सब कुछ खोकर कुंवर सिंह टूट गए। बता दें, उत्तराखंड के चमोली जिले के नंदानगर के कुंतरी लगा फाली गांव में बादल फटने से भारी तबाही मचाई।

रो पड़ा गांव

रोशनदान से ले रहे थे सांस

गुरुवार को आई आपदा में पूरा घर मलबे में दब गया। सुबह जब राहत और बचाव कार्य शुरू शुरू हुआ तो मकानों से मलबा हटाने पर बचावकर्मियों को एक घर से किसी की आवाज सुनाई दी। रोशनदान से कमरे में देखा तो कुंवर सिंह के अंदर होने का पता चला। रेस्क्यू टीम ने तेजी से उन्हें बाहर निकालने का काम शुरू किया।

पिता को 16 घंटे बाद सुरक्षित निकाला

नंदानगर की आपदा में मलबे में दबे कुंवर सिंह 16 घंटे बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए हैं। लेकिन उनके परिवार को बचाया नहीं जा सका। पत्नी और दो जुड़वा बच्चे आपदा में मारे गए। फाली लगा कुंतरी के बलवंत सिंह का एक बेटा परिवार के साथ दूसरे शहर में रहता है और दूसरा पुत्र कुंवर सिंह, पत्नी और जुड़वा बेटों के साथ गांव में रहते थे।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2023-25